



HOLY CROSS

Ascent



HOLY CROSS CONVENT SENIOR SECONDARY SCHOOL

(ENGLISH MEDIUM)

AMBIKAPUR, DIST. - SURGUJA (C.G.), Mo. 7000494395

E-mail : holycrossambikapur67@gmail.com Website : www.holycrossambikapur.com

2026



HOLY CROSS CONVENT SR. SEC. SCHOOL, AMBIKAPUR

CBSE AFFILIATION
NO 3330045

SESSION 2025 - 26

Teaching Staff

A united team of educators, inspiring minds and shaping futures.

Nobility The Sole Virtue Truth Alone Stands

HOLY CROSS

Ascent



HOLY CROSS CONVENT SENIOR SECONDARY SCHOOL

(ENGLISH MEDIUM)

AMBIKAPUR, DIST. - SURGUJA (C.G.), Mo. 7000494395

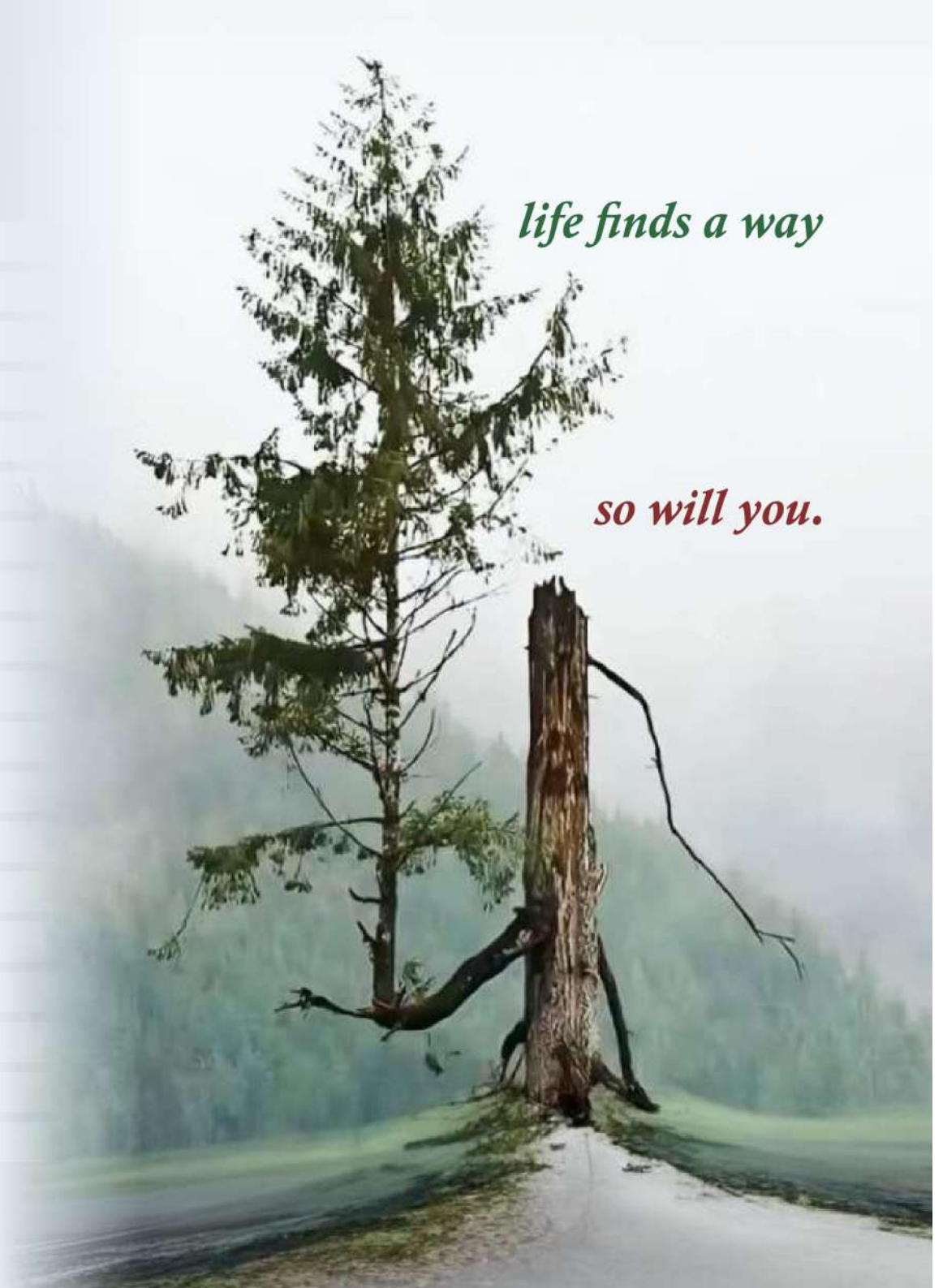
E-mail : holycrossambikapur67@gmail.com Website : www.holycrossambikapur.com

CONTENTS

Messages	03-13
From the Principal's Desk	14-15
Editorial	16-17
School Report	18-28
Social Service Club	29
Science Club	30
Eco Club	31
Arts Club	32
Health Club	33
Music Club	34
Literary Club	35-36
Interviews	39-47
Articles	48-96
Photo Gallery	97-142
Hindi Section	143-158
Art Gallery	159-163
In the news	164-168
Group Photographs	169-176
Outgoing Class 12th Photographs	177-180

life finds a way

so will you.



Ramen Deka
Governor of Chhattisgarh



RAJ BHAVAN
RAIPUR - 492001
CHHATTISGARH, INDIA
PHONE : +91-771-2331100
: +91-771-2331105
FAX : +91-771-2331108

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अम्बिकापुर द्वारा अपनी विद्यालयीन पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" का प्रकाशन किया जा रहा है।

विद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिका के माध्यम से जहां एक ओर विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों की लेखन शैली का विकास होता है, वहीं दूसरी ओर इस पत्रिका के माध्यम से प्राप्त मंच से, छात्र विभिन्न विषयों पर अपनी भावनाओं एवं विचारों को आम लोगों के बीच प्रस्तुत करने में सफल होते हैं।

विद्यालयीन पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" के सफल प्रकाशन तथा पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े विद्यालय परिवार को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(रामेन डेका)

प्रति,

प्राचार्य

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,
अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)



विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़ शासन

Vishnu Dev Sai
CHIEF MINISTER



मंत्रालय, महानदी भवन
अटल नगर, रायपुर, 492002, छत्तीसगढ़

Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Atal Nagar, Raipur, 492002, Chhattisgarh

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अम्बिकापुर द्वारा शालेय पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" का प्रकाशन किया जा रहा है।

ऐसी पत्र-पत्रिकाएं छात्र-छात्राओं में अभिव्यक्ति का कौशल विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। इस पत्रिका में रचनाशील शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा छात्र-छात्राओं की मौलिक रचनाएं प्राथमिकता से प्रकाशित की जानी चाहिए। पत्रिका से स्कूल की शैक्षणिक गतिविधियों और विशेषताओं की जानकारीयां भी लोगों तक पहुंचती हैं।

प्रकाशक अपने उद्देश्यों में सफल हो, इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(विष्णु देव साय)

प्रति,

प्राचार्य
होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,
अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)



राम विचार नेताम

मंत्री

आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास,
पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास
एवं किसान कल्याण, छ.ग.शासन



यह प्रसन्नता का विषय है कि होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.) द्वारा अपनी शालेय पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" का प्रकाशन किया जा रहा है।

विद्यालय से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए। विद्यालय की पत्रिका छात्र-छात्राओं को अपने व्यक्तिगत विकास कार्यों के लिए प्रतिभा प्रदर्शन का भी अवसर प्रदान करती है। इस पत्रिका में विद्यालय में किये गये उत्कृष्ट कार्यों एवं गतिविधियों का प्रकाशन किया जायेगा जिससे आम लोगों को एवं पालकों को विद्यालय की जानकारी आसानी से प्राप्त हो पायेगी।

पत्रिका "HOLY CROSS ASCENT" के प्रकाशन की सफलता हेतु मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। विद्यालय परिवार की उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करता हूँ।

(राम विचार नेताम)

प्रति,

प्राचार्य

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,
अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)



श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

मंत्री

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण
छ.ग.शासन



यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल द्वारा वार्षिक पत्रिका “होली क्रॉस एसेंट” का प्रकाशन किया जा रहा है।

आशा है कि यह वार्षिक पत्रिका विद्यार्थियों में विद्यमान प्रतिभा को संपोषित कर उनके व्यक्तित्व को परिष्कृत करेगी। मैं पत्रिका के संपादन से जुड़े समस्त विद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनायें देती हूँ।

(श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े)

प्रति,

प्राचार्य

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,
अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)



राजेश अग्रवाल

विधायक

विधानसभा क्षेत्र 10 अम्बिकापुर
सरगुजा (छत्तीसगढ़)



निवास एवं कार्यालय

लखनपुर, जिला-सरगुजा

छत्तीसगढ़ - 497116

मो. - 9425254227

ई-मेल - mlarajeshagrwalbjp@gmail.com

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल द्वारा "होली क्रॉस एसेंट" नामक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

विद्यालय स्तर पर प्रकाशित होने वाली पत्रिका का मुख्य उद्देश्य, शिक्षण संस्थान के विभिन्न घटकों-विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्र कर्मचारियों, भूतपूर्व छात्रों एवं समाज के लोगों को, विद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों के बारे में अवगत कराना, उन्हें प्रेरित करना है, ताकि समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण हो।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक शिक्षा संस्थान का यह भी दायित्व होता है कि वह अपने विद्यार्थियों को ऐसी संस्कारवान शिक्षा दे जिससे कि वे अपने जीवन में रोजगार पाने के साथ-साथ श्रेष्ठ नागरिक भी बन सकें। विद्यालय में संचालित शैक्षिक व शिक्षणेत्र कार्यकलापों से विद्यार्थियों का चहुँमुखी विकास होता है और इन्हीं गतिविधियों से सम्बन्धित जानकारियों का समावेश इस वार्षिक पत्रिका में किया जा रहा होगा।

मैं पत्रिका के प्रकाशन के लिए होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल के प्राचार्य, प्राध्यापकों, सम्पादक मण्डल के सदस्यों, छात्रों एवं कर्मचारियों को इस अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ तथा पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

प्रति,

प्राचार्य

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल,
अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)

(राजेश अग्रवाल)



DEEPAK KUMAR JHA

I.P.S.

Inspector General of Police
Surguja Range



Inspector General of Police

Surguja Range, Ambikapur (C.G.)
Tel. (07774) (O): 240158 (R): 240157
Fax No.: 241424, Mob.: 9479193500
email : igp-surguja.cg@gov.in

DO. No. *IGP(SR)/ST/805/2025*
Date. *13/11/2025*

I am delighted to know that Holy Cross Convent Senior Secondary School, Ambikapur is bringing out its annual school magazine "**HOLY CROSS ASCENT**"

Such school magazines play a vital role in nurturing creativity, expression, and communication skills among students. They provide a valuable platform for students to showcase their talents, channel their thoughts in a constructive way, and record the diverse academic and co-curricular achievements of the school.

I am confident that this magazine will truly reflect the collective efforts, creativity and disciplined spirit of the Holy Cross family.

I extend my heartfelt congratulations and best wishes to the Principal, teachers, students and the editorial team for the successful publication of the magazine.

DEEPAK KUMAR JHA

PRINCIPAL
HOLY CROSS CONVENT SR. SEC. SCHOOL
AMBIKAPUR



अजीत वसंत (भा.प्र.से)

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी
जिला- सरगुजा (छ.ग.)



कार्यालय, कलेक्टर सरगुजा, अम्बिकापुर (छ.ग.)

पिन नं.- 497001

दूरभाष रू 07774-220701 (कार्या.) 240700 (नि.)

फैक्स रू 07774-223818 (कार्या.) 240801 (नि.)

ई-मेल : Collector-srg.cg@gov.in


अर्द्धशास. पत्र क्र. 02/सं.सं/2025

दिनांक..... 15/01/2026.....

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि होली क्रॉस कान्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अम्बिकापुर द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका "एक्सैट" का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे आशा है कि "एक्सैट" पत्रिका विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही पत्रिका के माध्यम से विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को उभरने का अवसर प्राप्त होगा।

मैं उक्त पत्रिका से जुड़े समस्त विद्यालय परिवार को इस प्रयास के लिये धन्यवाद एवं शुभकामनायें ज्ञापित करता हूँ।


(अजीत वसंत)

प्रति,

प्राचार्य

होली क्रॉस कान्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल
अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)



डॉ. दिनेश कुमार झा
Dr. Dinesh Kumar Jha
जिला शिक्षा अधिकारी

M.A, M.Phil. Ph.D In English Literature
M.B.A. LLB, B.Ed, M.Ed PGDRD,
PGDCLM, PGDADR (ILI New Delhi)
PGDILD, PGDIHL, PGDIEL (ISIL New Delhi)
DIEPA (NUEPA New Delhi)



**Office of The
District Education Officer**

Email - dineshkumarjha8000@gmail.com
dedoapur@gmail.com
Mob & WhatsApp - 9910597761
Twitter - @Cg_Dineshjha

D.Ed.O./Est/Msg/15016

Date - 28/11/2025

It is a matter of great pleasure that Holy Cross Senior Secondary School Ambikapur, District-Surguja (Chhattisgarh) is publishing the school magazine "HOLY CROSS ASCENT" in the year 2025-26.

I am confident that this magazine will become a powerful medium for the all-round development of students. Through this school magazine, students will give golden form to their creativity. My best wishes to the school family involved in publication of the magazine for their bright future.

(Dr. Dinesh Kumar Jha)
District Education Office,
Ambikapur, Surguja (Chhattisgarh)

To,

The Principal,
Holycross Senior Secondary School,
Ambikapur, Surguja (Chhattisgarh)



Office of the District Education Officer,

Near Kotwali Police Station, Ambikapur, Surguja C.G. Pin 497001

RT. REV. ANTONIS BARA, DD
BISHOP OF AMBIKAPUR



BISHOP'S HOUSE AMBIKAPUR

Nawapara, P.O. Funduldhari 497110
Dt. Surguja (C.G.) India
Tel.: (07774) 230612, 231032, 230063
Mail :- ambikapurdiocese.1977@gmail.com
Web :- <http://ambikapurdiocese.org>

15.11.2025

To.

The Principal, Staff, and the students,
Holy Cross Sr. Sec. School, Ambikapur.

Dear Students, Teachers, and All the Members of the School Community,

I am so happy to address you in 'Holy Cross Ascent' an inspiring record of another fruitful year of learning, creativity, discipline, and growth. This magazine is not merely a compilation of events and achievements. It is a celebration of the dedication, commitment, and teamwork that make our school a vibrant centre of excellence.

I appreciate, the tireless efforts of the teachers and staff who shape the minds and hearts of our young learners. Their passion for education, guidance, and support helps build a strong foundation for every student. They are not only imparting knowledge but also nurturing values, character, and confidence that are essential for the formation of the next-gen-leaders, responsible citizens, and society builders.

I extend my heartfelt appreciation to our dear students. Your enthusiasm and willingness to learn and to explore, your achievements in academics, sports, arts, and co-curricular activities, and your everyday efforts to grow into better individuals make us immensely proud. You are the future, and each one of you has the potential to make a meaningful difference in the world. Continue to dream big, work hard, and believe in yourselves.

I also take this opportunity to thank you. For in an era where education is rapidly evolving. Holy Cross Sr. Sec. School, Ambikapur, stands strong as a beacon of hope and transformation. The teachers, students, parents, and the entire institution, are shaping a brighter tomorrow. Your contributions, whether small or great, are making a significant impact on the future of the education sector and on the society at large.

As we turn the pages of this magazine, may we recall not only our achievements but also the values that bind us: unity, perseverance, respect, and excellence. Let this inspire us to continue our journey with renewed zeal.

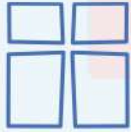
Wishing everyone continued success and God's blessings!

Warm regards,



+ Dr. Antonis Bara, DD
Bishop of Ambikapur





HOLY CROSS INSTITUTE (MID INDIA PROVINCE)

Old Dhamtari Road, Boriakhurd, Raipur - 492001, Chhattisgarh / India

E- mail: midindiaprovincehc@gmail.com

Education for the Age of Intelligence

Dear Sr Jessy, esteemed Faculty, Staff, Parents and Students,

It gives me immense joy to greet the readers of ***Holy Cross Ascent***. More than a chronicle of events, this publication reflects the vibrant life, creative spirit, and enduring values that inspire our school community.

We live in an extraordinary age. In this era of Artificial Intelligence, education itself is being reshaped. Machines can now train, evaluate, and assist with remarkable precision—excelling in transmitting knowledge and developing skills. Yet they can never awaken imagination, empathy, or moral insight—the higher qualities of the human spirit that give meaning and direction to life.

Our task as educators is to bring these two dimensions into harmony—to design an education that engages with technology without being governed by it. True learning in this century will not arise from choosing between intelligence and compassion, but from blending them in a **living balance that reflects both reason and wisdom**.

As a school grounded in the timeless values of love, truth, and service, our mission is not merely to prepare students for the future, but **to form hearts rooted in integrity, minds enlightened by wisdom, and hands strengthened for selfless action**. Education today must rise beyond literacy in Artificial Intelligence to mastery of self—to nurture in our young people **the courage to innovate, the discernment to choose wisely, and the compassion to transform the world through goodness and justice**.

I extend heartfelt gratitude to our **Principal** for visionary leadership, to our **faculty and staff** for their tireless dedication, and to our **students**, whose enthusiasm and perseverance give life to our mission each day.

May ***Holy Cross Ascent*** remind us that true education is not only about what we learn, but **who we become—where intellect meets compassion, technology serves humanity, and every learner discovers the joy of being fully alive in this Age of Intelligence**.

With Best regards and prayerful wishes,

Sr. Diana Chettoor
Provincial Superior
Mid India Province, Raipur



Dear Principal, Staff and Students,

It gives me great joy to pen this message for the school magazine 'Holy Cross Ascent' which is a vibrant reflection of the creativity, dedication and achievements of our students and staff. Each page captures the spirit of curiosity, learning and growth that defines our school community.

Our students continue to inspire us with their talents whether in academics, sports, arts or community service. Their enthusiasm for innovations and hard work remind us that education is not only about acquiring knowledge but also about building character, nurturing values and preparing for the challenges of the future.

Speaking of challenges, they are plenty globally & nationally. Global climate change, erosion of human values, a lack of sensitivity to one another as humans is to be seen everywhere. A culture of violence creates unrest which threatens a peaceful co-existence. It is our bounden duty to instil in the young generation values for harmony in all existence and resilience in stressful situations.

Dear staff as you celebrate accomplishments, please remember a quote of unknown source that **True education is not just about learning facts, but about learning to live with compassion and empathy.**

With best wishes to Principal, Staff & Students.

God Bless one and all.

Sr. Elsy Jose
Manager,
Holy Cross Convent Sr. Sec. School
Ambikapur, C.G.





From the Principal's Desk

Dear Students, Parents, Teachers, and Well-wishers,

In a world that is constantly being reshaped by technology, trends, and shifting priorities, we often find ourselves racing to keep pace with change. Yet deep within, we recognize that true education must be anchored in something timeless — values. Today's students are growing up in an age full of promise. With knowledge and opportunity at their fingertips, they can explore, connect, and dream in ways we never imagined. But amid this wave of progress, we must pause and reflect: Are we also guiding them to become compassionate, ethical, and grounded individuals? Are we nurturing not just achievers, but human beings of conscience and character?

At Holy Cross, we believe that academic success must go hand in hand with moral formation. Each day, we strive to build an environment where values like honesty, empathy, respect, responsibility, and faith are not just taught — they are lived. Be it in classrooms, assemblies, acts of service, or daily interactions, we aim to model the very values we wish to cultivate. For we know that children learn most profoundly by observing those around them. As educators and parents, we are called to be living examples.

Dear students, as you move forward, may you not only shine in your accomplishments, but in the values you uphold. In a world that often celebrates only success, dare to be kind. In a culture driven by speed, choose integrity. You are the hope and light of tomorrow.

As I reflect on the journey of this academic year, my heart is filled with gratitude. I extend my sincere appreciation to the editorial team for their creativity and dedication in bringing this magazine to life. Your efforts in capturing the spirit of our school community are deeply commendable. I also thank our School Manager, the Provincial leadership, and our devoted faculty members whose unwavering commitment continues to make Holy Cross a beacon of holistic excellence.

Let us remain united in this shared mission — to raise compassionate, conscientious, and capable young people who will make meaningful contributions to the world. May this magazine serve as a source of inspiration and reflection, reminding us all of the strength that comes from living with purpose, learning with depth, and growing with grace.

With warm regards,
Dr. Sr. Jessy Thekkan
Principal



Editorial

Wisdom does not discriminate against those who seek its dwellings.

This year, I got the privilege of being the editor of the school magazine. I wish to use this opportunity to share with my readers, the secret of travelling without moving. Books have been my escape. In a world filled with infinite catastrophic possibilities, they offer me with moments of respite and introspection. In this continuously changing world, we are often very limited in our experiences. Living life in a bubble is easier, predictable, and comfortable, but something that is uniquely human is curiosity. I often find myself reaching beyond what I can see, drawn to learning and change even though it is not always a comfortable experience. I have come to realize that challenging my views and values is an important part of living, and books, alongside cinema, have been my most trusted companions in this process. This transformative journey began with my very first book, *To Kill a Mockingbird* by Harper Lee, which helped me grow as a person by teaching me about racial injustice and its impact on individuals and society. This initial awakening to social inequality continued through books like *Akkarmashi* and *Jhoothan*, which completely transformed my view of society and pushed me to unlearn many deeply held stereotypes about caste and social hierarchies in India. Books such as *1984* by George Orwell forced me to question the very nature of truth and authority, revealing how easily reality can be manipulated by those in power. Through Winston Smith's struggle against totalitarian oppression, I learned to value dissent and remain vigilant about protecting individual freedom. This questioning of authority extended beyond fiction when I watched the film *Gandhi*, which taught me about nonviolent resistance and showed me how principled leadership can transcend cultural boundaries. The film's portrayal of Mahatma Gandhi's fight for justice expanded my understanding of how collective action can challenge seemingly insurmountable systems of oppression. Similarly, *Garam Hawa* humanized the devastating political upheaval of Partition, helping me

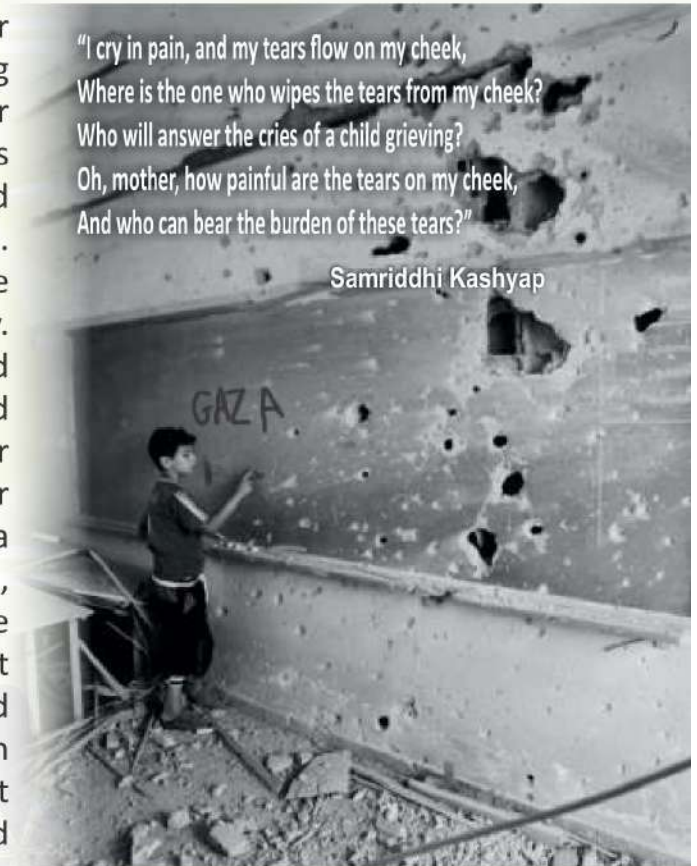


"A reader lives a thousand lives before he dies
The man who never reads lives only one."

comprehend the human cost of nationalistic division and fostering deep empathy for marginalized communities caught in the crossfire of history. Beyond questioning systems, literature opened my heart to individual human struggles that I had never fully understood. **The Bell Jar by Sylvia Plath** immersed me in Esther Greenwood's battle with depression, challenging my preconceptions about mental illness and helping me develop genuine empathy for those struggling with psychological distress. The novel's unflinching portrayal of societal expectations on women also made me question rigid gender norms and the importance of authenticity over conformity. Through these works, both literary and cinematic, I have discovered that books and films are windows into lives I've never lived, perspectives I've never considered, and worlds I've never imagined. They possess a unique ability to broaden our understanding of what it means to be human. To read, to watch, is to step out of your own limited world view and into someone else's shoes. Whether it's learning about a culture vastly different from my own, empathizing with a character's struggles, questioning deeply held beliefs, or confronting uncomfortable historical truths, these works have consistently challenged me to think differently. They have taught me that there is always more to learn, more to understand, and more to consider. In a world where it's tempting to retreat into familiar echo chambers, books and films have been my bridge to the vast complexity of human experience, constantly reminding me that curiosity and empathy are among our most powerful tools for growth and understanding.

"I cry in pain, and my tears flow on my cheek,
Where is the one who wipes the tears from my cheek?
Who will answer the cries of a child grieving?
Oh, mother, how painful are the tears on my cheek,
And who can bear the burden of these tears?"

Samridhhi Kashyap



Samridhhi Kashyap
Editor

EDITORIAL TEAM



Samridhhi Kashyap
XII "B"



Arohi Agrawal
XII "D"



Ojaswi Kundu
XII "B"



Divyanshi Singh
XI "B"



Aparajita Sen Gupta
XI "B"



Sakshi Upadhyay
XI "B"



Ravinandan Mishra
XII "C"



Divyansh Jaiswal
XI "B"



Samridhhi Ojha
XI "B"

ADVISORY COMMITTEE



Ms. Neelam Poddar



Ms. Sushmita Bhattacharya



Ms. Anuradha Agrawal



Ms. Aparna Sarkar



Ms. Harshdeep Kaur



Ms. Puneeta Sinha



Ms. Richa Anish



Sr. Sadhna Tirkey



Ms. Shreyanshi Singh



Mentor
Dr. Sr. Jessy Thekkan

SCHOOL REPORT



By Ms. Punita Sinha
Teacher

“When dedication meets direction, brilliance emerges.”

2026–2027: Expanding horizons, embracing growth, and radiating excellence.

Holy Cross Convent Senior Secondary School, Chhattisgarh, is a visionary institution established and administered by the Sisters of Mercy of the Holy Cross. Anchored in faith, strong moral values, and a spirit of service, the school is committed to nurturing future-ready individuals who lead with integrity, compassion, and purpose. The institution envisions education as a transformative journey that empowers students intellectually, morally, and socially. Through a learner-centred approach and the dedicated guidance of its educators, Holy Cross provides a dynamic learning environment that blends academic excellence with co-curricular enrichment and value-based education. Students are inspired to think critically, act responsibly, and contribute meaningfully to society as lifelong learners. The academic session 2024–2025 reflected the fulfilment of this vision through outstanding achievements. The school recorded a 100% pass result in both Class X and Senior Secondary Board Examinations. In the Senior Secondary section, out of 173 students, 14 students scored above 90%, while 170 students secured First Division. In Class X, 281 students appeared for the examination, of whom 46 scored above 90%, and an impressive 265 students attained First Division. Adding to this proud achievement, Prince Lakra emerged as the District Topper with an impressive 97.4%,

bringing immense honour to the institution. The results stand as a testament to the school's unwavering commitment to excellence and holistic growth. Powered by a team of 138 passionate educators, supported by 37 support staff, 11 office personnel, and 8 security guards, the school stands as a nurturing space for 4,554 young minds.

Major Approvals Accorded by CBSE

The Central Board of Secondary Education (CBSE) has kindly accorded approval for the extension of the school's affiliation until the year 2031. Furthermore, the Board has sanctioned the expansion of the school campus, increasing the land area to 6 acres, and has granted permission to augment the number of sections up to 110.



SCHOOL REPORT

Alumna Brings Laurels to the Institution

Our esteemed alumna, Sachi Jaiswal, has brought immense pride and distinction to the institution by clearing the prestigious UPSC Civil Services Examination. Her achievement exemplifies perseverance, discipline, and determination. Her success adds glory to the school and serves as a beacon of inspiration for our present students. We heartily congratulate her and wish her continued success and excellence in all her future endeavours.

Alumna Brings Laurels to the Institution

Our esteemed alumna, Sachi Jaiswal, has brought immense pride and distinction to the institution by clearing the prestigious UPSC Civil Services Examination. Her achievement exemplifies perseverance, discipline, and determination. Her success adds glory to the school and serves as a beacon of inspiration for our present students. We heartily congratulate her and wish her continued success and excellence in all her future endeavours.

Star of Asia from Our School

Akshita Dabral of Class X C has made our school immensely proud by clinching the coveted Miss Asia Star title in Chandigarh. Crowned the winner, she was also awarded a cash prize of ₹3 lakh, a truly remarkable achievement that highlights her talent and poise.

Saluting Scholastic Stars

In a special felicitation ceremony, Shri Deepak Kumar Jha, IG Surguja, honoured the toppers of Classes X and XII for their exceptional academic achievements. The event celebrated

the students' diligence, dedication, and unwavering perseverance, recognising their remarkable efforts and success.

HIGHLIGHTS OF CLASS X BOARD EXAM RESULTS- 2025

TOTAL NO. OF STUDENTS APPEARED :	281
PASS % :	100
TOPPER'S % :	97.4
NO. OF STUDENTS ABOVE 90% :	46
NO. OF STUDENTS ABOVE 80% :	136
NO. OF STUDENTS ABOVE 70% :	217
NO. OF FIRST DIVISIONS :	265
SECOND DIVISIONS :	16



PRINCE LAKRA
97.4%



AASTHA AGRAWAL
95.8%



ADITYA CHOUBEY
95.8%



NAITIK AGRAWAL
95.2%



RITURAJ TIWARI
95.2%

HIGHLIGHTS OF CLASS XII BOARD EXAM RESULTS- 2025

TOTAL NO. OF STUDENTS APPEARED :	173
PASS % :	100
TOPPER'S % :	96.4
NO. OF STUDENTS ABOVE 90% :	14
NO. OF STUDENTS ABOVE 80% :	70
NO. OF STUDENTS ABOVE 70% :	132
NO. OF FIRST DIVISIONS :	170



JASKEERAT BABRA
96.4%



ADITYA AGRAWAL
94%



AVANI AGRAWAL
94%



TUSHAR GARG
94%



AASTHA MALIK
93.8%

SCHOOL REPORT

Rising Leaders: Investiture Ceremony

The school organised an Investiture Ceremony to officially entrust responsibilities to the newly elected student leaders. Shri Narendra Kumar Dugga, IAS, Commissioner of Surguja District, bestowed the leaders with sashes and badges, inspiring them to lead with integrity, discipline, and commitment.

A Tapestry of School Celebrations

“When a school celebrates, every child becomes a star.”

A Fond Farewell

The school bid a warm and respectful farewell to its retiring staff members in appreciation of their long and dedicated service. Mrs. Alice Karuna retired after 35 years of devoted service as a Primary Teacher; Mrs. Kishori Toppo completed 38 years of sincere service as a member of the supporting staff; Mr. Susheel Ghosh rendered 35 years of committed service as supporting staff; and Mr. Alexius Xess, the school gate guard, was also honoured for his faithful service.

During the retirement programme, the school gratefully acknowledged their dedication and valuable contributions, wishing them good health, happiness, and a fulfilling life ahead.

Honouring Our Helping Hands

On Labour Day, the school celebrated the dedication and hard work of its Class IV employees through engaging activities and tokens of appreciation, recognising their

invaluable contribution to the smooth functioning of the institution.

Celebrating Wellness with Yoga

Students of Class VIII enthusiastically marked International Yoga Day at Raj Mohni Bhavan, practicing various asanas under the guidance of teachers. The session highlighted the benefits of yoga for a healthy body and a calm mind, leaving everyone refreshed and inspired.

Celebrating the Spirit of Freedom

Mr. Shafi Ahmed, Leader of the Opposition, and Mrs. Jenebina Kujur, Parishad Member of Ward No. 11, hoisted the National Flag and graced the occasion with their esteemed presence. The programme featured a vibrant showcase of patriotic dances and melodious songs, filling



SCHOOL REPORT

the air with pride and enthusiasm. Adding to the grandeur, Class IX students presented a powerful dance-drama on "Operation Sindoor" at the Police Line Ground, proudly securing the second position.

Inspiration, Dedication, and Gratitude

"A devoted teacher opens minds, inspires hearts, and nurtures endless curiosity."

Teachers' Day was celebrated with immense enthusiasm, honouring the dedication and commitment of our educators. Students expressed their appreciation through heartfelt performances, speeches, and thoughtful gestures, making the occasion both memorable and meaningful. The celebration concluded with gift distribution and a festive Onam Sandhya, adding warmth and joy to the day.

Honouring Hearts that Serve

"The heart remembers what gratitude holds."

The Holy Cross family joyfully celebrated School Day to honour the Sisters for their devoted service. The programme began with a solemn prayer, followed by a vibrant array of cultural performances by the students. The Sisters were felicitated with badges and bouquets as a heartfelt token of appreciation, making the celebration both meaningful and memorable.

Observing the Festival of Lights

The school celebrated Diwali with warmth, reverence and joy. Class representatives lit candles on behalf of their



respective classes, symbolizing the triumph spreading the message of light over darkness, unity and positivity throughout across the campus, which resonated with festive cheer and harmony.

A Day Dedicated to Our Young Stars

On the occasion of Children's Day, Mrs. Manjusha Bhagat, Mayor of Nagar Nigam Ambikapur, graced the event as the Chief Guest. Students were honoured with certificates and trophies for their academic excellence, perfect attendance in the previous session, and outstanding performance in the Science Exhibition. Adding to the festivity, teachers enthralled the audience with vibrant dance and skit performances, making the celebration lively and memorable.

SCHOOL REPORT



Season of Joy: Christmas Celebrations

Christmas Day was celebrated with a special prayer service, invoking peace, joy, and goodwill. The occasion was enriched by vibrant performances from students dressed as angels, adding grace and festive cheer to the celebration. A lively Santa dance emerged as a major highlight, while a meaningful skit conveyed the message of joy, love, and the true spirit of the season.

Community Outreach: A Journey of Compassion

In the spirit of Christmas, Holy Cross Convent Senior Secondary School showcased its commitment to service beyond the classroom with a meaningful community outreach visit to the foothills near Mainpat. Guided by Sr. Sadhana, Mr. Anupam Dubey, and Mr. Kishore Sinha, the programme offered students a profound experience of empathy, compassion, and social responsibility. A key highlight of the initiative was the distribution of blankets to the underprivileged, providing warmth and comfort during the biting cold. Through simple acts of care and heartfelt interaction, the outreach beautifully reflected the school's vision of educating through love and service.

A Spectrum of School Activities

“Together we learn, together we lead.”

Grand Annual Exhibition “Illuminare 2025”

The Grand Annual Exhibition, Illuminare 2025 – Sparkling Brilliance through Art and Science, was inaugurated on 11th November by Shri Deepak Kumar Jha, I.G., Surguja, marking the formal commencement of the Science and Art

SCHOOL REPORT

Exhibition. The exhibition showcased an impressive array of innovative models vividly reflecting the creativity and academic excellence of the students. Shri Vilas Bhoskar, Collector of Surguja, visited the exhibition and expressed his admiration for the remarkable displays, appreciating the talent and imaginative thinking of the young minds.

The planetarium put up by the students emerged as the centre of attraction, capturing the interest of all and standing out as the most admired exhibit of the exhibition.

Illuminare 2025: Second Day Highlights

The second day of "Illuminare 2025" unfolded with equal enthusiasm and splendour and was graced by the presence of Shri S. K. Shrivastava, Principal, Government School, Lakhanpur, as the esteemed Chief Guest. His visit added distinction to the occasion and encouraged the young participants.

The programme was enriched by a series of thoughtfully choreographed cultural performances presented by the Primary Section, which reflected creativity, confidence, and artistic expression. The young performers captivated the audience with their vibrant presentations, showcasing their innate talent and enthusiasm. Expressing his appreciation, the Chief Guest commended the students for their creativity and commendable efforts, and lauded the school for providing a platform that nurtures holistic development alongside academic excellence.

Standing Together for Flood Relief

In a commendable act of solidarity, the students and staff of the school donated a total of ₹1,78,300 to the M/s Diocese of Jalandhar Relief Fund to aid the victims of the recent floods in Punjab. This gesture exemplifies the community's commitment to service, compassion, and humanitarian support.

Strengthening Gender Sensitivity

A Capacity Building Programme on Gender Sensitivity was conducted for teachers to promote awareness, inclusivity, and equity in education. Resource persons Mr. Surya Prakash Diwedi and Mr. Sourabh Jain shared insightful strategies and practical approaches to foster a respectful and supportive learning environment, empowering educators to nurture a culture of equality in the classroom.



SCHOOL REPORT

Workshop on Child Safety and POCSO Guidelines

A workshop on Child Safety and POCSO guidelines was organised for teachers at the school. The session was conducted by Father Kuldeep Bara, a practising lawyer at the District Court. He sensitised teachers to child protection issues, legal responsibilities, and the importance of adhering to POCSO guidelines to ensure a safe and secure environment for students.

Informed Today, Prepared Tomorrow

The school organised impactful sessions on road safety, drug awareness, cyber safety, and women empowerment for students. Led by Thana Incharge Sunita Bharadwaj and ASI Vijay Kalivartya, the programmes equipped learners with essential knowledge, responsible behaviour, and heightened social awareness, fostering a safer and more conscientious community.

From Classrooms to Communities: A Decade-Long Youth Crusade Against Plastic

For over a decade, the students of Holy Cross Convent Senior Secondary School, Ambikapur, have led a dynamic campaign against single-use plastics. What began as a small school initiative in 2015 has grown into a nationally recognized movement, earning praise from the Prime Minister. On 5 January 2026, nearly 500 students marched in a lively rally with creative placards, slogans, tableaux, and a flash mob, capturing widespread public attention. Backed by a 75,000-signature campaign and guided by Principal Dr.

Sr. Jessy Thekkan, this youth-led initiative is a shining example of passion, persistence, and environmental responsibility.

New Courts, New Opportunities

The newly constructed Basketball and Badminton Courts were blessed and inaugurated on 8 January 2026, marking a significant milestone in enhancing the school's sports infrastructure. These facilities aim to promote physical fitness, teamwork, and the holistic development of our students, encouraging them to pursue sports with enthusiasm and dedication.



SCHOOL REPORT

Educational Fair 2026

On 14 January 2026, the school hosted an Educational Fair for Classes XI and XII in collaboration with Success in You (SIY), aimed at guiding students at a pivotal stage of their academic journey. Nearly 12 distinguished Indian and international universities participated, providing students with a unique opportunity to engage with representatives, explore academic programmes, admission processes, scholarships, and career prospects. The fair proved to be an enlightening experience, broadening horizons and empowering students to make informed choices for their higher education and future endeavours.



Sporting Glory for the School

“Champions are made through practice, patience, and perseverance.”

The school takes pride in the remarkable accomplishments of its students in various sports and competitive arenas:

Ishani Rai (Class VIII–B) brought great honour to the school by winning the Gold Medal at the 20th Chhattisgarh State Taekwondo Championship 2025, held at Bilaspur.

Satwik Sinha (VC) secured a Gold Medal in the Under-29 kg category at the 18th District Taekwondo Championship, organised by the Surguja Taekwondo Association under the aegis of the Chhattisgarh Taekwondo Association. Samarth Raj (Class VII G) also added glory to the school by winning a Gold Medal in the 41 kg weight category.

Anaf Raza Khan (Class VII D) won a Bronze Medal at the Chhattisgarh State Shooting Championship, held in Raipur.

Anshuman Sahay (Class VII D) earned multiple accolades in an Open Chess Tournament, showcasing exemplary strategic skill and dedication.

Vishesh Sonapakar (Class X C) brought pride to the school by winning a Bronze Medal in Kickboxing, held in Chennai.

Samarth Raj of Class VII (G) clinched the Gold Medal in the 41 kg weight category at the 18th District Taekwondo Championship, Surguja 2025

The Chhattisgarh State Qwan-Ki-Do Martial Arts Championship, held on 29–30 November at Gandhi Stadium, saw Raaghui Jaiswal (UKG-B) winning a Gold Medal in the semi-contact category. Raaghui has now qualified to

SCHOOL REPORT

represent the school at the National Level in Jammu & Kashmir from 16–19 January 2026.

These outstanding achievements reflect the dedication, talent, and sportsmanship of our students, adding yet another chapter of pride to the school's legacy. Students Shine in Inter-School Competition.

Rising stars of inter-school arenas.

Our students continue to bring pride to the school through their remarkable accomplishments in a wide range of competitions:

To commemorate the “Birth anniversary of Mother Theresa”, an inter-school competition was organised featuring drawing, painting, handwriting, essay writing, and imaginative storytelling. Tanmay Gupta (Class X D) secured first place, earning a cash prize of ₹500 for his outstanding performance. Many students were honoured with consolation prizes in the Handwriting and Essay Writing competitions, celebrating their effort and creativity.

Shourya Singh (Class X F) distinguished himself by winning first place in the Indian Young Inventors and Innovators Challenge 2025–26 at Raipur for his innovative project on bioplastic from rice husk. He also claimed first place in the Science Working Model Competition on solar sanitation, receiving a cash prize of ₹12,000, showcasing his ingenuity and dedication to scientific innovation.

Ananya Deo (Class VII D) achieved 76th rank in the India Talent Hunt Exam, held in Bangalore, and was awarded a

bronze medal along with a Certificate of Excellence in recognition of her exceptional talent and academic prowess.

Akshitha Dabral (Grade XI E) won first prize in the High School Drawing & Painting Exhibition, organised by the Surguja Police on 18 December 2025. Competing against over 500 participants from across the district, she was honoured with a shield and certificate, highlighting her creativity and artistic excellence.

Shilpi Vishwakarma of (Grade XII A) brought immense pride to the school and the Surguja district by being selected for the National Youth Festival held at Bharat Mandapam, New Delhi. As the sole representative from Surguja among participants from 28 states, she showcased her exceptional talent before the Hon'ble Prime Minister of India. Her achievement is a testament to her dedication, skill, and excellence, earning well-deserved acclaim and making the school exceedingly proud. These achievements are a testament to the students' talent, hard work, and dedication, reflecting the school's commitment to nurturing well-rounded individuals who excel in academics, creativity, and innovation.



SCHOOL REPORT

Club Activities: Learning Beyond the Classroom

Eco Club – “In Nature, We Discover Ourselves”

The Eco Club students explored the breathtaking natural beauty of Mayali in Jashpur district. They experienced a mountain nature camp surrounded by bamboo groves and a serene lake. An engaging session on environmental awareness made the visit both enriching and memorable.

Arts Club – “Art Blooms Where Nature Inspires”

Members of the Arts Club visited Satrenga, where the cool breeze and mist-covered hills sparked creativity and joy. The tranquil surroundings provided the perfect canvas for artistic inspiration.

Music Club – “Where Words Fail, Music Speaks”

Twenty-one students, along with teachers and Sister Jaya, visited Sanjay Park. The outing encouraged students to appreciate rhythm, melody, and teamwork while nurturing their musical talents in a joyful atmosphere.

Health Club – “A Healthy Mind Lives in a Healthy Body”

Health Club students visited Bagicha and Rajpuri Falls, where they enjoyed the refreshing beauty of nature. The trip highlighted the importance of outdoor activity, wellness, and mental rejuvenation.

Social Service Club – “Service to Humanity Is Service to God”

Students of the Social Service Club visited Pandonagar along with Principal Sister Jessy and staff members. Clothes and

biscuits were distributed to the needy, while stationery items were donated to students of a nearby government school, spreading smiles and compassion.

Science Club – “Exploring the Past to Understand the Future”

The Science Club visited Amritdhara and the Gondwana Marine Fossil Park. Students observed sculptures of ancient creatures like Dodo and Arthropleura, explored a cactus garden, examined 16 real shell fossils, and admired the magical, serene waterfall—bringing science alive beyond textbooks.

Literary Club – “Stories Live in Every Culture”

The Literary Club journeyed to Sonapur, where students admired beautiful wall art and participated in pottery making. They learned about paddy plantation, horticulture, and animal husbandry at a farmhouse in Aami Ka Gaon, gaining hands-on cultural and literary experiences.

Holy Cross Staff Picnic – Jal Vihar, Bukka

The staff of Holy Cross School went for a picnic to Jal Vihar, Bukka on 17 January. It was a fun-filled and refreshing programme that promoted unity and relaxation among the staff. A wonderful boating experience was the highlight of the outing, which everyone thoroughly enjoyed. The picnic concluded on a joyful note, leaving behind pleasant memories for all.

Farewell Ceremony for Class XII Students

The school organised a memorable farewell ceremony for the outgoing Class XII students. The programme included a

SCHOOL REPORT

few cultural performances that added joy to the occasion. Titles such as Miss Holy Cross, Mr. Holy Cross, and Student of the Year were awarded to deserving students. Mementos were presented as a token of love, making the event warm, graceful, and truly memorable.

As we conclude this year's chronicle of growth and accomplishment, Holy Cross Convent Senior Secondary School stands affirmed as a centre of academic excellence, moral integrity, creative expression, and compassionate service. The achievements of the year bear witness to the harmonious efforts of diligent students, devoted educators, supportive parents, and enlightened leadership, all united by a shared vision of holistic education. Firmly rooted in faith and values, yet responsive to the demands of a changing world, the institution continues to shape young minds that are reflective, responsible, and resilient. With gratitude for the journey thus far and confidence in the path ahead, the school advances with renewed purpose, inspired by the truth that "The true measure of education lies not in how much we achieve, but in how wisely and humanely we live."



SOCIAL SERVICE CLUB REPORT

By Astha Keshri
12th 'A'



Once said by Mohammad Ali, "Service to others is the rent you pay for your room here on Earth." True service, Charity and help without humility is a selfishness behind a veil.

On 23rd August, The Social Service Club along with our Principal, Dr. Sr. Jessy Thekkan and the teacher in-charges, visited **Pando Nagar**, a place of historical and cultural importance. The name Pando Nagar is derived from the Pando tribe - a significant community of the region with deep roots in its heritage. Notably Pando Nagar is home to what is known as the country's second Rastrapati Bhavan located in the Surajpur district of Surguja division.

We reached Rastrapati Bhavan at 9:00 am. We were warmly welcomed. Teacher incharge Sir Sunil narrated its history and significance. We explored the premises which was built in 1952, when India's first President, Dr. Rajendra Prasad visited the place and planted an ancient Khair tree, which still stands there today. After this enriching experience the student distributed clothes and biscuits to the needy villagers who had gathered there. The group then visited a nearby government primary and middle school, where we shared sketch pens, pencils, and biscuits with the children. They joy and gratitude on the faces of the villagers and students were truly heart warming.

The journey continued as the students admired the serene natural beauty of Pilkha Lake which looked as beautiful as expected. The rainfall further enhanced the beauty of the place. The tall green mountains were covered with fog and



blending into the clouds, touched our souls and filed the day with freshness and peace. After getting drenched in the rain, the group carrying with them a wealth of learning, service experiences and cherished memories.

The Social Service Club expressed sincere gratitude to the Principal and teacher in-charges for their guidance, encouragement and presence, which made the day meaningful and memorable.

Serve Poor, Serve God "Helping one person might not change the whole world, but it could change the world for that one person."

Office bearers : Astha Keshri 12th 'A' (President)
Priyanshu Kumar 12th 'A' (President)
Anshi Bari 11th 'B' (Vice President)
Aradhya Kushwaha 11th 'B' (Vice President)
Priyansh Sharma 10th 'C' (Secretary)
Aarav Mishra 10th 'B' (Joint Secretary)

SCIENCE CLUB REPORT



By - Hritika Mehrotra
12th 'B'

On 23rd August for Science Club activity we went on exciting and educational journey to Amritdhara and Gondwana Marine Fossil Park, where nature and history came alive before us. We began our journey at 9 am from school with respected teachers Mr. Anudev Basak, Ms. Jincy Sinha, Mr. Sibte Hassan, Mr. Yogesh Gaur, Ms. Meena Agrawal, Ms. Zigyasa Singh, Ms. Talat Uzra, Mr. Anand Sisodia, Ms. Jessy Abraham, Ms. Kiran Sinha, Mr. Bhagaban Pradhan, Mr. Santosh Behura and a sea of eager learners, all filled with excitement and joy. After a pleasant drive of about two to three hours, we reached the Gondwana Marine Fossil Park. The entrance itself was mesmerizing, adorned with carvings. Inside we were greeted by many granite carved sculptures of ancient creatures like Dodo, became extinct in 1662 and the gigantic Arthropleura which was up to 9 feet long. Truly these sculptures made us imagine how life looked in those era. While crossing a beautiful wooden bridge surrounded by lush greenery, we saw a poster explaining history of Gondwana area.

To our amazement the park even preserved several medicinal trees and plants from Gondwana period, such as Longis Paratus, bomboosa, nutans, etc. Further we explored specular cactus garden, a home to 41 varieties of cactus. There, Monkey Tail cactus was the center of attraction, the Gelar Gusini stood widest and largest among all and Optunia looked most beautiful



with flower crowning its head. The museum was another highlight. Inside we saw 16 real shell fossils displayed well and on the wall there hung many research poppers on that area. We even learned that four of the fossils were found in 2021-2022. Then our curiosity took us to main fossil site. There we saw many fossil imprints on the ground along the Hasdeo river which gave us a peek into the past. Then we carried ourself to Amritdhara waterfall. It's gushing water and nearby green park created a breathtaking view. And the light shower with cloudy sky made the place feel even more magical and serene. It's the sunset behind the hills, our journey came to an end. Yet the whisper of fossil and sparkles of waterfall remained in our heart for forever.



ECO CLUB REPORT



By Riddhima Dutta
12th 'B'

"In every walk with nature one receives far more than he seeks." – John Muir

On the refreshing morning of 23rd August, with soft rainfall and a gentle chill in the air, our Eco Club embarked on an unforgettable journey to explore the natural beauty of **Mayali** in Jashpur district.

We were fortunate to be accompanied by our dedicated Eco Club teachers incharges : Mr. Rajendra Prasad Sinha, Mr. Ashish Agrawal, Mr. Silas Ekka, Ms. Mukta Verma, Ms. Kwalini Senapati, Ms. Ritu Soni, Ms. Sunika Sharma, Ms. Harshdeep Kaur, Ms. Nishaba Khan, Mr. Gaurav Gupta, Mr. Vishal Dubey, Mr. Sameer Singh, Mr. Umashankar Pandey, Ms. Helena Binu, and Ms. Puneeta Sinha, whose warmth support and guidance made the day even more special.



The Journey :

The bus ride itself was a delight as we gazed out at the lush, ever-changing scenery. Our excitement grew with each passing kilometer. By 12:30 pm, we arrived at Mayali, where a majestic mountain dedicated to Madheshwar Mahadev rose against the misty sky. The breathtaking sight left us astonished, and we paused to capture photographs, holding onto that moment of awe.

Our next stop was the nature camp and Park, where enchanting bamboo groves and a serene lake cradled between emerald mountains welcomed us. Standing amidst such beauty, we were reminded of the importance of cherishing and protecting these gifts of the Earth.

Lunch by the shimmering lake was followed by an engaging session on the variety of plants and biodiversity thriving in the region, which deepened our understanding of natural vegetation and its significance.

Return Journey -

After some dip - loaded moments, we boarded the bus for our journey back to Ambikapur. By 7:00 pm, we reached home, carrying with us not just photographs, but stories, knowledge, and a renewed commitment to nature.



ART CLUB REPORT



By Mahi Jaiswal
12th 'B'

Date of Trip : 23rd August, 2025
Destination : Satrenga, Korba.
Participants : 302 Students.

The Arts Club organized an exciting trip to Satrenga, located in the Korba district. This excursion provided a much-needed break for 302 eager students and combined artistic inspiration with recreational fun. With the support of our dedicated teachers, the journey began with enthusiasm and a sense of adventure.

The trip itself was a highlight, filled with an energetic atmosphere that never faded. From the moment the buses left, music and dancing filled the air, as students turned the aisles into a nonstop celebration. Upon arriving in Satrenga around 2:30 pm, the group was greeted by misty hill sand expansive green fields. The shift from the urban noise to the calm of nature was instant, revealing a "hidden paradise" for everyone to explore.



The day featured several memorable moments that reflected the spirit of our school community:

A Musical Interlude : Against the beautiful backdrop of the valleys, a student played a heartfelt guitar performance. The live music, resonating off the hills, created a magical atmosphere and attracted many peers who joined in to sing along.

Spirit of Service : After arriving, the senior students took the lead in managing the catering. They banded together to serve snacks and meals to their juniors and teachers, making sure everyone was refreshed before the exploration began. This act of responsibility and care set a positive tone for the rest of the day.

As the sun began to set, the group departed at 5:15 pm, taking photographs and lasting memories with them. The return journey was just as lively and students safely arriving back at school by 11 pm. This trip was more than just an outing; it was a valuable learning experience that taught us to appreciate nature, strengthen friendships, and discover beauty beyond the classroom.

Club leaders :

Mahi Jaiswal - 12th 'B' (President) Abhigyan Pandey - 11th 'C' (President)
Christi Shelby - 11th 'A' (Vice President) Yaman Kashyap - 11th 'D' (Vice President)
Atharva Gupta - 10th 'B' (Secretary) Rashmi Singh Gaharwar - 9th 'F' (Joint secretary)

Faculty Coordinators :

Sr. Sadhna, Mr. Ranvijay Pratap Singh, Mr. Ajit Kumar John, Mr. Antony john,
Mr. Himanshu Kumar Dixit, Mr. J. N. Pandey, Mr. Ujjwal Pratap Singh, Ms. Preeti Rajput,
Ms. Sanju Soni, Ms. Anjali Mitra, Ms. Priyanka Prakash, Ms. Sangeeta Singh.

HEALTH CLUB REPORT



Aditi Singh
12th "D"

Date - August 23, 2025

Venue - Bagicha Rajpuri Falls

Number of students -306

The trip began with great enthusiasm in the morning. The buses departed at 9:00 a.m. in a convoy of four buses. The excitement among the students was clearly visible as every one sang songs, played games and enjoyed the scenic views during the ride.

During the journey, the weather turned stormy with heavy rainfall. As a precaution, our buses halted at St. Eugene Higher Secondary School, Boda. We were warmly welcomed there and offered shelter. We also had our snacks during this break. A special highlight of the stop was meeting the Principal of the school, Fr. Arokiaraj, who interacted with us warmly and encouraged us with inspiring and kind words. By 2:30 p.m., we resumed our journey and soon we reached Rajpuri Falls, a breath, taking natural site surrounded by cool air and refreshing weather, created unforgettable experience for everyone.



MUSIC CLUB REPORT



By - Niyati Gupta
10th 'E'

Away from the routine hum of classrooms and the rhythm of timetables, a different melody awaited us — one woven with songs, laughter and raindrops. On 23rd August 2025, the Music Club of Holy Cross Convent Sr. Sec. School embarked on a delightful excursion to Sanjay Park, where nature itself became the stage and music became the language of our hearts.

A group of 21 enthusiastic students, accompanied by their teacher in-charges — Mr. Aniket Singh, Mr. Sunil Tiwari, Mr. Anay Rajgrihar, Mr. Bhakti Tirkey, Mr. Amardeep Lakra, Ms. Rimsha Shriwastava, and Ms. Amrita Singh—participated in this joyful activity. We were later honoured by the gracious presence of Sister Jaya, which added warmth and inspiration to the occasion.

The serene and lush surroundings of the park provided the perfect

setting for music and togetherness. Students filled the air with melodious songs, and the teachers happily joined in, creating moments of beautiful harmony, as if nature itself wished to celebrate with us. Gentle rain began to fall and peacocks danced gracefully, blending their calls with our music. It felt like a magical gift from creation—peaceful, wholesome and unforgettable.

This experience was not just about singing; it was a lesson in teamwork, unity and shared joy. The trip reminded us that learning is not confined to classrooms—sometimes nature becomes the classroom, music becomes the teacher and joy becomes the lesson.

We returned with hearts full of gratitude, carrying values of togetherness and harmony that will continue to inspire us. On behalf of the Music Club, we sincerely thank our respected Principal and teachers for organizing this enriching experience and for giving us memories that we will cherish forever.



LITERARY CLUB REPORT



By - Mokshith Sahu
12th 'B'

- Presidents** : Samriddhi Kashyap 12th 'B'
Mokshith Sahu 12th 'B'
- Vice Presidents** : Ojasvee Shrivastav 11th 'C'
Amoghvarsh Pandey 11th 'A'
- Secretary** : Anugya Dubey 10th 'D'
Aastha Singh 10th 'D'

On the cloudy morning of 23rd August, chasing behind soft droplets of rain, we reached to our destination, Sonpur. Upon arrival, we were welcomed by Pandit Ram into his house. As we entered we were mesmerized by his artworks that adorned on the walls of his house. He shared stories behind each piece and walked us through the creative process of making them. He shared with us that his art is his way of trying to preserve the beautiful tribal culture which seem to be slowly disappearing. Next stop on our trip was to learn art of pottery making. The village artists guided us through the process and we were renounced with the joy on being able to make our own earthen diyas and pots. Then we went to the paddy field, where, surrounded by the petrichor smell of rain, we were taught to plant paddy by the villagers. Working in the fields made us realize about the hard work and care that goes into our food before it reaches us. Next we moved to a spot in the middle of the forest, where we were joined by Ghasiya Baja and had the pleasure of participating in the traditional dance of Karma. The activity lifted our spirits but also left us pleasantly exhausted. Then we had lunch before bidding farewell to the lovely villagers

and moving to the final stop of our trip. "Ammi ka Gaon" an enchanting farmhouse adorned with lush trees and adorable animals. There, we learnt about horticulture and animal husbandry. We made our way back to the school feeling blissful. It was a meaningful and enriching experience. We sang, danced and made many beautiful memories that we will fondly cherish.



Poetry, creative writing and poster making Competitions organized by Literary Club :-

During academic year 2025-26, Literary club organized multiple competition to provide students with a platform to share their creativity. These series of competition were well received by the students and we received many enthusiastic submissions. Its motive was to promote creativity while spreading awareness about important causes like climate change. All the winners were awarded certificates with eco-friendly prizes, including notebook made from recycled papers, pen and pencil from recycled materials.

A Trip to Book Fair :-

Interested students from classes 10th to 12th were given opportunity to visit book fair on 2nd September, 2025. This educational trip, organized by Literary Club, aimed to encourage reading among students. We explored a wide variety of books across different genres. Many students bought books that intrigued them.


Poetry Cafe :-

During the School's Annual Exhibition the Literary club organized a food fair to raise money for the Single Use Plastic Ban campaign. The event melodiously combined poetry and delicious food, urging people to protect environment. The two-day event quickly gained attention of visitors attending the exhibition. Our stalls made unique efforts to reduce the plastic usage. For example, people who returned plastic wrappers were gifted handmade notebooks and recycled pens. This encouraged everyone avoid littering. This event was very successful and we were able to raise substantial amount of funds, which were later used for donations and single-use plastic ban campaign.



I am the Poem of Earth, said the voice of the rain





The rose is a rose,
And was always a rose,
• Robert Frost



Interviews

"It does not matter how slowly
you go as long as you do not stop."
- Confucius.



INTERVIEW : SHRI DEEPAK KUMAR JHA (I.P.S.)

(Inspector General of Police)

We are privileged to feature this exclusive interaction with Shri Deepak Kumar Jha (I.P.S.), Inspector General of Police, who kindly consented to be interviewed by our students.

1. STUDENT : Sir, please tell us about yourself.

SHRI DEEPAK JHA : I am a 2007 batch IPS officer. The UPSC Civil Services Examination is conducted a year before the batch is allotted and has three stages: Preliminary, Mains, and Interview. My examination process began in 2006, and I was allotted the 2007 batch. I have been serving in Chhattisgarh for around 18 years. IPS training lasts nearly two years. It includes a common foundation course at Mussoorie with other civil service officers such as IAS and IRS, followed by specialized police training at the National Police Academy in Hyderabad. In the initial years of service, I was posted as SDOP and DSP in different regions. Later, I served for about 12 years as Superintendent of Police (SP) in various districts. For the last few years, I have been holding the charge of Inspector General (IG). Currently, I am posted as IG Surguja. The role of an IG involves supervising the functioning of district SPs and the overall police force in the region. Academically, I am an IIT graduate. I completed my schooling in Bokaro, Jharkhand, and cleared the JEE examination in my first attempt. I pursued Mechanical Engineering at IIT Kanpur from 1997 to 2001. After graduation, I was placed in



Hindustan Petroleum, a Public Sector Undertaking, where I worked as a mechanical engineer. After 3–4 years in the corporate sector, I decided to prepare for the Civil Services, and in 2006 I successfully cleared the examination. Since then, I have been serving as a police officer. Regarding my family, my wife is an advocate practicing at the High Court in Bilaspur. I have a child who is in Class 5.

My father previously worked at the Steel Authority of India Limited (SAIL) in the Bokaro Steel Plant. I have three sisters—one works in Bangalore, another lives in Delhi, and the third is a doctor.

2. STUDENT : How do you like to spend your free time?

SIR : I have always been a rather studious person, so initially I did not engage much in outdoor activities. However, over the years I have developed a few hobbies. I am very fond of music and enjoy singing occasionally. I also like interacting with people, especially students like you. These are the ways I usually spend my free time.

3. STUDENT : Do you also play any instruments?

SIR : At the moment, I am learning to play a musical instrument. I have tried learning a couple of instruments earlier as well, but I am still in the process and would not say that I have mastered any yet.

4. STUDENT : What inspired you to become an IPS Officer?

SIR : I studied in a good school, DPS Bokaro, much like your school, Holy Cross. Being in a positive academic environment naturally motivates students to work hard and aim higher. During those days, the financial condition of most families was not very strong, and coming from a region near Bihar and Jharkhand, opportunities were limited unless one excelled academically. This created a strong motivation in me to study well and achieve something significant in life.

My first goal was to get into an IIT, as it opens doors to excellent career opportunities and builds immense confidence. After graduating from IIT Kanpur, I began working in Mumbai. While the job was stable, it felt somewhat monotonous. I wanted a career where I could directly contribute to society and make a meaningful difference in people's lives.

The idea of joining the Civil Services, especially the Indian Police Service, appealed to me because it offered both responsibility and the opportunity to help people solve real-life problems. The satisfaction of serving society and being able to bring change became my primary inspiration to pursue the IPS.

5. STUDENT : Student: What role do you think today's youth can play in reducing crime?

SIR : Today, one of the major areas where youth can contribute is cyber awareness. Many people fall victim to online fraud due to lack of awareness about digital safety and legal procedures. Often, only a small number of victims

report such incidents to the police, which makes it harder to track criminals. Young people, being more familiar with technology, can educate their families and communities about avoiding suspicious links, fake calls, and fraudulent messages asking for money.

Another crucial area is road safety and traffic discipline. A large number of accidents occur because people ignore basic traffic rules such as wearing helmets, avoiding underage driving, and not speeding. Youth can set an example by following these rules themselves and encouraging their friends and relatives to do the same.

If young citizens remain alert, spread awareness, and act responsibly both online and on the roads, they can play a significant role in reducing crime and saving lives in society.

6. STUDENT : Seeing the nature of your job, you have to deal with a lot of negativity. How do you manage to stay positive?

SIR : That is true. Much of our work involves dealing with difficult situations and individuals who may be involved in crime, often due to financial struggles, poor influences, or wrong decisions. In addition, the police as an institution frequently faces criticism from society, whether for actions taken or even for actions not taken. At times, officers are also pressured to make decisions that may not be legally or ethically correct, which adds to the challenge.

In such circumstances, the most important quality for a police officer is patience. I always try to remain calm and patient while handling situations and people. It is also important to communicate openly with the public and help them understand the challenges faced by the police. When people begin to see things from the perspective of law



enforcement as well, negativity gradually reduces. Patience and clear communication are what help me stay positive in this profession.

7. STUDENT : What challenges do you face in maintaining law and order in Surguja?

SIR : Thankfully, Surguja and Chhattisgarh in general are relatively peaceful regions, and maintaining law and order is not as difficult as in some other places. However, certain challenges do arise from time to time. One common issue is social media disputes, where online posts or comments may hurt the sentiments of different communities and create tension.

Another challenge emerges during developmental projects such as mining activities, where local concerns and public sentiments need to be addressed carefully before implementation. Additionally, road accidents sometimes lead to public anger and unrest, especially when families suffer losses and demand accountability from authorities. Despite these challenges, our focus is always on handling situations calmly and peacefully, ensuring dialogue and cooperation with the community to maintain harmony in the region.

8. STUDENT : What are your plans for managing heavy traffic, as it has become a major problem in the city?

SIR : Traffic congestion is indeed a growing concern. Every year, the number of vehicles on the road increases as people's economic conditions improve and vehicle ownership becomes more common. However, this rise is not always matched with adequate awareness of traffic rules, which leads to unsafe driving practices.

One important step is encouraging proper driver education and training, so that people understand road discipline before they begin driving. On our part, we are planning to increase traffic manpower as more trained personnel join the force in the coming months. Along with this, stricter enforcement of traffic regulations — such as penalties for red-light violations, mobile phone usage while driving, and drunk driving — is necessary to ensure safer roads for everyone.

9. STUDENT : How is your department adapting to cybercrimes and AI misuse?

SIR : The misuse of Artificial Intelligence (AI), especially through technologies like deepfakes and voice cloning, has become a significant challenge. Deepfakes can closely imitate a person's face, voice, and actions, making it difficult for people to distinguish between real and fake content. Fraudsters can even mimic the voice of relatives or friends over phone calls, which often leads individuals into financial scams. To address this, the most important step is public awareness and alertness. People must verify unknown calls, suspicious messages, and unusual requests for money before responding. Alongside awareness, law enforcement agencies are also focusing on taking strict legal action against those who misuse AI for fraud and exploitation. In simple terms, our strategy is twofold — educate the public and enforce the law firmly against offenders.

10. STUDENT : What is the police department doing to ensure the safety of women and children, especially at night?

SIR : After the Nirbhaya incident in Delhi, there has been a

strong national focus on crimes against women and children. Several new legal provisions have been introduced, including reforms under the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS). These laws ensure more sensitive procedures, such as recording statements through video, allowing women to give statements from their homes if needed, and ensuring that a female police officer handles such cases whenever possible.

In addition, emergency helpline services like Dial 112 are available. In urban areas, police response teams aim to reach within minutes of receiving a distress call, while rural areas are also closely monitored. We also conduct awareness programs so that girls and women understand their rights and legal protections, which helps them avoid being misled or exploited.

Another important measure is increased night patrolling, particularly in residential areas and workplaces where women may be active late at night. These combined efforts are focused on creating a safer and more secure environment for women and children.

11. STUDENT : What advice would you give to students who want to join the civil services?

SIR : The first and most important step is to understand the career you wish to pursue. Speak to people already in that field and learn about the nature of the work, because it is something you will be doing for many years. Choose a profession because you genuinely like it, not because of external pressure or comparison with others.

Students in Classes 11 and 12 should begin thinking seriously about their goals and the various career options

available today. If one decides to pursue the Civil Services, the basic requirement is graduation in any stream. It is also helpful to study previous years' question papers to understand the examination pattern and syllabus.

Above all, success requires discipline, consistency, and hard work. One must manage time wisely— balancing studies, recreation, and rest — while staying focused on the goal. Short breaks are fine, but regular effort is essential. Most importantly, students should remain self-motivated, because true determination comes from within. With clarity of purpose and continuous effort, any goal can be achieved.

STUDENTS : Thank you for giving us your time. We feel very motivated after talking to you!

In conversation :

**Samriddhi Kashyap 12th 'B', Madumita Sharma 12th 'B',
Sakshi Roy Chatterjee 12th 'B', Bharti Tiwari 12th 'C',
Mokshith Sahu 12th 'B', Ravi Nandan Mishra 12th 'C',
Ojaswee Shrivastava 11th 'C', Amoghvarsh Pandey 11th 'A'**



INTERVIEW : SHRI T.S. SINGH DEO

(EX DEPUTY CHIEF MINISTER OF CHHATTISGARH)

With great pleasure, we present this conversation with Shri T. S. Singh Deo, former Deputy Chief Minister of Chhattisgarh. Who graciously agreed to be interviewed by our students.

1. STUDENT : Sir, please tell us about your school life and your education.

Shri T. S. SINGH DEO : My father worked in government service, which meant we often moved from place to place depending on his postings. I started school in Jabalpur, but after six months, I joined Bishop Cotton School in Shimla, a boarding school, when I was eight years old. I continued in boarding school until graduation.

Being from Himachal, Shimla was comfortable for me, as I had family there who acted as my local guardians. For a short period, I also attended St. Joseph's Convent due to winter closures at Bishop Cotton. From Class 2 to Class 5, I was at Bishop Cotton, and in Class 6, I moved to Sindhya School in Gwalior, another boarding school, where I completed my schooling in 1968–69.

After that, I attended Hindu College, Delhi, where I studied History, despite having been a science student in school. I then completed my post-graduation from Hamidia University, Bhopal. Since then, life has continued to teach me valuable lessons every day.

2. STUDENT : What do you enjoy doing in your free time?

SIR : I am fond of reading, and these days I mostly enjoy light philosophy.

3. STUDENT : If you weren't a politician, what profession would you have chosen?

SIR : I enjoy sharing my experiences, so the profession closest to that would be teaching. Perhaps not as a regular teacher, but more like a principal or mentor, someone who can pass on the knowledge and insights I have gained. I like being able to communicate and help others learn from what I've picked up over the years.

4. STUDENT : What was your favorite subject growing up?

SIR : I was not a career-focused student; I always wanted to explore my own path. In school, I studied science and was particularly fond of mathematics. I have always been comfortable with figures. While the world can be uncertain, math offers clarity— one plus one is always two— which has always given me a sense of comfort and order.

5. STUDENT : Can you share your experience of being Deputy Chief Minister and Health Minister?

SIR : The role of a Deputy Chief Minister is largely formal, as files and decisions primarily go through the Chief Minister. However, my focus was on contributing meaningfully through my responsibilities in the Health Department. As Health Minister, my main goal was universal healthcare





— ensuring that quality medical care is accessible to everyone, without out-of-pocket expenses. This means that from minor ailments to complex procedures like heart or liver transplants, the government should cover the cost, using public funds. My focus was on making medicines and equipment available in government hospitals, ensuring fair procurement processes, and minimizing corruption wherever possible.

Another initiative was to establish at least one medical college in every Lok Sabha constituency, providing better infrastructure and trained staff for the future. While there is still more work to be done, these efforts reflect my aim to improve the system and make healthcare more equitable for all.

6. STUDENT : According to you, what's lacking in today's education system and how can it be improved?

SIR : One major challenge is quality. We need to ensure that education is as effective and inclusive as possible. A key step is teacher training, so educators are better equipped to impart knowledge to a large number of students. For me, the goal of education is twofold: first, to develop better individuals, and second, to provide them with meaningful opportunities to succeed in life.

7. STUDENT : Which of your contributions towards the development of Chhattisgarh do you think has made significant changes?

through my responsibilities in the Health Department.

As Health Minister, my main goal was universal healthcare — ensuring that quality medical care is accessible to everyone, without out-of-pocket expenses. This means that from minor ailments to complex procedures like heart or liver transplants, the government should cover the cost, using public funds. My focus was on making medicines and equipment available in government hospitals, ensuring fair procurement processes, and minimizing corruption wherever possible.

Another initiative was to establish at least one medical college in every Lok Sabha constituency, providing better infrastructure and trained staff for the future. While there is still more work to be done, these efforts reflect my aim to improve the system and make healthcare more equitable for all.

6. STUDENT : According to you, what's lacking in today's education system and how can it be improved?

SIR : One major challenge is quality. We need to ensure that education is as effective and inclusive as possible. A key step is teacher training, so educators are better equipped to impart knowledge to a large number of students. For me, the goal of education is twofold: first, to develop better individuals, and second, to provide them with meaningful opportunities to succeed in life.

7. STUDENT : Which of your contributions towards the development of Chhattisgarh do you think has made significant changes?

SIR : Two things have guided my work: quality and integrity. I have always insisted on maintaining high standards and ensuring that poor-quality work is not overlooked. At the same time, I have focused on reducing corruption wherever

possible. While it may not be possible to eliminate it entirely, these principles have shaped my efforts and brought meaningful improvements in the projects I have undertaken.

8. STUDENT : You seem to have an interest in travelling. Can you tell us about it?

SIR : I enjoy travelling because it allows me to see and experience new things. Travel helps broaden the mind and keeps it open to different perspectives. I try to remain aware of my own ideas while also learning from others. The more I explore and the more I read, the more I realize how much there is to know. Travelling and learning constantly help me stay open-minded and grow.

9. STUDENT : Who is responsible for the current state of roads and the increase in dust and pollution?

SIR : The responsibility primarily lies with the government machinery. While public representatives are accountable to some extent, their role is mostly to approve and allocate funds. The actual implementation, maintenance, and management of roads and environmental standards rest with government officials and staff, who often escape public scrutiny because they are not in the spotlight.

STUDENTS : Thank you, Sir, for giving us your precious time. We really appreciate it!

In conversation :

Samriddhi Kashyap 12th 'B', Anvesha Sinha 12th 'B',
Princy Keshri 12th 'B', Ojaswi Kundu 12th 'B',
Mokshith Sahu 12th 'B', Ravi Nandan Mishra 12th 'C',
Ashish Jaiswal 12th 'B',
Aprajita Sen Gupta 11th 'B', Amoghvarsh Pandey 11th 'A'



Articles

*we don't read and write poetry
because it's cute,
we read and write poetry cuz we're
members of the human race,
and the human race, it's filled with
passion,
medicine, law, engineering these are
noble pursuits necessary to sustain
life,
but poetry, beauty, love,
these are what we stay alive for.*
- John Keating

ALONE



Yuvika Babra
10th 'F'

I have been through a day,
A day when I was alone,
A day when I was quiet,
A day when I cried.

A day when I wanted someone,
But got Toto – my tortoise,
I looked at him to understand his side
He's all alone,
Yet never complains,
Just swims, sleeps and stays

I can see the pain in his eyes.
I can feel his pain of being alone – similar to mine,
But the only difference is this;
His silence speaks louder than mine,
I'm alone just for a day,
But he's alone in every way.



Dreams



Ananya Dubey
5th 'D'

Hold fast to dreams
For if dreams die,
Life is a broken-winged bird
That cannot fly.

Hold fast to dreams,
For when dreams go,
Life is a barren field
Frozen with snow.

Old and New Memories

It may be from a long time ago or may be formed a long time from now.

Old ones may be pleasant or may not be; it only depends on how you choose to remember them.

Some you remember while some you do not. While new ones are on their way to being formed, live a life that you would like to live twice.



Snigdha Shrivastava
12th 'B'

GROWING UP !



Shambhavi Singh
10th 'A'

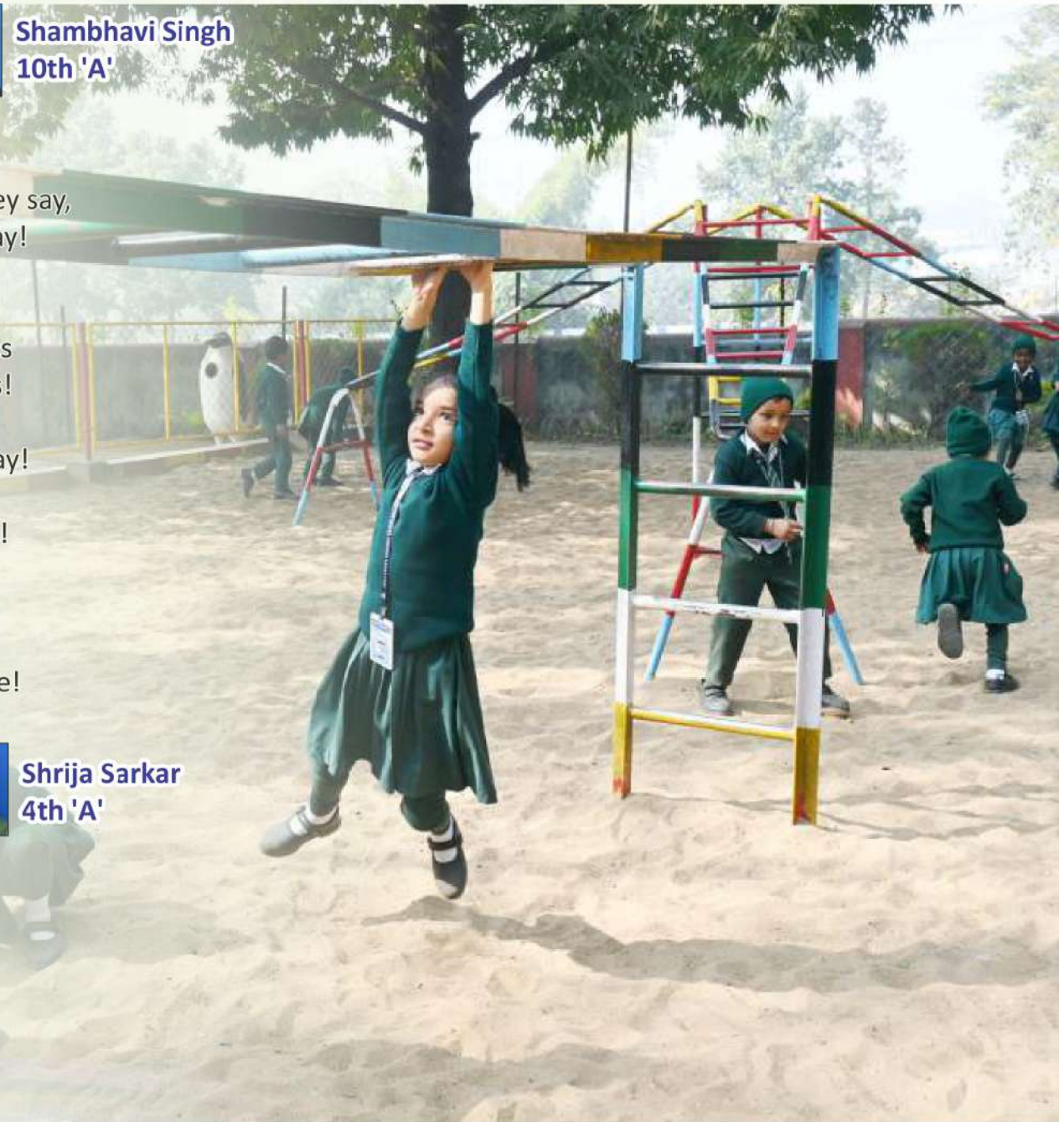
After being a clumsy child,
There comes a time so wild!
Between childhood and being grown, they say,
A phase called teenage comes our way!
Teenage years, a bunch of fears!
A moment of joy, the next of tears!
Caught between silence and screams
A million questions, a billion dreams!
Trying hard to find our way,
Thoughts and emotions come into play!
But all I want is time to breathe,
To find some peace and just believe!
Each step now is like a beam,
That will help us chase our dream!
So, stumble, fall, and rise again,
To shape yourself for the future game!

BEING A STAR



Shrija Sarkar
4th 'A'

Stars shine bright in the midnight sky,
Diamonds in the universe, twinkling high.
Their light guides sailors through the night,
A beacon of hope, a gentle light.
Stars sparkle for all to see,
A celestial wonder, wild and free.
Their beauty is a gift to share,
A treasure to behold, beyond compare.

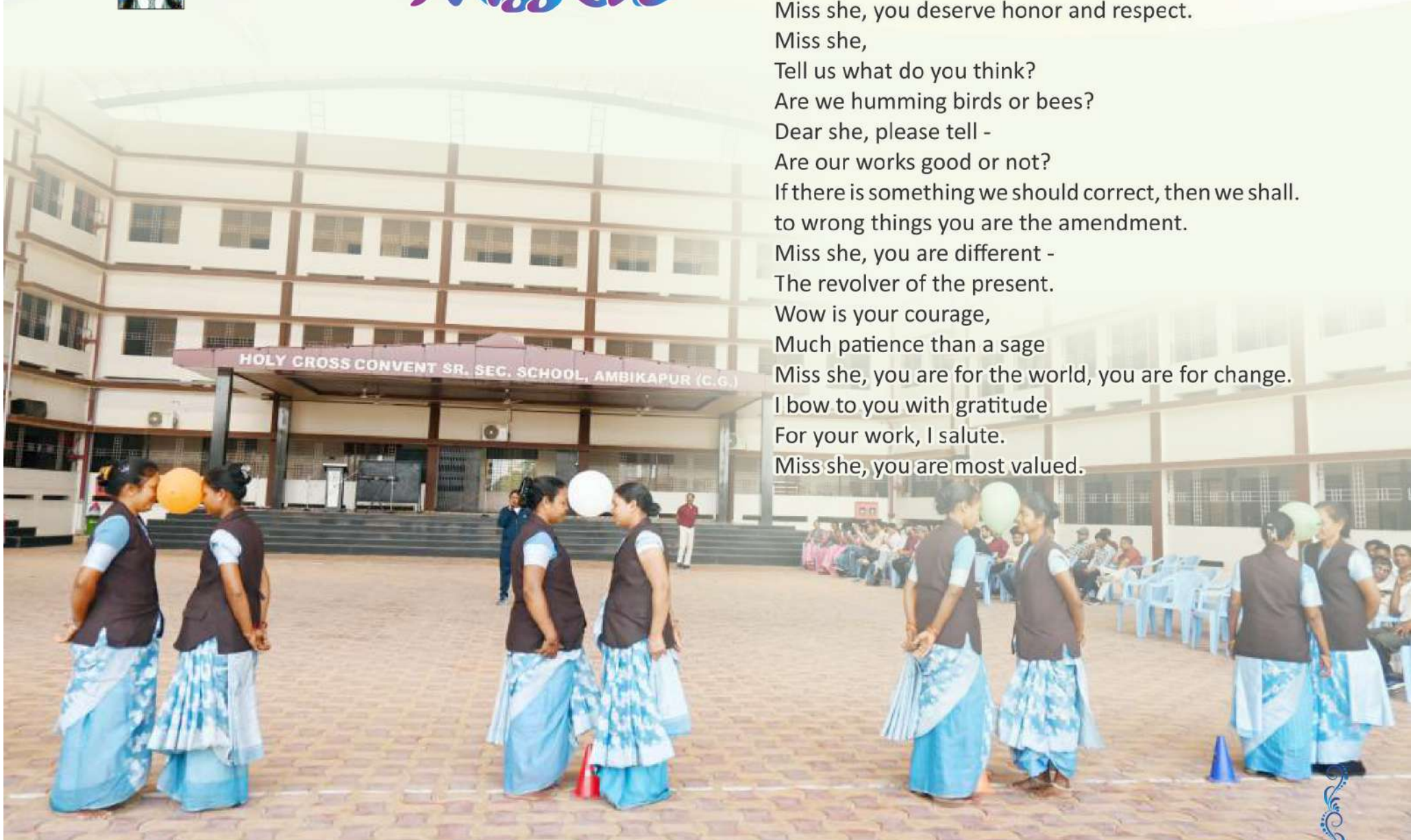




Trisha Bharti
8th 'G'

Miss She

How are you so perfect?
So correct are you in your act
Miss she, you deserve honor and respect.
Miss she,
Tell us what do you think?
Are we humming birds or bees?
Dear she, please tell -
Are our works good or not?
If there is something we should correct, then we shall
to wrong things you are the amendment.
Miss she, you are different -
The revolver of the present.
Wow is your courage,
Much patience than a sage
Miss she, you are for the world, you are for change.
I bow to you with gratitude
For your work, I salute.
Miss she, you are most valued.



Growing up



Aaliya Siddiqui
7th 'D'

Suddenly everything starts to change.
You notice your body changing;
You can feel strange, uncomfortable, and excited.

New emotions start to grow,
Just like blooming flowers.
Most of the time, you find it good,
Loving the voice of nature,
And you feel the need to roam.

Most of the time, people tell you
You are not a kid anymore.
The eagerness to explore the world
Burns like a coal furnace.
Desires, wants, and needs overshadow the mind.

Sometimes it is hard to understand your emotions
You meet all sort of people of different races -
The ugly, the good, the bad.
Growing up is not easy, and in the end,
we look back and smile at the exited times.

ADOLESCENCE A FUN EXCITING JOURNEY



Jagriti Sahu
8th 'F'

Adolescence is one of the most exciting phases of life. It is a time when we step out of childhood and move towards adulthood, filled with curiosity, dreams, and new responsibilities. Though it comes with its share of challenges, the teenage years are often remembered as the most fun and vibrant period of life.

During adolescence, everything feels new- new friendships, new emotions, and new goals. It is a time of discovery, where we start to understand who we are and what we want to become. School days are full of laughter, adventure and learning- not just for books, but also from experiences and mistakes.

This period is marked by energy and enthusiasm. Adolescents love to explore the world, try new things and express themselves through music, fashion, sports, creativity, and more. Hanging out with friends, sharing secrets, and making memories all add to the joy of growing up.

Of course, adolescence is not without its ups and downs. There may be confusion, pressure or disagreements with parents, but these moments help shape our personality and make us stronger. Every challenge becomes a lesson that guides us toward maturity. It is a beautiful, fun journey towards independence. It is a time to dream big, enjoy little moments, and build the foundation for the future.

“Growing up is a colorful adventure, and adolescence is the brightest chapter.”



All That Glitters Is Not Gold



Aaradhya Gupta
10th 'A'

“All that glitters is not gold” is an old proverb which means something that looks attractive or impressive on surface may not have real value underneath. In life, we are often tempted by glamour, wealth and popularity by assuming that they bring happiness, but these external attractions often hide challenges and flaws. Just as a shiny stone may not be gem, not every opportunity or possession is genuinely worth and making informed decisions.

At present, this proverb is more relevant than ever. Social media, advertisements and trends can mislead into valuing appearances over protect. People are easily deceived by outwards beauty, fame or luxury, forgetting that inner qualities like honesty, kindness and gratitude are far more precious. Therefore, this saying teaches us to looks beyond appearances and value truth, character and sincerity over outwards show. Real beauty comes from within, not from a sparkle that merely catches the eye.

The Moonlight Catcher



Prisha Agrawal
5th 'D'

Beneath the waves, where silence sing,
A lone figure drifts on shimmering ring.

Glowing orbs, like stolen moons,
Float and dance in gentle swoons.

The sea, a world of light and hue,
Where coral cities rise anew.

Bioluminescent trails that gleam
Guide the strange through the dream.

With careful hands, he plucks the light,
Capturing wonders in the night.

Each orb holds a secret, bright and rare,
Whispers of the sea's secret lair.

A voyage sought, both brave and true,
Where Moonlight magic finds it due.



AGONY OF ARAVALLI

The Aravalli Mountain Range, one of the world's oldest (over 2 billion years old) and a crucial ecological barrier for North India, is currently facing a severe crisis for survival. While the physical structures exist, they are under immense pressure from human activity, including illegal mining, rapid urbanization, and deforestation, which have already destroyed over 25% of the range in some areas since the late 1960s.

Key Threats and Survival Status:

- **Legal Redefinition:** In late 2025, the Supreme Court of India accepted a new definition of the Aravallis, focusing on landforms that rise 100 meters or more above local relief.
- **Massive Loss of Protection:** Experts and activists warn that this new criterion could leave nearly 90% of the Aravalli range unprotected, making it vulnerable to mining and construction.
- **Ecological Impact:** The degradation of the range threatens to accelerate the spread of the Thar Desert, increase air pollution, reduce groundwater levels (which are already low), and destroy local biodiversity.

A strong citizen-led movement, "Aravalli Bachao Citizens Movement," has emerged to combat the destruction, demanding the entire range be declared a protected biosphere reserve.

Conclusion : While the Aravalli mountains have survived billions of years of geological change, they are currently fighting for their existence against modern development, with their long-term survival in doubt due to the potential loss of legal protections.



Astha Singh
10th 'D'

Part of a Story



Snigdha Shrivastava
12th 'B'

When I read the stories,
It holds me in it.

I see different characters and keys,
Unlock a part of world
That I can only see.

Every bit of it tells something
That everyone understands differently.

While I write the story

Its pages hold me and my memories.

It may be true or just drops from my sea of imaginations.

However, when I complete a story

There is also a new me

Who now sees the world

A little differently.



GAZA UNDER SIEGE

Here on the slopes of hills, facing the dusk and the cannon of time

Close to the gardens of broken shadows,

We do what prisoners do,

And what the jobless do:

We cultivate hope.



Anugya Dubey
10th 'D'



Shristi Keshri
7th 'C'

Circle of life

"Life is a circle...
The end of one journey
is the beginning
of next..."

Life is a beautiful journey that moves in a circle – from beginning to ending, and from ending to new beginning. Just as the sun rises and sets each day, life too flows through different phases, each one teaches something valuable

In childhood, we learn through curiosity and wonder. In student life, we explore knowledge, build friendship, face difficulties, challenges and discover who we are. Every success fills us with joy and every failure gives us strength. These experiences shape our character and prepare us for the next chapter.

As we move ahead, we realise that life is not just about reaching a destination – it's about growing through every moment, cherishing the highs and learning from the lows. Like the changing season, life keeps moving, reminding us that every end carries a promise of a new beginning.

The circle of life teaches us gratitude – for every lessons, every smile, every chance to grow. It whispers a simple truth: live fully, love deeply and keep walking forward with hope.

"WHAT SEEMS LIKE THE END
IS OFTEN THE START OF SOMETHING NEW..."

So, let's embrace each day with positivity and courage, knowing that every moment – big or small- is a part of our beautiful circle of life.

Cyber Safety a must for students



Devika Nair
10th 'F'



Avika Agrawal
6th 'D'

Dare to Dream

Close your eyes and let
Your imagination fly away.
See a picture of where
You wish to be one day.
Let the colour of your
Heart take command
To paint the picture of your dream
And place it in your hand.
Hold on tightly and nurture it,
But allow it room to grow,
When you reach your dream,
Open your hand and let it go.
Close your eyes and search for another,
Caring for it as before.
Never stop searching, achieving
And letting go.
For that's what dreams are for.

In today's digital world, the internet has become an essential part of our daily lives. From online classes and projects to chatting with friends and exploring new ideas, students spend a large part of their time on the web. Cyber safety means protecting ourselves from online dangers like cyber bullying, identity theft, scams, and exposure to harmful content.

Why is it important for students? Students are among the most active internet users and can easily fall prey to online threats. Addictions to games or social media can affect studies and relationships. Here, are some smart tips for cyber safety - Students should protect their personal information. Never share password, home addresses or phone number. Never click on suspicious links, emails or downloads. Balance studies, hobbies and online activities.

In conclusion, the internet is like a double-edged sword, it can be our best teacher or a dangerous trap. The choice is in our hands. After all, being safe online means being smart for life.



DEVIL IN DISGUISE



Ravi Nandan Mishra
12th 'C'

We thought that the devils have horns
so did I,
But we were wrong
Their hairs are combed,
And they wear suits and ties.
They are nice and polite
They catch us by surprise
Their smile is so bright
We never bat an eye
When the world was in ruins
They came to us and said
You know the devils,
They will come tonight
And say,
Let us be the incharge.
When we sleep at night
They go on leading the road
Carrying a big red button and code
But we never raised an eye
But when they called them
DEVILS IN DISGUISE
We laughed and even met their demise.



***A Photo taken in Gaza, A Girl
raising her hands mistaking
the Camera Lens for a Gun***

Two beautiful eyes, to see the beautiful world...
To love all the colors, to love the nature...!!
The one who cannot see,
They don't know how the stars shine.
They cannot enjoy the moonlight...!!
Nor they can see any life.
You see things, you laugh on them!!
You are ready to end up your life.
But cannot donate eyes.
Your two eyes can give people the magic of vision.
At least they can see the world is beautiful!!
Donate your eyes and let the world be seen even after your death!!



Eye DONATION



Teshvi Yadav
5th 'D'

I'M GLAD TO BE ME

I look in the mirror -
what do I see?
I see me,
No else can be.
I'm precious.
I'm glad to be me.
My hair, my face,
my personality,
My size, my shape,
The color of my skin -
All make up me,
outside and in.



Adil Raza
2nd 'G'





Paridhi Agrawal
2nd 'G'

*F*riends at School

Friends at school can play and share.
Friends at school are kind and fair.
Friends at school will talk to you.
When you're feeling sad and blue.
Friends at school are big and small.
Friends at school are best of all.

From Passion to Profession : Turning Hobbies into careers



Arohi Agrawal
12th 'D'

In today's dynamic world, youth is embracing the courage to follow their true interest and ambitions. They are confidently transforming their passions into profession, demonstrating that genuine success is achieved through dedication to what we truly love. Fields such as photography, music, dance, gaming, or content creation hobbies that were once seen as pastimes are now becoming full-time careers. With creativity, confidence, and digital platforms to showcase their talents, young people are redefining what it means to work. They no longer believe in the "9–5" routine but in doing something that excites them every day. Turning passion into profession not only brings happiness but also adds meaning to life. After all, when you love what you do, work never feels like a burden – it becomes a dream come true.

I don't Know



Divya Pandey
11th 'A'

When you don't know, whom to say, How to say, what to say -
May be its because everyone first wants to go away. When
you are lonely but you can't complain Maybe it's because
everyone just wants to blame. When all day you can't smile,
Maybe it's because people's comments fly. When you don't
know what's happening with you, Maybe it's because your
your own mental state has left you.

How Technology is Changing Education



Sakshi Upadhayay
11th 'B'

Education is no longer limited to blackboards and chalks. Today, technology has transformed the way students learn and teachers teach. From smart classrooms to online learning platforms, the world of education is evolving faster than even. With the help of technology, students can now access information from any where and at any time. Online classes educational apps, and digital libraries have made learning easier and more interactive. Concepts that once Seemed difficult can now be understood through animations and virtual experiments Technology has truly turned classrooms into exciting learning spaces.

Teachers also use digital tools to make lessons more interesting and personalized. Even during times like the pandemic, technology kept education alive through virtual classes and e learning platforms. It proved that learning never stops it just changes its form.

However, technology should be used wisely. It should support learning, not replace real understanding and human connection. When used properly, it can make education more creative, equal and accessible for all.



If gravity Had Emotions



Arbiya Firdosi
10th 'B'

If gravity had feelings,
Would it be proud of every swing of planets
A round their star king -
A cosmic dance, a wedding ring?
If gravity had feelings,
would it hold us tighter when we are about to fall,
Or loosen its grip when we want to fly?
Would it weep each time a balloon slips
From a child's hand,
watching it rise
Like something it can never become?
Maybe its love
Not loud, not seen -
Just always there,
pulling us home.



Junk Food, Not Good



Hamyaa Zahee
1st 'A'

Junk food, junk food, looks so sweet,
Burgers, chips and cold ice treats!
Tasty, crunchy, full of fun,
But oh! They're bad for everyone.

Too much pizza, cakes and fries,
Make us weak- oh, what a surprise!
Tummy hurts and teeth go bad,
Makes both Mom and doctor sad!

Fruits and veggies, milk so white,
Make us strong with all their might!
So eat them daily, fresh and good,
Healthy eating changes your mood!

Bye-bye junk food, run away!
Hello health - hip hip hooray!



Jane Goodall : The Women Who Gave Chimpanzees a Voice



Samridhhi Ojha
11th 'B'



Jane Goodall a world – renowned primatologist, anthropologist, ethologist and conservationist, was born on April 3, 1934, in London, England she loved animals from a very young age and dreamed of living with wildlife in Africa. In 1960, at the age of 26, she began her landmark, decades – long study of wild chimpanzees in Gombe Stream National Park in Tanzania. She was encouraged and supported in her early work by the famous palaeontologist Louis leakey. Jane spent many years patiently observing chimpanzees in their natural habitat.

MOONLIGHT PEACE



Kriti
4th 'C'

Moonlight whispers secret bright,
A midnight sky, a gentle sight.
Stars dance slow, a twinkling show,
Night's soft hue, a peaceful glow.



Dreams unfold in quiet night,
The world asleep in gentle light.
In darkness shines a peaceful place
Where moonbeams touch the heart's space.



LEGEND OF THE FALL OF ICARUS



Divya Patwa
10th 'F'

Long ago, there lived a boy named Icarus, the son of Daedalus, a great inventor imprisoned in a tower. Longing for freedom, Daedalus built wings out of feathers and wax-gifts of hope shaped by human hands.

Before they took flight, Daedalus warned his son, "Fly not too high, for the sun will melt your wings- and not too low, for the sea will drown you. Stay in the middle, my son". But when Icarus soared in the sky, he felt the wind kiss his face and the warmth of the sun on his skin. The world below looked so small- and for the first time, he felt infinite.

He forgot his father's warning.

He wanted to touch the sun.

The wax began to melt.

Feathers drifted like tears through the sky. And Icarus fell- not in failure, but in freedom for in that single moment of flight he had tasted the beauty of dreams to bright to hold.

They say the sea still whispers his name- not in sorrow, but in remembrance of a boy who dared to reach beyond what was safe.

"Sometimes, even a fall can be beautiful- if it was for a dream that touched the sky".



Little Hands, little feet,
Learning every step to meet.
In school, we grow and play,
Making friends along the way.



Anaya Agrawal
UKG 'E'

We draw and paint, we sing and dance,
Our laughter echoes a joyful chance.
With every step, with every stride,
We're growing up, side by side.

Our teachers, guide us with gentle hand,
Helping us learn, and understand.
We're little stars, shining bright,
Twinkling with joy, in the morning light.



Marginalisation



Zikra Wakeel
8th 'F'

Marginalisation is a word that feels foreign to most of us. It refers to making a group feel isolated and unimportant. People may be marginalised because they belong to certain caste or religion different from the majority community, speak a different language or follow different customs. People can also be marginalised because they are poor or considered to be of low status.

According to census 2011, the minorities form 19.3% of India's population. In spite of the laws and acts of the Indian government, these minorities still face a lot of discrimination on a daily basis, simply because they are different. Minorities in India such as Muslims, Christians, Sikhs, Buddhists, Parsis, and Jains are considered minorities because their access to education and other resources is still limited. They are under – represented in the civil services, the military and higher education institutions.

Even when laws have passed, people continue to be marginalised on these basis. This can stop only when we take steps to protect them. We should stop judging people, because in the end we are all humans.



A Day Without Gadgets



Nakul Garg
4th "A"

One Sunday, I decided to stay away from all gadgets—no TV, no mobile, and no video games. At first, I felt bored and didn't know what to do. Then I went outside to play cricket, read a storybook, and helped my mother in the kitchen. I enjoyed talking and laughing with my family instead of staring at screens. The day felt peaceful and full of joy. I realized that gadgets are useful, but real happiness comes from spending time with people, playing outdoors, and enjoying nature. It was truly a refreshing and colourful day!
Student.

Trees

I think that I shall never see
A poem lovely as a tree.

A tree whose hungry mouth is prest
Against the earth's sweet flowing breast;

A tree that looks at God all day,
And lifts her leafy arms to pray;

A tree that may in Summer wear
A nest of robins in her hair;

Upon whose bosom snow has lain;
Who intimately lives with rain.

Poems are made by fools like me,
But only God can make a tree.

The most detailed view of a
human cell to date.



Anjali Tiwari
10th 'F'

MOVIE REVIEW



Vandita Kesharwani
11th 'B'



The Book Thief is a beautiful and emotional movie set during World War II. The Film is based on the cruelty of the Nazis and Hitler towards Jewish people. The story is about a girl named Liesel. In the movie, Liesel goes to live with Hans and Rosa Huberman, who become her parents after she lost her real family. Liesel cannot read at first, but with the help of Hans, she learns to read and fell in love with books. She now begins to borrow books from others, due to which she is called "THE BOOK THIEF". She also becomes a close friend of a boy named Rudy who lives in her neighbourhood, and they share a very strong bond. One day, her family hides a Jew, named Max in their basement to protect him from Nazis. Liesel and Max became good friends, and she loves to read books aloud to him. This shows her kindness and compassion. The film is emotional, but it also shows the power of love, friendship, kindness and words. It teaches us that even in the darkest times of life, hope can still be found to keep us motivated. Overall it is a truly heartwarming and emotional story of courage and kindness.

PROTECT OUR Environment



Prashansa Jaiswal
6th 'E'

Our environment is our life source, but it is under threat from pollution, deforestation and careless human activities. Protecting it is not just a responsibility- it is a necessity. Simple actions like planting trees, reducing plastic use, saving water and conserving energy can make a big difference. Everyone can contribute: students, teachers and communities. If we take care of our environment today, we ensure a healthier, cleaner, and safer planet for future generations. Let's act now- because there is no planet B!



My Dear Friend!



Janhvi Soni
11th 'B'

When I was 14, I met a really kind person in my life. At first when I met her, I felt her a bit rude but when we shared memories and got to know each other, I realised that I was wrong to judge such a loving person.

My friend 'Vidhi' just as her name, is beautiful, kind and innovative. I was really not interested in Social Science but her love towards this subject made me to fall for it. I learned each topic from her, and to my surprise I also started developing my interest in this subject. Though I don't really love Studying, I don't hate it either.

Now, she moved to another city for her further studies and I really miss her. The moments we spend together from the school trip to 'our core meetings' were really great.

I hope we meet again soon and recreate those memories. When she was about to leave, I still remember the last call we had, sharing our emotions and I even wished her the best of luck for her new journey in a new city with new people. We even talked about, now we used to sit in the classroom laughing and talking endlessly until one or the other teacher pointed at us and separated us. From being separated from a single bench, now we are separated by cities. I just wish we meet again soon!!

Petals Of Time



Petals fall, moments fade,
School days pass in a gentle shade.
Memories bloom, hearts entwine,
Time's petals have a lasting shine.

Anant Vaibhav Pandey
6th 'G'

Laughter echoes, tears dry,
Lessons learned, moments fly.
In halls of growth, we find our way,
And memories stay, every single time.



MEMORIES BEFORE GOODBYE



Avanee Pandey
12th 'B'

The last few months of school feels like a beautiful movie reaching its final scenes. Everyday suddenly becomes special- the last assembly, the last group photo, the last class. We begin to notice how much we'll miss the things we once took so granted the corridors, the endless classroom jokes.

Between farewell preparations and exam stress, emotions run high. Laughter mixes with tears as we realize this chapter of life is almost over. These are the days when friendship feels stronger and every memory feels golden.

Soon, we will step into a new world, but a part of us will always stay back here- sitting in class, sharing tiffin and dreaming of future.

“THE LAST BELL MAY RING BUT MEMORIES OF SCHOOL WILL ECHO FOREVER”

Soaring Beyond Limits



Shristi Gupta
11th 'D'

Education is the runway from which our dreams take flight. Just as a pilot steers the aircraft with skill and courage and a cabin crew insures safety with discipline and care. Students too must balance knowledge with values to rise above challenges.

True courage lies not only in chasing success, but in daring to keep learning when obstacles arise. Like aviation, where teamwork and dedication ensures every safe journey, our education prepares us for careers built on strength, service and vision. With courage as our wings and learning as our fuel, we are not bound by the ground – we are destined to soar beyond limits



PEARLY WHITE SNOW

It all started three years ago when a pretty white, pearly bird landed on our porch. She was a young pretty small Australian breed bird "budgie" also called a "budgierigar".

She had lilac cheeks feathered, and straight glossy beak, white soft feathers, a hint of sky - blue on her back and pretty black eyes with no rings her gentle soothing chrip, made her seem like an angel. She looked lonely probably a lost baby bird but when I reached my hand towards her she jumped and rested on to my palm, she seemed comfortable with human touch. She looked scared but wanted comfort. She seemed to have lost her previous owner. My family I, my father, my mother and brother brought her home. She flew around the house and we were a little scared since we were just kids. Later my father brought a pretty comfortable cage, food for her and also a partner for her whom we named Nemo, just that she didn't feels alone. Soon the birds became a couple and laid eggs and which hatched into tiny, adorable baby birds.

Both Nemo and Snow took care of the baby birds and they grew up becoming little cute birds. It was so beautiful to watch such little birds taking care of their babies as they grew.

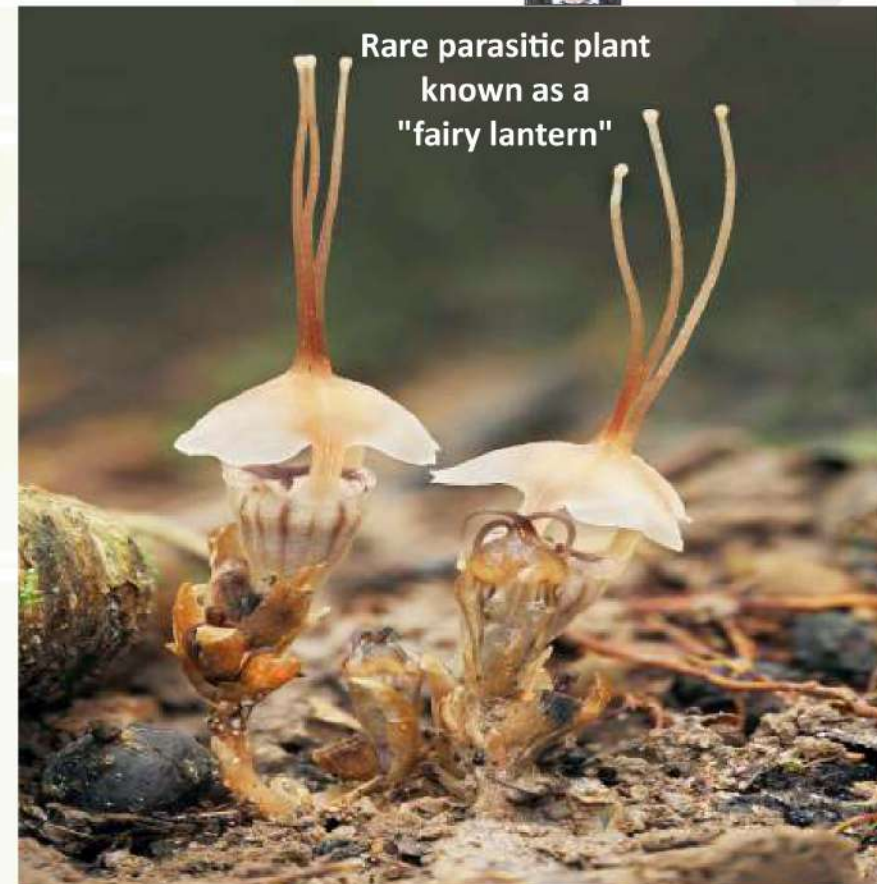
They gifted us with four baby birds who later grew and become pretty adult budgies, in colour like blue, purple, yellow and aqua. This cycle continued and eventually, we had a total of 15 birds Every two month all starting from jus 2 birds.

My father brought them a big cage, toys like balls, stars, bridge swings etc for their house. It was all great until my bird Nemo, partner of my pretty Snow died, she got too depressed, she wouldn't eat or drink. She just sat in the corner of the cage fluffed up and sad, thankfully the other birds, her babies cheered her up and got she eventually better. 2 months later snow flew away, leaving us 13 pretty birds behind.

We miss her !!



Shiveshika Singh
11th 'E'



Rare parasitic plant
known as a
"fairy lantern"

Social media is making us antisocial

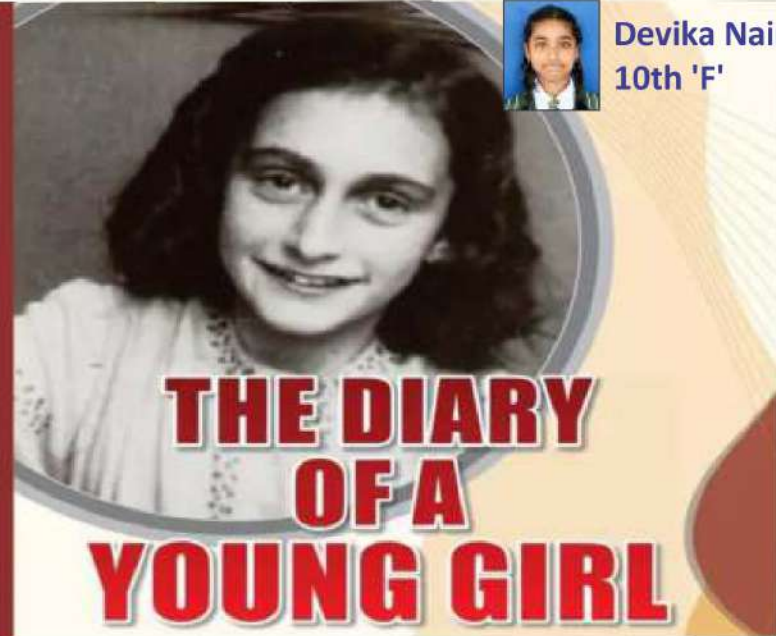


Roushni Parveen
7th 'B'

Social media has become a part of our lives, and some of us cannot even live without social media. We spend most of our time looking mindlessly at our phones. We use many apps such as Instagram, YouTube, Snapchat and Pinterest to interact with our friends. We have hundreds of friends in our friend list, but we don't really know most of them. When we pause and check our phone in a middle of the conversation, it indicates that we care for the person who is online than the one who is standing right in front of us. It is the time that we should interact with our family, friends instead of our phones. We should use social media in a positive way, such as gaining knowledge and staying informed.



BOOK REVIEW



Devika Nair
10th 'F'

The diary of a Young girl is the inspiring and deeply emotional diary of Anne Frank, a Jewish teenager who hid from the Nazis during World War II. Through her honest and thoughtful entries, Anne describes the fears, challenges, and hopes she experienced while living in the Secret Annex.

Despite the difficult conditions, she shows courage, maturity and a strong belief in goodness. Her writing highlights the value of freedom, kindness and resilience. Though her life ended tragically, Anne Frank's diary remains an inspiring reminder of hope in time of hardship.

To me, Anne Frank's diary is a powerful reminder of hope and courage. Her thoughts made me value freedom and stay positive even in tough times. Her words continue to inspire me to be strong and kind.

The Art of Day Dreaming



Divyanshi Singh
11th 'B'

“Where the mind wanders, creativity awakens”. We often hear people saying, “Stop daydreaming and focus!” but what if daydreaming isn't a waste of time? What if it's actually something beautiful? Day dreaming is the art of letting your mind wander beyond reality. It when you imagine possibilities, create stories, or think about a future that hasn't happened yet. Far from being useless, it's what give birth to creativity. Many great thinkers and artist began their ideas as simple daydreams. When we daydream, we connect with that we truly feel and want. It helps us see our hopes more clearly and sometimes even inspire us to turn them into goals. It's like giving our brain – (a short vacation) – one that refreshes us instead of tiring us.

Of course, too much of it can make us lose focus, but a little daydreaming every now and then is like adding colors to black and white routine. It reminds us that imagination has no limits.

So next time your mind drifts off, don't be too hard on yourself. Maybe, in that quiet moment, you're not being lazy - you're creating the next big idea.



THE BOY IN THE STRIPPED PAJAMAS!



Azba Asin Khan
10th 'D'

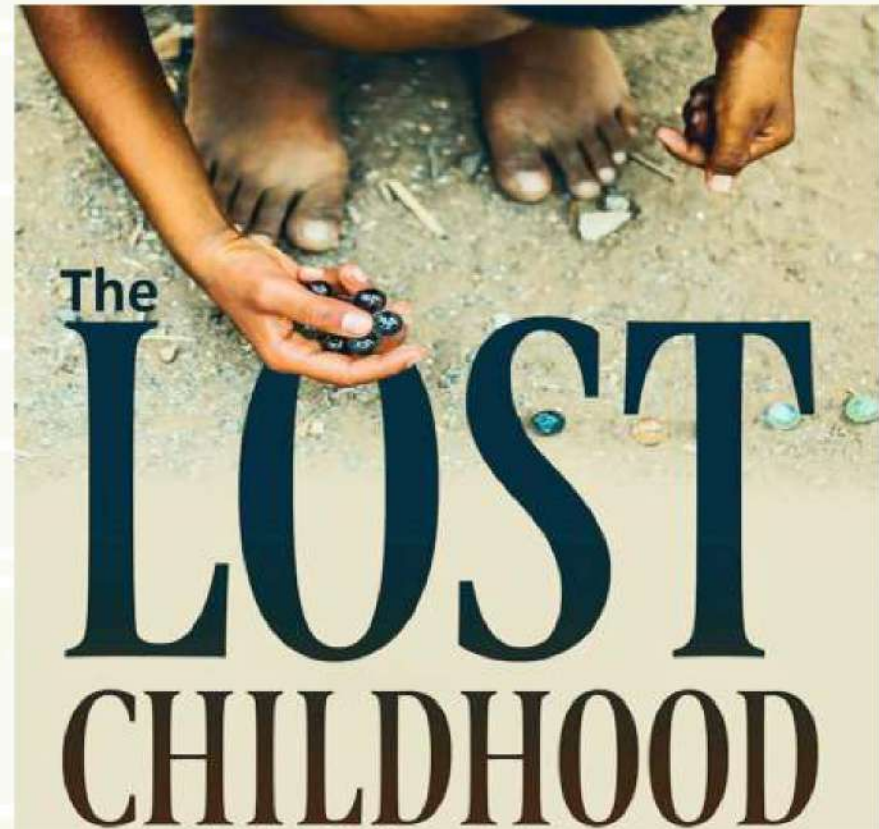
The boy in the striped pajamas is one of those films that doesn't just end. It stays with you and quietly hurts. When I watched it, I genuinely couldn't sleep. The innocence of Bruno and Shmuel, two boys who should have known nothing but friendship, They didn't understand war, religion or division and that reminded me of something painful, hatred is not born within us, it is taught and created.

The ending completely broke me to the core. Watching Bruno sit beside Shmuel in the gas chamber, still clueless, still trusting, still holding his friend's hand was just unbearable. He didn't know what was happening, and the innocence made the moment even more devastating. It's a scene I know I will sever forget.

What made it hit even harder is how real it felt. Not just as a history, but as a reflection of the world today, Even in our generation. We see people arguing, judging and fighting over differences, debates on religion, race, identity, borders. They still divide humanity the same way they did back then. Watching these two boys reminded me how unnecessary this all hatred is Children naturally choose friendship, until adults teach them otherwise.

Two boys separated by a fence built by hate, still found a way to see each other as human. This movie didn't just touch my heart, it shook something inside me and made me question the world we live in.

"From someone who didn't just watched but truly felt it"



The swing is still, the yard is bare
No laughter echoes through the air
Our crayons dried, the games all gone,
The light we chased has travelled on.

But in my heart, those days still stay,
Like faded sun on skies of gray.
Though time has taken what it could,
It can't erase my childhood.



Ashish Kumar Jaiswal
12th 'D'

The Days spent with Grand-father

The most beautiful days of my childhood were those spent with my grand-father. He had a warmth that wrapped around me like an old quilt – safe, soft and familiar. Every afternoon, I would race to his sofa where he sat waiting, his kind eyes crinkling with joy as he handed me a glass of lemonade. His voice were gentle, carried stories of a world long gone-tales filled with heart, quiet courage and simple joy.

He was a tall man with soft white hair and deep set, thoughtful eyes behind gold – rimmed glasses. He always wore neatly pressed shirts tucked into cotton trousers, with a wristwatch he checked not for time, but out of habit. He smelled faintly of sandalwood.

We dug through the garden soil together, his rough hands guiding mine, teaching me that life grows from patience and care. He showed me how to find happiness even in small things. On rainy days, we would sit by the window playing chess or listening to his old favourite music. The silence between us was filled with unspoken love.

He never raised his voice at me. Just being near him made everything feel okay. Even now, I can feel the weight of his hand on my shoulder when I need strength. He was more than a grandfather he was my safe place, my quiet hero. And though he's gone, his love echoes in every tender memory I hold.



Bhavya Soni
11th 'E'



The Secret Life of My Lunch Box



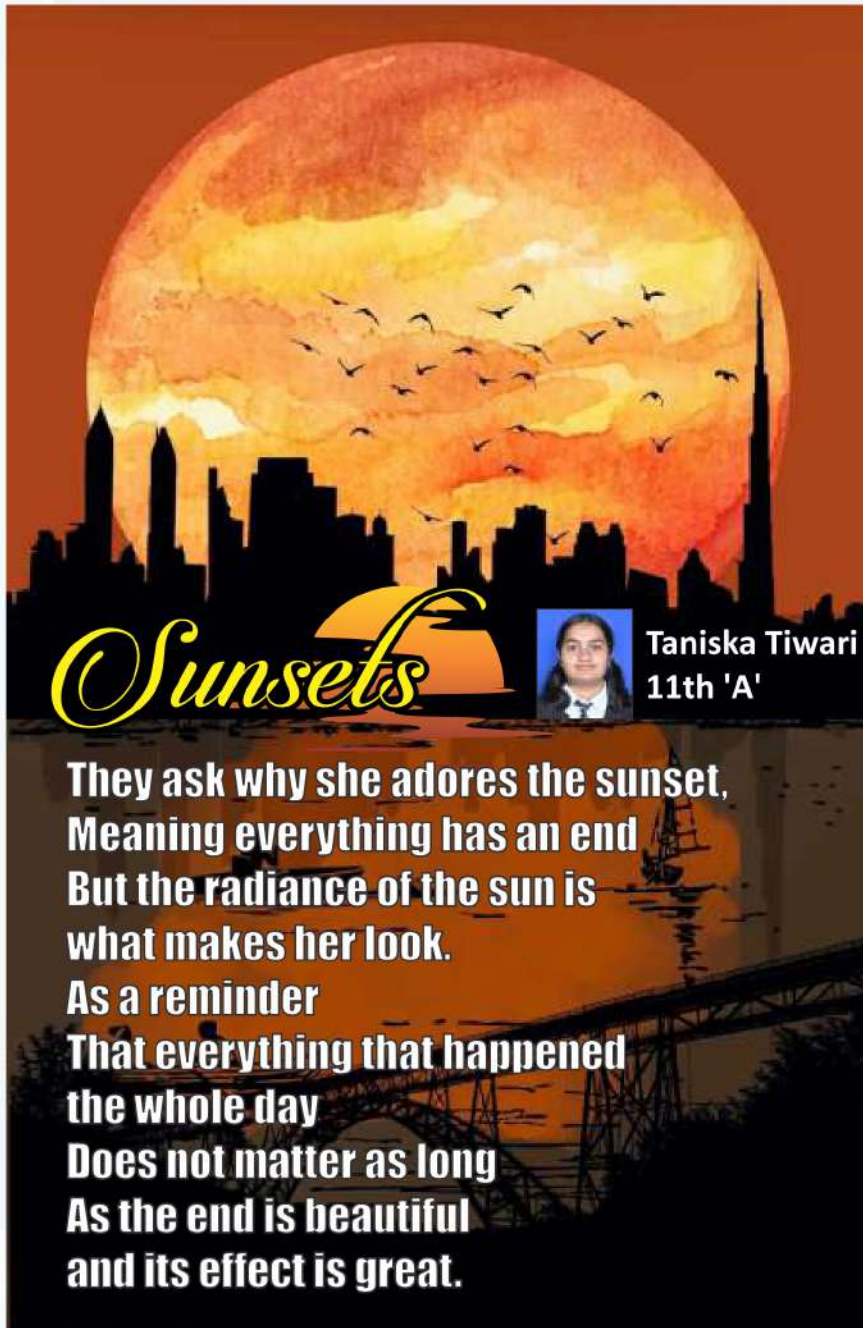
Ridhima Sarkar
5th 'C'

Hi there! I'm Ridhima's lunch box — her most loyal (and often squished) school companion. Every morning, I wake up to the delicious smell of parathas, noodles, or sometimes a surprise that even I didn't see coming!

Once packed, I'm pushed into her school bag. It's dark stuffy, and the water bottle always bumps into me. But when the lunch bell rings, I finally get my moment of glory. Ridhima opens me with a big smile, and her friends gather around like hungry detectives. "What's inside today?" they whisper.

I feel proud when everyone enjoys the food I carry, though sometimes I get a little jealous when Ridhima shares too much — hey, save some for yourself!

After school, I return home tired but happy. Once washed and dried, I rest on the kitchen shelf, dreaming about tomorrow's adventure. Because being a lunch box isn't just about food — it's about love, laughter, and little lunchtime secrets.



Sunsets



Taniska Tiwari
11th 'A'

**They ask why she adores the sunset,
Meaning everything has an end
But the radiance of the sun is
what makes her look.**

**As a reminder
That everything that happened
the whole day
Does not matter as long
As the end is beautiful
and its effect is great.**



Akashi Agrawal
11th 'E'

There's something about the mangoes that takes me back to my maternal grandfather's house – an old, quiet home tucked between green fields and sunburned roads. Every summer, we visited him during the school holidays. The highlight of these visits wasn't just the freedom on the stories he told under the neem tree – it was mango tree in his backyard. Tall and full of life, it bore the sweetest mangoes I had ever tasted. My maternal grandfather and I had a ritual. Every morning just after sunrise, we would walk barefoot to the tree. He'd reach up with a hooked stick bring down the ripest fruits, and give one to me with a proud smile. “Best one this year”, he'd always say, even if it wasn't. The summer I turned fifteen, he fell ill. That year, the tree bore fewer fruits, and he could no longer walk with me. But on our last morning before leaving, I brought him the biggest mango I could find. He held it, smiled weakly, and said- “Best one this year”. That was the last summer I saw him. Now whenever I taste a ripe mango, I go back to the tree, to the marching sun, and the man who gave me more than fruits. He gave me a memory.

THE LITTLE DOG



Saumya Gupta
11th 'E'

He was just 23 days old when I first saw him - a cute little puppy. He had the most beautiful eyes, and a cute tail. We named him 'Coco'. He was different. We used to play every day. He was so tiny that he used to sleep in my father's shoes. In the blink of an eye, time moved so fast that we didn't realize how important someone could be. We never know the value of someone until they are gone, and the same happened with us. One winter morning Coco fell sick. I took him to the hospital to get him treated, and after that, he became better. We had to go somewhere for one week so we left him to one of our relative and once more went out of station. After one week, when we came back, Coco was sick again, so we took him to the doctor. The doctor told us that he would be five and we came home hoping everything would be normal. But fate was not on our side. On the morning of 6th January, 2023, he was gone. I suddenly woke up when I heard my mother crying. I didn't know what was happening, but when she told me, Coco was dead, I was shocked I didn't know what to do or what to think. I went up to his room and saw him lying peacefully in his bed. I decided to touch him for the last time. His body was cold. I cried alot because I was very close to him, He used to understand me and was always there for me, but I was not there when he took his final breath. After his death, we buried him in his favourite place. I still visit that place. Dogs are the loveliest



creature in the world. They aren't able to talk but they always understand us. After that day, I moved on from his death, but some part of me still knows that we will never be able to forget him. We after do not care these who are with us right now, but when they are gone, we realise how important they were. Life is temporary, we never know what will happen to us. I learned an important lesson from him to live my life at fullest. No matter how many problems. I face, I will always smile through them.

The Power of Learning Beyond the Classroom



Shruti Shrivastava
12th 'D'

Learning is often associated with classrooms, textbooks and exams. But if we pause and look around, we realise that some of the most valuable lessons come from outside the classroom walls. Whether its through hobbies, friendships, travel, failure or real-life experiences often teach us things no textbook ever could.

Have you ever learned teamwork through a group project gone wrong? Or resilience after losing a match in the last minute? These moments shape our character and build life skills such as empathy, problem solving and perseverance.

At our school, we are lucky to have clubs, events and opportunities that push us to grow beyond grades. From participating in debates and sports to volunteering or leading a club, every experience adds to who we are becoming.

So, as we continue to strive for academic excellence, let's not forget that education is not confined to a classroom. Every moment a chance to learn, grow and become a better version of ourselves.

Let's embrace every opportunities, both inside and outside the classroom, because the best kind of learning is the one that shape our lives.

THE MOST BEAUTIFUL CHAPTER



Arush Gupta
12th 'A'

Some people try to sound cool by saying they won't miss their school days. To them, I just want to say this; it's not that school wasn't fun; you never learned how to enjoy it.

From twelve years, to twelve months and only twelve days are left. Waking up at 6 am, rushing to school, chatting with friends on the way - School wasn't just a place, it was home. We crafted memories, created laughter. From LKG to UKG to class 1, 2, 3 and finally 12 none of us realised how fast time slipped away. It feels like yesterday we were in class 6 and now here we are, standing at the edge of goodbye.

That's why I hate when people say they won't miss their school life, because deep down, everyone will miss it- the laughter, the chaos, the silly fights, the last minute homework, the endless talks. School life was totally worth it- every single day of it. I enjoyed it. We all did. And to those who say they won't miss their school life- what will you tell your children or grandchildren?

And at the end of it all, I can proudly say I loved it, I enjoyed it. And I will always miss it.





In silence, truth is revealed.
 A mirror to the soul, it feels,
 Where inner wisdom starts to shine,
 Guiding both the heart and mind,

Silence holds the power to heal,
 A balm for souls that deeply feel,
 Calming storms, soothing pain,
 Bringing peace like summer's rain.

The power of silence, we explore,
 A space where wisdom waits in store.
 Listen deeply, hear the sound,
 Of inner peace, all around.

In silence, we discover our might,
 A strength that shines, like morning light.
 Courage blooms, fears subside,
 Empowerment, found deep inside.



Prerna Hira
 9th 'A'



Dipti Verma
 11th 'E'

The Power Of Writing

Sometimes, it's the small things that are the most powerful. This is particularly true for the pen. By all appearance, it seems ordinary, yet for years it has been said that "the pen is mightier than sword." Most of us have heard this phrase before we often fail to understand its true meaning. This is specially problematic for next generation. If teachers don't equip students with the power of writing, no one else will.

The pen isn't only a tool – it's a weapon available to anyone willing to take time to learn how to use it. Of course, we can leave it untouched gathering dust in dark corner. We can also use it and clumsy if without direction, never truly achieving. What we intend. Or We can lift it with care, understand its weight, and learn the right way to wield it. Or we can lift it with care, understand its weight, and learn the right way to wield it. To begin with words can express core beliefs and world view in a meaningful, compelling way. Writing permeates our daily lives in a way that many people don't notice.

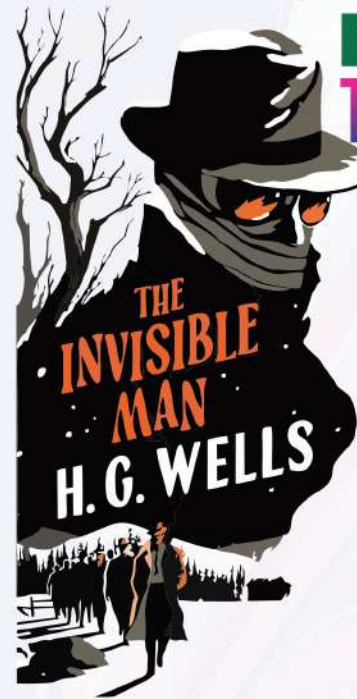
The pen is a sword, we choose to unsheathe it – or not.

THE REALITY OF life



Priyanshu Kumar
12th 'A'

Life is a journey full of ups and downs. It is a mix of happiness, success and failure. What makes life worth living is the way we face these challenges and learn from them. Every challenge is an opportunity to grow, and every setback is a chance to learn and comeback stronger. Failure is a part of life and its something we all experience at one point or another. However failure is not the end, in fact it is often a stepping stone to success. When we fail, we learn valuable lessons that help us grow and improve. Our attitude towards life also plays an significant role in shaping our future. When we approach life with a positive attitude, we are more likely to find happiness and success. By focussing on the positive aspects of life, we can cultivate a positive mindset and live a more fulfilling life. By learning from our failures and staying positive, we can achieve anything in life. let's make our life filled with happiness and success, and make it capable of facing hardship, difficulties and harsh realities of life.



Book Review THE INVISIBLE MAN



Dipti Verma
11th 'E'

The Invisible Man, written by H.G. Wells, tells the story of Griffin, a brilliant but reckless scientist who discovers a way to make himself invisible. This book is a fascinating blend of science and morality. It shows how curiosity and genius can turn dangerous when not guided but conscience.

The novel begins when a mysterious stranger completely wrapped in bandages and wearing dark glasses, arrives at the small English village of Iping. This man, Griffin, is soon revealed to be a brilliant scientist who has discover a way to make himself invisible by altering the refractive index of his body. As the villagers grow suspicious of his secretive behaviour Griffin's true identity and conditions are exposed. Forced to flee, he become increasingly desperate and violent.

I found this book to be an engaging and meaningful novel. It is not just a story about invisibility, but also about the boundaries of morality and madness. I found the story thrilling and thought-provoking. It feels relevant even today, in an age of rapid scientific advancement.

The Sweet Memories

Minutes blend into hours,
Hours blend into years.
I'm scared I won't remember,
I'm scared it will disappear.
Your laughter in the rain,
Your hand intertwined with mine.
I try to hold it tightly,
But I can't stop the time.
I'll hold you in my heart.
As time begins to flow.
Just promise me, Sweet memories,
You'll never let me go.



Ayushi Rajwade
12th 'B'



The timeless power of *Music*



Ojaswi Kundu
12th 'B'

Music is one of humanity's oldest and most universal forms of expression, weaving through cultures, emotions, and eras like an invisible thread. From ancient tribal drums echoing in caves to modern symphonies streaming on smartphones, it transcends language barriers and speaks directly to the soul. At its core, music is organised sound rhythms, melodies, and harmonies that evoke feelings ranging from joy to melancholy. Scientifically, it activates multiple regions of the brain and releasing dopamine for pleasure and reducing stress hormones. Studies show that listening to uplifting tunes can lower cortisol levels by up to 25%, making it a natural therapy for anxiety.

Historically, music has shaped societies. In ancient Greece, philosophers like Plato viewed it as essential for education and moral development. During the Renaissance, composers like Bach elevated it to divine art. The 20th century saw revolutions: Jazz challenged racial norms in America, rock 'n' roll fuelled youth rebellion, and hip-hop gave voice to marginalised communities.

Ultimately, music isn't just entertainment; it's a mirror of human experience, fostering connection and healing. As Victor Hugo said, "Music expresses that which cannot be put into words and that which cannot remain silent." In a noisy world, it offers profound silence within the sound.

The Unwritten Page



Maushmi Talukdar
9th 'C'

The future lies an unwritten page,
A story waiting for your hand to start,
Where choices made will set the stage,
And dreams ignite within your heart.

No need to fear the empty space,
No need to doubt the pen you hold,
Each mark you make finds its place,
A narrative of courage, brave and bold

You are the author, the design is yours,
To fill with purpose, passion and might,
To push past fears and open doors,
And bring your unique vision into light.

The path may twist, the ink may blot,
Mistakes are lessons, not the end,
For every hurdle, every knot,
Is strength discovered, a force to mend.

So start the tale, let creativity flow,
On the blank canvas of tomorrows sky,
And be the best of whatever you are, you'll know
Your story waits, so spread your wings and fly.



The Wisdom of The Tree



Ayesha Fatima
5th 'D'

One day, a wise teacher presented her students with a tree and asked them to share their thought.

The first student with a positive and benevolent mindset, observed the tree being struck by stones to get its fruits. The thought that despite the harm, the tree was a magnificent example of giving and sharing its bounty even when it suffered. The teacher was pleased that this student had a vision of sharing and enduring. The second student, however had a negative and pessimistic outlook. He saw the tree as useless, only yielding its fruits when it was struck by people. He concluded that violence was the only way to obtain anything from someone.

The teacher disheartened by this perspective, blessed the first student, knowing that the second needed to change his vision to become a clearer – headed and happier person.

UNSTOPPABLE



Aashi Tiwari
4th 'E'

She rose,
Not because the world was kind
But because her heart refused to stay behind.
She grew,
Through cracks and rain
Turning every scar into a flame.
She learned,
That storms don't stay,
And courage doesn't fade away.
She became,
The fire, the calm, the sun -
A reminder that falling
Is how rising is done.

WHEN NO ONE STAYED



Divya Pandey
11th 'A'

That joyful smile just faded away,
When the shades of life were on my way.
Everyone was busy making their own way,
So, I found it even more difficult to say
But life showed me a better way -
To hold my own hand when no one stayed.

YOU ARE THE ART



Trishu Bharti
8th 'G'

World is the universe of art. Each form of art is just like a galaxy of universe. Every art in this world is different, unique and beautiful. Learning each art requires a discipline and courage. Just like art you, are also different - rare and special. Understanding you and your secrets is not easy. Your struggles are like creators of moon and your ability shine like-stars. Be proud of who you are became the, universe gave its best effort to create you. Don't change Someone elie yourself for. You are unique. You are amazing. You are not just, a child, a boy or girl, a son or a daughter - you are the ART.



Women of Courage



Apurva Tiwari
10th 'F'

The origin of the brush of unknown.

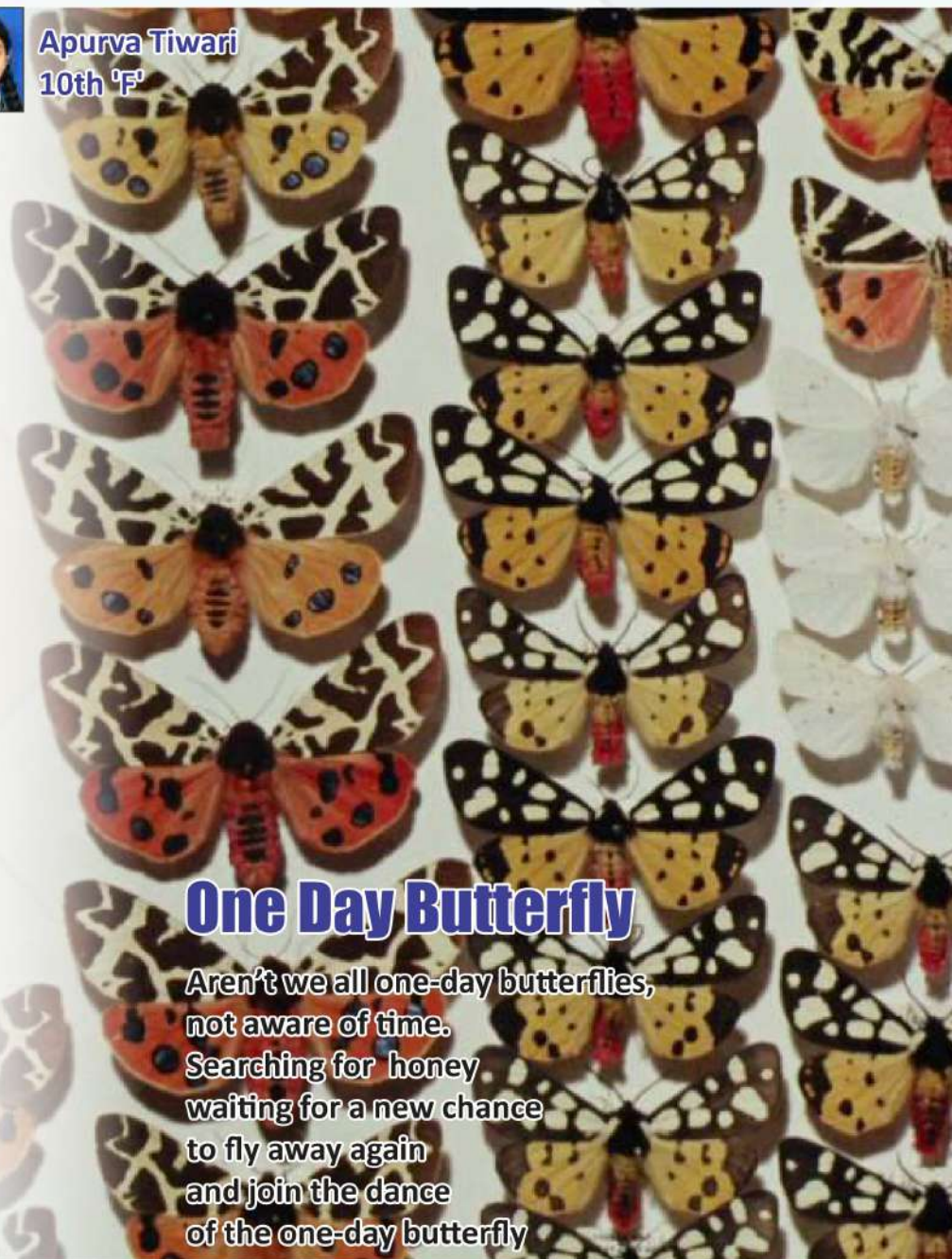
Beneath a neem tree, Anvee discovered it, wrapped in a red cloth. It seemed to recognise her as it pulsed softly in her palm. The colour shimmered-not like ordinary paint but like hope. When she mixed them with crushed rose petals they flowed like an emerald sea under shining sunrays.

She painted on old notebooks, shattered walls and ripped sarees. The artwork reflected the empowerment of women. The prints portrayed her childhood, the memories daily struggle of women in households, and the unfair treatment they faced in workplace.

Her class teacher encouraged her to paint on school's classroom walls, she decided to follow her advice.

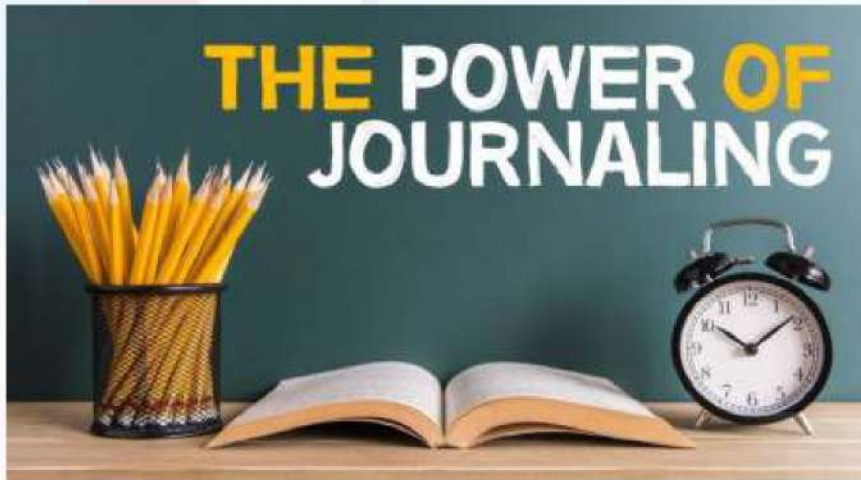
As she began painting, two inquisitive girls asked to help along and that when taught them how to make colours out of flowers, leaves, chalk and natural materials. Soon, her art work appeared on the walls of her village and near by villages as well.

Through courage and creativity. Avnee's art empowered unprivileged women by highlighting their condition in rural and tribal areas.



One Day Butterfly

Aren't we all one-day butterflies,
not aware of time.
Searching for honey
waiting for a new chance
to fly away again
and join the dance
of the one-day butterfly



Aaradhya Pandey
10th 'B'

In a world where so much of what we share is online, journaling feels personal and grounding. It's like whispering to your self "I see you, I hear you, I'm proud of you".

If you're never tried journaling, maybe tonight, write just one line about your day. Who knows? That small line could be the beginning of something powerful.

There is something special about an empty page waiting to hear your story. Journaling may seem like simply writing down thoughts, but for me, it feels like talking to friend who never judges, never interrupts and always listens.

I started journaling at a very young age of 11 years, when I was feeling overwhelmed with exams and friendship dramas. At first, I was not sure what to write. I began by writing about my daily life - small things like much during lunch. Slowly, my notebooks started holding not just events but feelings I could not say out loud.

One of the most important benefit of journaling is that it helps me untangle my thoughts. Sometimes, when I feel anxious or confused, writing things down makes the problem seem smaller and the solution clearer. It feels almost as it took away half the weight off my shoulders.

On happy days, my journal becomes a box of memories. Reading old entries reminds me of the journey I have grown through, the days I felt lonely but found comfort. It's proof that I've been stronger than I realised.



Mud, Music, Memory - A Day in Sonpur

"Sonpur reminded us that respect for tradition and the dignity of labour belong in every education."

On 23rd August 2025, our school's literary club organised a trip to a village called Sonpur near Ambikapur. It was raining the whole day, and at first I thought the trip would not be fun. But once we reached there, everything felt different in a good way.

Sonpur is a quiet village surrounded by greenery. The air felt fresh, and the place was peaceful. It was very different from our daily life in town. We walked on muddy paths, got wet in the rain, and laughed a lot with our friends.

The first place we visited was the house of a local artist, Shri Pandit Ram. He makes sculptures using traditional methods that he learned from his family. His work showed the culture and life of tribal people. Watching him made me realize how much skill and patience these artists have, even though they live simple lives.

After that, we tried pottery. We were taught how to shape wet clay into small pots and diyas. It looked easy at first, but it was not. My pottery did not turn out well, but I enjoyed trying something new. Because it was raining, we could not dry the pots, so none of us could take them home. Still, the experience was fun.

One of the most memorable parts of the trip was working in the paddy fields. We went barefoot into the muddy field and planted rice plants. It was tiring, and the mud made it hard to walk, but it helped me understand how much effort farmers put into growing food. It made me respect them more.

We also saw the traditional folk dance, Karma Naach performed by the villagers. The dance was full of energy, and the music was lively. Some of us even joined in. Later, the villagers served us food, which felt very comforting after a long day.

Before leaving, we visited a farmhouse nearby. It was very beautiful, with trees, animals, and open space all around. We were welcomed warmly and given snacks. The place felt calm and relaxing, and I wished I could stay there longer.

The journey itself was also special. We travelled in a local bus, sitting close together, talking, laughing, and enjoying the rain. It made me realize that comfort is not always about luxury.

This trip to Sonpur taught me many things. It showed me the value of simple living, hard work, and staying connected to nature. It was not just a school trip, but a meaningful experience that I will always remember.



Abin John Babu
12th 'C'



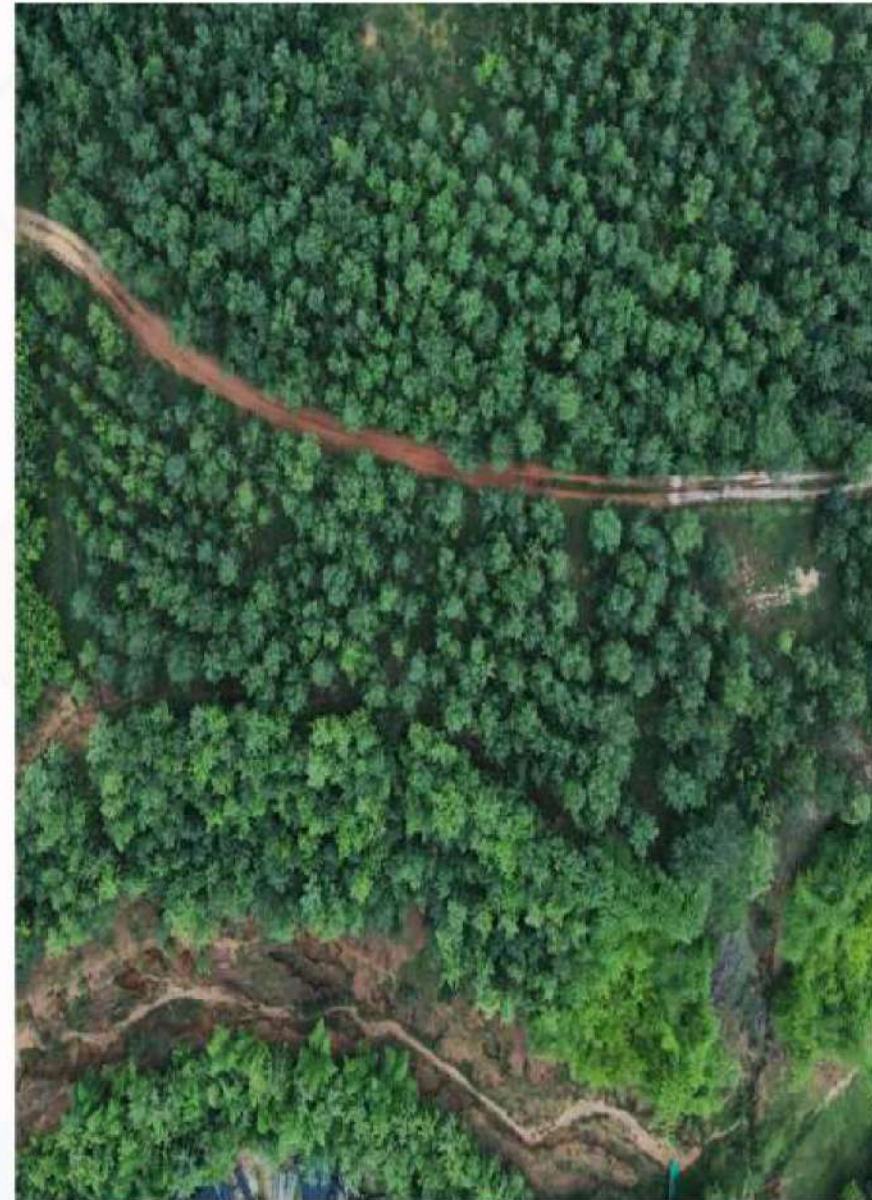
Journey into Hasdeo - From Green to Grey



Abhay Kushwaha
12th 'B'

Documentaries are not just films. They are lessons, experiences, and responsibilities. A documentary does not only show what is happening, it helps us understand reality through real people and real places. "From Green to Grey" was one such journey for us. It was not only a visit to a forest, but an experience that changed the way we look at development, nature, and human suffering. This documentary was a student project, but very soon it became much more than an assignment. Our aim was to visit a place where forest depletion was actively happening, to understand why it was happening, who was responsible, and whether it could be stopped or not. After proper research and discussion, our team of around ten members decided to visit the Hasdeo forest region of Chhattisgarh, a place once known for its dense greenery and biodiversity, now slowly turning grey due to mining.

As we reached the beginning of the village area, we got lost. The roads were unclear, and there were no proper directions. At that moment, we met an elderly man on the roadside. By the grace of God, that meeting became a turning point for us. Through him, we were introduced to a local villager named Deepak. Deepak played one of the most important roles in our documentary. He became the bridge between us and the local people. He showed us the village, the damaged roads, and the surrounding forest areas. While walking with us, he explained how mining started in this region, how it slowly expanded, and how it changed the lives of the people living there. He told us about frequent blasting in the mining area. Sometimes the blasts are so strong that the roofs of houses crack or partially collapse. People



live in constant fear, especially at night. Children woke up suddenly due to vibrations. Animals are also deeply affected. Many have left the forest, and those that remain live in fear and confusion. Elephants, birds, and other wildlife no longer feel safe in their own habitat.

We recorded interviews with villagers, women, elders, and farmers. Every person had a story filled with pain, frustration, and helplessness. We spoke with the sarpanch and discussed issues such as displacement, compensation, health problems, water scarcity, and loss of livelihood. The women shared their fears for their children and their future. The villagers were not against development, but they were against being ignored and sacrificed in the name of development. Many people told us that they feel irritated and exhausted. Blasting has become a part of their daily routine, but that does not mean they have accepted it. Living under fear has become normal for them, and that is the most painful reality.

After completing our filming and returning, we understood the true meaning of this documentary. From Green to Grey is not only about deforestation. It is about people, animals, culture, and balance. It is about what happens when progress is forced without listening to those who are directly affected.

This journey taught us empathy and responsibility. It showed us the power of storytelling through visuals and voices. Forests are not empty lands waiting to be used. They are living ecosystems and homes to thousands of lives.

Hasdeo was once green. It is slowly turning grey. The question still remains, can we stop it before it disappears completely?



Mission Against Single-Use Plastic Wrappers



Ashish Kumar Jaiswal
12th 'D'

**“Plastic wrappers are used for minutes,
but pollute the Earth for years.”**

Students of Holy Cross Convent Lead a Decade-Long Mission Against Single-Use Plastic

For the past ten years, the students of Holy Cross Convent Senior Secondary School, Ambikapur have been actively working towards a cleaner and greener environment by leading a powerful campaign against single-use plastic wrappers. What began in 2015 as a small school initiative has today transformed into a city-wide movement, making our students proud torchbearers of environmental responsibility.

The campaign started with a simple yet thoughtful idea. Students began collecting discarded plastic wrappers from their surroundings and sending them back to the manufacturing companies, requesting them to take responsibility for the waste generated by their products. This activity not only spread awareness about plastic pollution but also helped students understand the importance of producer accountability at a very young age.

The sincerity and determination of the students soon gained national attention. The initiative was acknowledged by the Hon'ble Prime Minister of India through a tweet, which became a moment of great pride and motivation for the entire school community. This recognition inspired students to continue their efforts with even greater enthusiasm.

In recent years, the campaign has reached new heights through an annual awareness rally organized in the city.

Every year, nearly 500 students participate in the rally from Mahamaya Chowk to Ghadi Chowk, carrying creative placards, colourful tableaux and raising powerful slogans demanding a ban on single-use plastic wrappers. A lively flash mob performed during the rally captures public attention and delivers the message of environmental conservation in an engaging and impactful manner.

This year's rally witnessed the presence of several respected dignitaries, including the current Mayor of Ambikapur, **Smt. Manjusha Bhagat**, former Mayor **Dr. Ajay Tirkey**, and other prominent leaders from various political backgrounds. They appreciated the students for their consistent efforts and encouraged collective action to protect the environment. The event also received wide coverage from print and electronic media, helping the message reach a larger audience.





Adding further strength to the campaign, the students wrote a detailed letter to the Hon'ble Prime Minister, appealing for strict action against single-use plastic wrappers. Along with this, a massive signature collection drive was organized, during which nearly 75,000 citizens expressed their support for the cause. This overwhelming response highlighted the growing environmental awareness among the people.

The success of this long-running initiative would not have been possible without the inspiring guidance of our respected Principal, **Dr. Sr. Jessy Thekkan**, whose vision and leadership have constantly motivated students to become responsible and environmentally conscious citizens. The continuous support of teachers, parents and the local community has also played a vital role in strengthening the campaign.

Through their decade-long commitment, the students of Holy Cross Convent Senior Secondary School have proved that age is no barrier to bringing about positive change. Their journey stands as a shining example of youth-led environmental action and inspires all of us to take small yet meaningful steps towards a plastic-free future.



“All animals are equal, but some animals are more equal than others.”

This book felt disturbingly phenomenal. What began as a hopeful and joyous rebellion slowly turned into a deeply manipulative system, making me realise how easily power can shift hands and change intentions.

I found myself confused and unsettled when the very animals I was rooting for began corrupting the system and exploiting others in the same way they were once exploited. The shift is gradual, yet devastating, and it forces the reader to confront how quickly ideals can collapse.

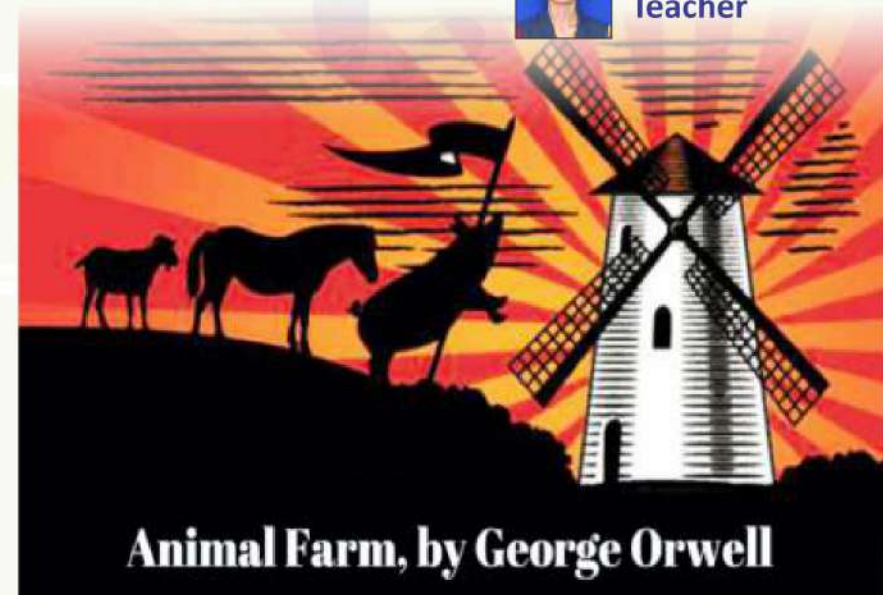
The blind faith and loyalty of the other animals towards the pigs felt like a mirror held up to society. At times, it felt like watching a film where you know exactly what is going to happen, yet remain powerless to stop it. That helplessness is what makes the novel so unsettling.

Even though the ending feels inevitable, I would be lying if I said I did not hold onto a small sense of hope, hope that the animals would not turn into what they once fought against. Their silence ultimately becomes the greatest flaw of the system. Despite proving early on that unity gives them power, their unwillingness to speak allows corruption to thrive. The novel left me with a clear realisation: knowing one's rights and remaining vigilant is essential, because comfort and silence are often the first steps toward losing one's voice.

Although written decades ago, *Animal Farm* feels less like a story of the past and more like a mirror held up to the present. The faces may change, but the patterns remain disturbingly the same and power continues to repeat itself in familiar and dangerous ways.



Shreyanshi Singh
Teacher



Exams : A Measure of Preparation, Not Fear

To understand why a person tends to be quite anxious about exam, one needs to know what is exam and what one is afraid of.

Exam is a systematic assessment used to evaluate a student's knowledge, understanding, skills and learning in various subjects. An exam measures preparation, **not your worth.** It is essential because it motivates the students to set goals, to study regularly and to stay focused on achieving their goals. It helps them identify their progress and also gives impetus to further learning and builds discipline through planning and time management.

Fear may creep in when one thinks incapable of oneself (wrong belief that “ I am not able or I can never do “ without positive and consistent effort or **without analyzing whether the statement I repeat is true or not**); wrong notion of examination system itself, self comparison or one tends to take it negatively when parents or teachers compare with the other, one wastes time aimlessly on entertainment, friendship, media and above all when one doesn't have clear cut aim or purpose in life.

Do your best today; perfection is not required.

Fear fades when you focus on the next small step.

Let's discuss in details about more reasons **for Exam Anxiety:**

A. Academic Pressure

- ❖ Students often feel that their entire future depends on exam results.

- ❖ School systems, competitive environments, and high expectations amplify the importance of grades.
- ❖ Irregular to the school and irregular in projects submission.

B. Fear of Failure

- ❖ Many students worry about disappointing parents, teachers, or themselves.
- ❖ Fear of getting low marks or failing can create intense psychological pressure.

C. Postponing and Poor Time Management

- ❖ Last-minute studying, procrastination, and cramming increase stress.
- ❖ Multiple subjects with large syllabi can feel overwhelming.

D. Lack of Proper Preparation

- ❖ Ineffective study techniques, unclear understanding of concepts, or inconsistent revision or last minute study leads to insecurity.
- ❖ When students feel unprepared, their confidence drops and anxiety rises.

E. Comparison with others

- ❖ Peer competition and social comparison make students feel inadequate.
- ❖ Wrong belief in statements like “If others are doing better, I must be falling behind.”

F. High Expectations

- ❖ Some parents unintentionally pressurize their children by emphasizing marks over learning.



**Sr. Jaya
Counsellor**

- ❖ High **expectations from self** can also make students feel pressurized.

G. Lack of Coping Skills

Many students aren't aware or open to learn to handle stress, manage time, or deal with pressure.

When the students observe that everyone is not as anxious as them it enables them to **see the possibilities to deal with the factors mentioned above** and feel confident enough to face exam.

2. Solutions to Reduce Exam Anxiety

A. Effective Study Planning

- ❖ Create a clear and realistic study timetable.
- ❖ Break the syllabus into manageable parts and understand the basics and concepts.
- ❖ Use spaced repetition and daily revision rather than accumulating.

B. Shift Focus from Grades to Learning

- ❖ Parents and teachers can emphasize understanding rather than perfection.
- ❖ Celebrating small efforts and small success builds confidence and reduces fear of failure.

C. Reduce Social Comparison

- ❖ Students should avoid comparing marks or study progress with peers.
- ❖ Focusing on personal improvement (compete with self) creates healthier motivation.
- ❖ When your parents or teachers compare, it is to motivate you not to devalue or defame you.

D. Encourage Open Communication

- ❖ Students should talk with teachers or parents when they feel overwhelmed.
- ❖ Supportive conversations reduce emotional pressure.

E. Practice Through Mock Tests

- ❖ Doing sample papers helps students get comfortable with exam formats.
- ❖ It reduces fear of the unknown and improves time management.



F. Healthy Lifestyle Habits

- ❖ Adequate sleep, balanced meals, and regular exercise improve concentration and reduce stress.
- ❖ Short breaks between study sessions prevent burnout.

G. Learn Stress-Management Skills

- ❖ Mindfulness, breathing exercises, relaxation techniques and simple practices like deep breathing or short meditation calm the mind before exams.

H. Learn Time Management tips

- ❖ Set specific and achievable goals in academics
- ❖ Prioritize your subjects and set time duration accordingly.
- ❖ Set a practical time table which includes recreation, time with family, sports etc.

I. Build Self Esteem and Positive Mindset

Know yourself, accept your strength and weakness; consciously focus on your strength and abilities; be open to learn from mistakes. **Develop a positive inner dialogue affirming yourself like: “I am good enough”, “I am able”, “I can do with needed help”, “I will keep trying to achieve small and big successes.”** With patience, self-compassion and consistency confidence naturally develops.

J. Seek Counseling and Guidance

Feel free to take counseling service to understand oneself, recognize blocks and enhance resilience. Early intervention helps prevent anxiety from becoming severe.

:: Conclusion ::

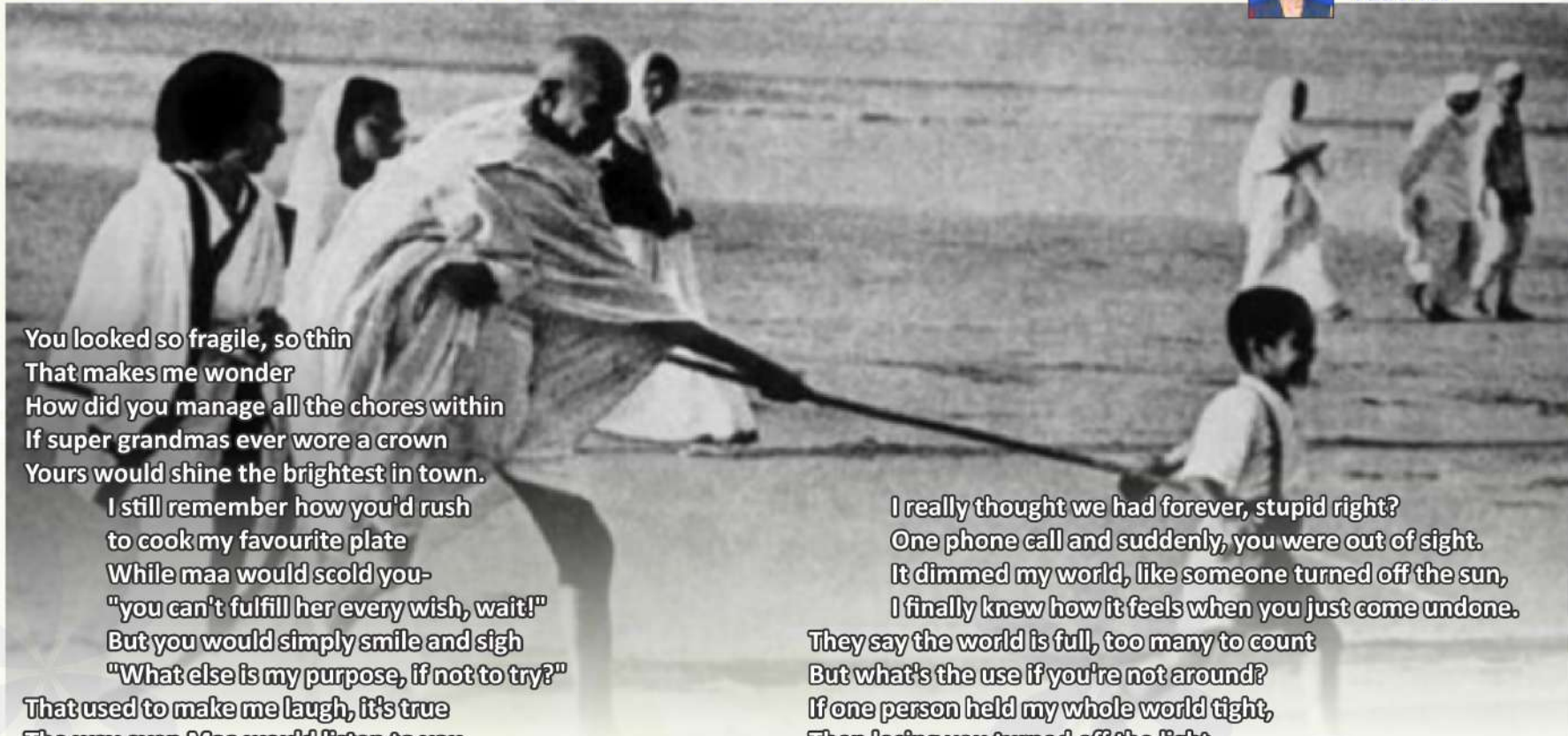
Exam anxiety in students is caused by a combination of factors mentioned above. Fear of failure and social comparison will not affect the students if they grow in self discovery, self understanding and acceptance, self love and care. **“Self-belief is the quiet strength that carries you through the exam.”** When one enhances self-esteem, one can weather storms of any kind. With the right strategies like effective planning and preparation, emotional support, and positive attitudes toward self and learning, students can significantly reduce exam-related stress and perform with confidence. Great things happen to those who don't stop believing, trying and learning with interest. **Know that this test is one moment—not your whole story. You are more capable than what your anxiety tells you.** Effort brings peace, not panic. Trust what you've learned—your mind remembers more than you think.

BELIEVE THAT YOU ARE AWESOME AND WHAT YOU CAN DO IS MUCH MORE THAN WHAT YOU THINK. LOVE YOUR GOOD SELF AND LOVE LEARNING TO GROW UPWARD.

WHEN THE SKY LOST ITS BLUE



Shreyanshi Singh
Teacher



You looked so fragile, so thin
That makes me wonder
How did you manage all the chores within
If super grandmas ever wore a crown
Yours would shine the brightest in town.

I still remember how you'd rush
to cook my favourite plate
While maa would scold you-
"you can't fulfill her every wish, wait!"
But you would simply smile and sigh
"What else is my purpose, if not to try?"

That used to make me laugh, it's true
The way even Maa would listen to you
Back then, your word would end each fight
Now, no one holds that kind of might.

Oh how I still wish someone would take my side,
Scold her gently and watch me smile wide.
I still yearn for those fair rides at night
And sleeping on the terrace under stars so bright.

They said your house now belongs to someone new
But how do I explain it still smells like you.
The scent of your saree, of your old plastic comb,
That tilted dressing table, it still feels like home.

I really thought we had forever, stupid right?
One phone call and suddenly, you were out of sight.
It dimmed my world, like someone turned off the sun,
I finally knew how it feels when you just come undone.

They say the world is full, too many to count
But what's the use if you're not around?
If one person held my whole world tight,
Then losing you turned off the light.
Like everything's still moving, but your sky isn't blue
Because sometimes, one person is your whole world
And for me, that was you.

But you're going to stay in my heart
For as long as I breathe, we shall never be apart
The house is gone but I still see you there
In the air, in the silence, in the old wooden chair
They can sell the home and paint over the walls
But they can never erase your laugh
Echoing in those halls.

Begin A Day with A Smile



Sr. Sadhana Tirkey
Teacher

Everyday begins with a choice- to carry out our worries or to wear a smile. A smile may seem small, yet it has the power to change the tone of a entire day. When we begin our day with a smile, we invite hope, calm and positivity in our hearts. We often underestimate how a simple expression can influence our surroundings. A genuine smile has the ability to reduce stress, build confidence, and create a welcoming atmosphere wherever we go. It is a quiet reminder that even on busy or difficult mornings, we still have the power to choose kindness and optimism. In school a teacher's smile can ease a child's fear and a student's smile can brighten a tired classroom. A smile does not solve all problems but it gives us the strength to face them. It tells others, " You are seen and you are valued". Sometimes, the smile we offer to others returns to us in unexpected ways. It can start conversations, strengthen friendships, and even comfort strangers. In sharing a smile, we unknowingly spread a chain of positivity that continues far beyond that single moment. Life may not be always easy, but a smile helps us to move forward with courage. It costs nothing yet it creates warmth and connection. When shared it multiplies happiness and lightens burdens. Let us begin each day with a smile not because life is perfect but because every new day is a gift waiting to be lived with hope and smile.



Viksit Bharat Young Leaders Dialogue

One day, while casually scrolling through Instagram, I came across a reel about the Viksit Bharat Young Leaders Dialogue. It mentioned that students could apply for the competition. By God's grace, I decided to apply without any expectations or confidence of getting selected. I simply treated it as an opportunity and moved ahead. I was first selected for the quiz round, which qualified me for the essay round on the topic Innovation with Tradition: Building a Modern Bharat. After evaluation, I was selected again and moved to the PPT presentation round held at Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. There, I presented my ideas in front of domain experts and university professors. The judges appreciated my thoughts, and I secured first position in Chhattisgarh with 87.6%, the highest in the state. I was later selected in the interview round as well. From the entire state, only 45 students were chosen, and I was the only one selected from my district to represent Chhattisgarh in Delhi. Our journey began from Raipur under the guidance of Sudha Ma'am. I met my team members for the first time, coming from different backgrounds and professions. Despite the differences, we connected well and soon felt united. A send-off ceremony was organized at the residence of the Honorable Chief Minister of Chhattisgarh, where we had dinner along with respected ministers. In Delhi, we visited Bharat Mandapam and presented ideas before domain experts. We also visited the Buddha Museum. On Day 2, we listened to Ajit Doval sir, whose thoughts were deeply inspiring. We later had an interaction with Priyanka

Shukla Ma'am. Day 3 included an unforgettable interaction with astronauts Sudhanshu Shukla Sir and Prashant Nair Sir, followed by the Colors of India program. Day 4 was special as we listened to the Honorable Prime Minister in person and Shivraj Singh Chouhan Sir. On day 5 the journey concluded at Smriti Bhavan with felicitation and certificate distribution by Pradeep Gandhi Sir and Vijay Goel Sir and with breakfast at residency of Tokhan Sahu Sir before leaving for CG. Throughout these five days, I met strangers who never felt like strangers and witnessed diverse cultures and met people from all corners of India and even from outside the country. Meeting and listening to eminent personalities and dignitaries was a great learning experience. I am sincerely thankful to my Principal Dr. Sr. Jessy Thekkan and especially Ms. Neelam Poddar for their constant support. This journey from 50.4 lakh participants to the final 3000 is an experience I will always carry with me.

Shilpi Vishwakarma
12th 'A'



The Boy in the Striped Pajamas

A Reflection on Innocence Amidst Atrocity



Shambhavi Singh
10th 'D'

“Some things are just sitting there minding their own business waiting to be discovered.”

John Boyne’s novel *The Boy in the Striped Pajamas* is a deeply moving narrative that explores the horrors of the Holocaust through the lens of childhood innocence. Set during World War II, the story introduces two young boys—Bruno, the son of a Nazi commandant, and Shmuel, a Jewish prisoner—whose unlikely friendship unveils the tragic consequences of prejudice, ignorance, and blind loyalty. Bruno’s family relocates from Berlin to “Out-With” (Auschwitz), a concentration camp, which he mispronounces as Out-With. His naïve misunderstanding of the situation emphasizes how sheltered he is from the brutality of the Nazi regime. Despite the frightening environment, Bruno retains a natural curiosity. It is this curiosity that leads him to the fence separating his world from Shmuel’s, where their friendship begins. Shmuel, wearing the striped pajamas, symbols of dehumanization, represents the countless innocent lives lost in the Holocaust. His quiet suffering stands in stark contrast to Bruno’s comfortable yet restricted life. The boys share conversations about their families, fears, and hopes, revealing how children, regardless of background, share the same fundamental emotions. Their friendship, built on empathy and companionship, challenges the ideological hatred enforced by adults. The fence in the story becomes a powerful



metaphor. While it physically divides them, it also symbolizes the constructed barriers of race, religion, and class. Yet, the boy's bond shows that such divisions are neither natural nor permanent. Ultimately, Bruno’s lack of understanding about the camp’s true nature leads to a devastating ending, reminding readers that innocence is often sacrificed first in the machinery of evil systems. Boyne’s novel serves as a warning about the dangers of unquestioned authority and the moral responsibility individuals hold in resisting injustice. Through a simple yet haunting narrative, “*The Boy in the Striped Pajamas*” compels readers to reflect on the consequences of hatred and the importance of compassion. It stands as a testament to the idea that humanity suffers whenever discrimination and violence are allowed to prevail.

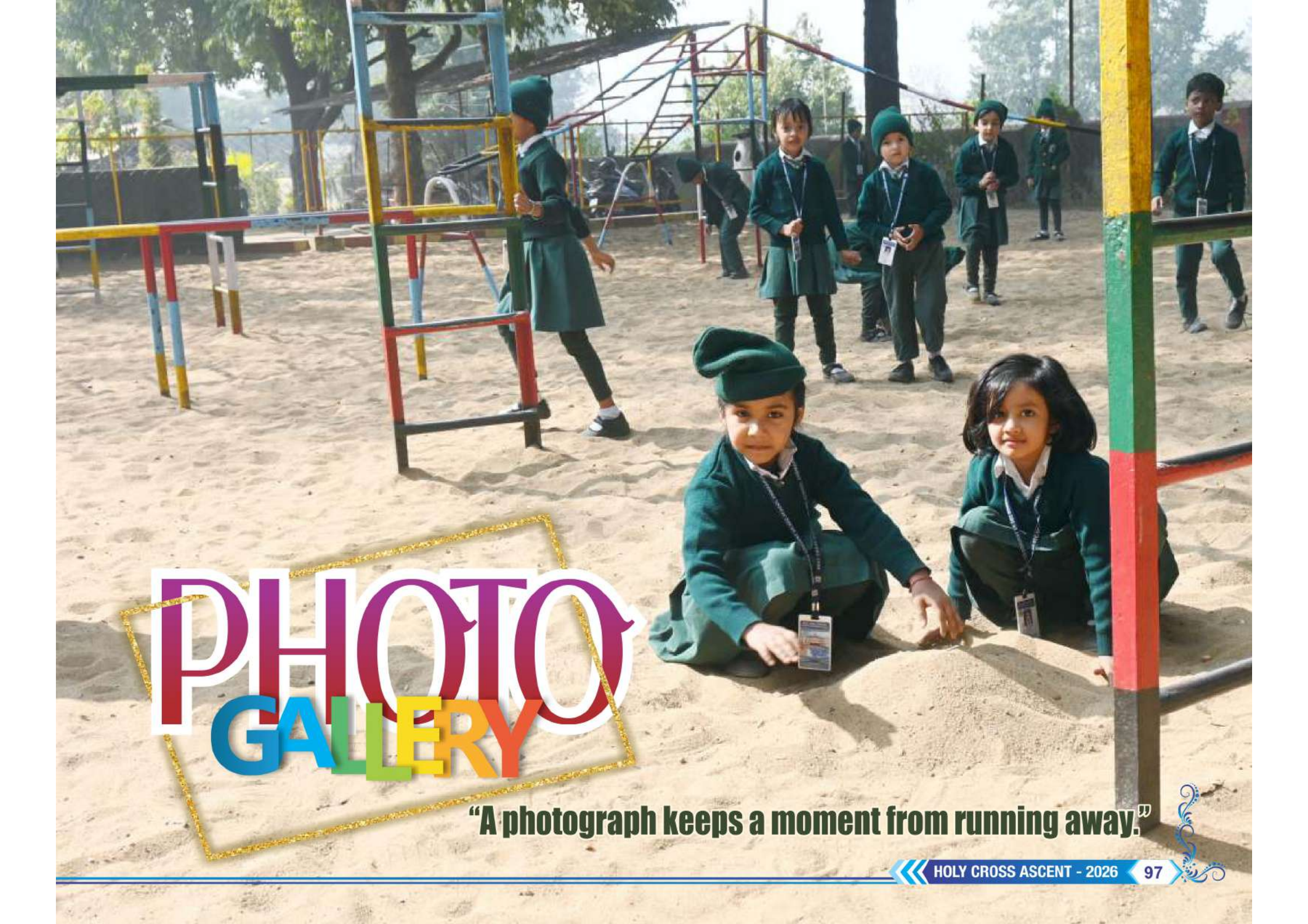


PHOTO GALLERY

“A photograph keeps a moment from running away.”



School Cabinet



Class Representatives



Social Service Club



Eco Club





Science Club



Arts Club







Competition Leaders



Section Incharges





Discipline Leaders



House Leaders



Felicitation



Investiture



Independence Day



Independence Day



Teacher's Day





School Day (Primary)



School Day (High School)





Diwali Celebration



Children's Day



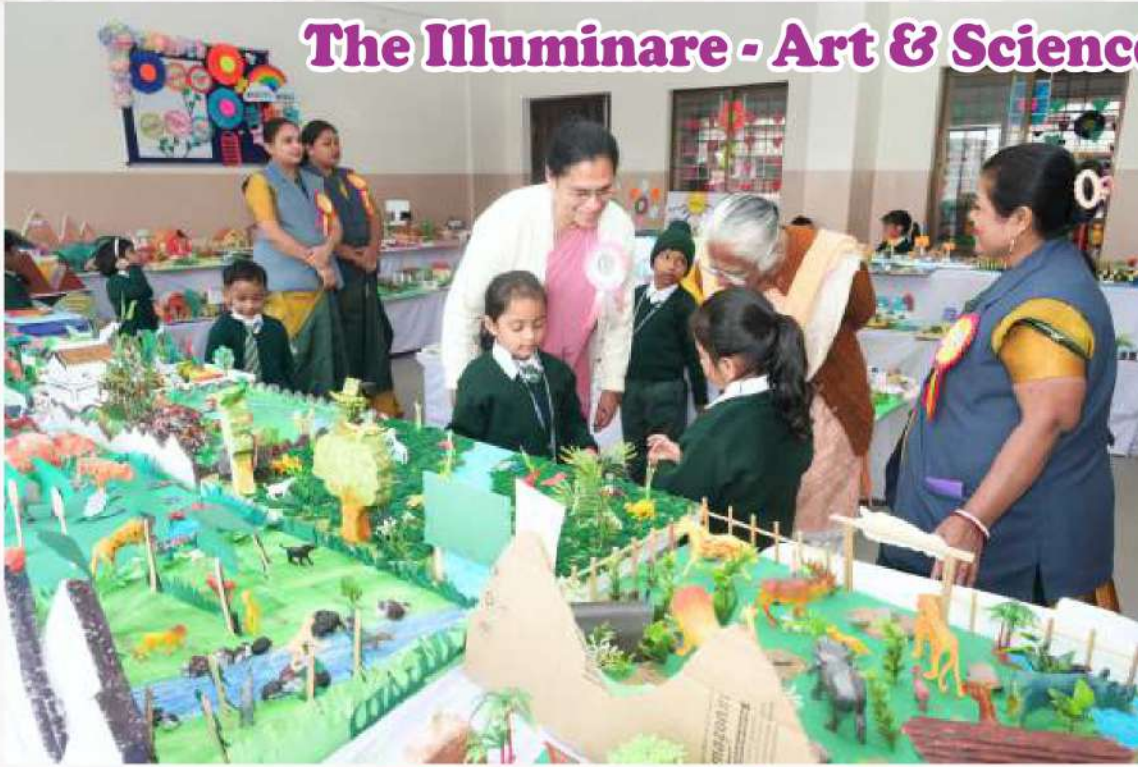
Children's Day



The Illuminare - Art & Science Exhibition



The Illuminare - Art & Science Exhibition



The Illuminare - Art & Science Exhibition



The Illuminare - Art & Science Exhibition



Scout & Guide



Scout & Guide



Awareness Programme - Gender Sensitivity



Seminar (Digital Board & POCSO Act)



Orientation Programme



Christmas Day



Christmas Day



Plastic Ban Rally-Go Green-Out Reach Program



Republic Day





Farewell-Go confidently in the direction of your dreams



Farewell-Go confidently in the direction of your dreams





Educational Fair 2026





The School Accolades





The School Accolades





The School Accolades



The School Accolades





The School Accolades



The School Accolades





The School Accolades



A Special Day with our Principal





मैं दुनिया बदल तो नहीं सकता
मेरे मुल्क के बच्चों

पर मैं रोज़ इसे
कल से थोड़ा ज्यादा
दयालु करने की कोशिश जरूर करता हूँ।

तुम्हारे होश संभालने तक
बस मेरा प्रयास है कि
समाज पूरे होशोहवास न खो बैठे।।

हिन्दी



संकलन - अमोघवर्ष पाण्डेय

11 वीं 'अ'



तारीख के पन्ने ही बताएंगे
कि क्यों दुनिया के कुछ हिस्सों के बच्चे
पैदा होते ही बूढ़ों की तरह सोचने लगते हैं?
कि क्यों उनके हिस्से के आसमान में
गोला-बारूद और बम ले लेते हैं
चांद-तारों की जगह?



जो मेरे घर कभी नहीं आएंगे
मैं उनसे मिलने
उनके पास चला जाऊँगा
एक उफ़नती नदी
कभी नहीं आएगी मेरे घर
नदी जैसे लोगों से मिलने
नदी किनारे जाऊँगा
कुछ तैरूंगा और डूब जाऊँगा

विनोद कुमार शुक्ल
1937-2025

श्रद्धांजलि एवं संकलन -
समृद्धि कश्यप
12 वीं 'ब'



हमारे अपने और विश्व कवि
को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैंने हाथ बढ़ाया
मेरा हाथ पकड़कर वह खड़ा हुआ
मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढ़ाने को जानता था
हम दोनों साथ चले
दोनों एक-दूसरे को नहीं जानते थे
साथ चलने को जानते थे।



सम्पादकीय जंगल की पुकार

इस बार गर्मी की छुट्टियों में एक क्लास प्रोजेक्ट मिला जिसके लिए हमें सिलसिलेवार खत्म होते जंगलों पे डॉक्यूमेंट्री बनानी थी। काफी शोध के बाद हम एक ऐसे जंगल में पहुँचे जिसको उत्तर भारत का लंग्स (lungs) कहा जाता है। वहाँ पहुँचने से पहले जंगलों की तबाही वाली खबरें मेरे लिए खबरें ही होती थीं, जो रिपोर्टों में और उन भूले हुए गाँवों में होती थीं, जो मेरी ज़िंदगी से बहुत दूर हैं। कई लोगों की तरह, मैं जंगलों के कटने के बारे में पढ़ता था, मगर मैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं देता था, न ही इन चीजों से मुझे बेचैनी होती थी। शायद नासमझी में मैं यह मानता था कि विकास के साथ प्रकृति अपने आप को संभाल ही लेगी। परन्तु मेरी यह सोच तब बदल गई जब मैं जंगल गया। जब मैं और मेरे साथी वहाँ हुए नुकसान को डॉक्यूमेंट करने गए, तब हमें यह समझ आया कि नुकसान गंभीर है। जब आप जंगल में चलते हैं, तो आपको महसूस होता है कि यह कोई खाली ज़मीन नहीं है। यह एक जीवित सभ्यता है। यहाँ ऊँचे साल के पेड़ों की हरियाली और छोटी झीलों से निकली धाराएँ खेतों को सींचती हैं व पशु-पक्षियों का पालन-पोषण करती हैं। गाँव के लोग और आदिवासी पीढ़ियों से यहाँ रहते आ रहे हैं। वे खेती करते हैं, जंगल से खाना इकट्ठा करते हैं, ज़मीन की पूजा करते हैं, और इसके बारे में कहानियाँ सुनाते हैं। हमें इस बात पर सोचने की ज़रूरत है कि इस ज़मीन पर खड़ा हर पेड़ अपनी एक कहानी कहता था। और इस तरह वह अपनी अहमियत दिखाता था। मुझे असली नुकसान तब समझ में आया जब हम जंगल गए और देखा कि खनन ने इस जंगल के साथ क्या किया है। वे इलाके जो कभी घने पेड़ों से भरे थे, वह अब खाली हो चुके हैं। ज़मीन को काटकर खोल दिया गया है। ज़रा कल्पना कीजिए कि गाँव का एक बच्चा यह सब देख रहा है और तेज़ी से हो रही इस तबाही को समझने की कोशिश कर रहा है, लेकिन मशीनों की आवाज़ और बार-बार होने वाले धमाकों से वह घबरा जाता है। मुझे लगता है कि यह सच में बहुत दुखद है। जो लोग यहाँ रहते आए हैं, उन्हें अपने घर छोड़ने पर मजबूर किया जा रहा है। इसके पीछे धनी एवं ताकतवर व्यक्ति खड़े हैं। बड़ी कंपनियों में बैठे उनके साथी जंगल को एक जीवित इकाई नहीं, बल्कि कोयले के ढेर की तरह देखते हैं। वे फैसले दूर बैठकर करते हैं, और कीमत यहाँ के गाँव वाले चुकाते हैं। रोज़गार और विकास के वादे किए जाते हैं, लेकिन ज़्यादातर लोगों को सिर्फ़ धूल, शोर और नुकसान ही मिलता है। आपको जंगल एक टूरिस्ट की तरह नहीं, बल्कि एक गवाह की तरह देखना चाहिए। जो सुंदरता अभी भी बची है, उसे देखें। उन लोगों से बात करें जो अपनी ज़मीन बचाने के लिए लड़ रहे हैं। जब हम उनकी कहानी सुनते हैं, तो मुनाफ़े के नाम पर जो तबाही हो रही है, उसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल हो जाता है। जंगल चाहता है कि उसे देखा जाए, सुना जाए, और बचाया जाए। कहीं यह जंगल मेरे भीतर का हसदेव तो नहीं?

सम्पादक - मोक्षित साहू
12वीं 'ब'

सम्पादकीय समिति



मोक्षित साहू
12वीं 'ब'



अवनी पाण्डेय
12वीं 'ब'



अदिति दीवान
12वीं 'द'



जान्हवी सोनी
11वीं 'ब'



अनुजा मिश्र
11वीं 'ब'



आशीष जायसवाल
12वीं 'द'



एलेक्स फिलिप सोरेन
12वीं 'द'



एबिन बाबू जॉन
12वीं 'स'



अमोघवर्ष पाण्डेय
11वीं 'अ'

परामर्श



अंजलि पाण्डेय



सुनील तिवारी



अनय राजग्रीहार



अक्षित तिकरी



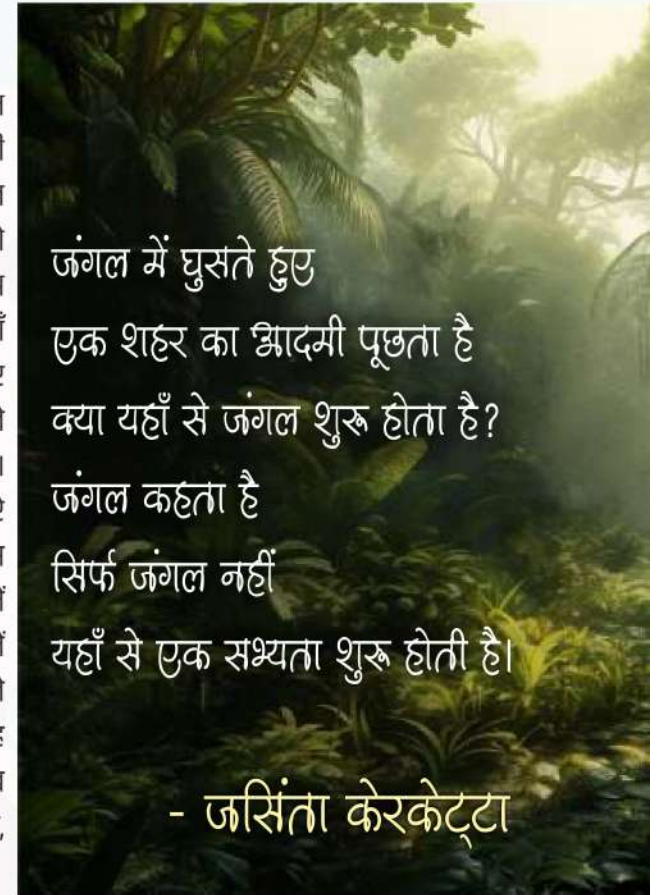
सविता पाठक



अंजलि श्रीवास्तव



रुबेदा बेगम



जंगल में घुसते हुए

एक शहर का आदमी पूछता है

क्या यहाँ से जंगल शुरू होता है?

जंगल कहता है

सिर्फ जंगल नहीं

यहाँ से एक सभ्यता शुरू होती है।

- जसिंता केरकेट्टा



डॉ. सि. ज्येस्सी शिवकन

अभ्यास का महत्व



अथर्व धरडे
दूसरी 'अ'

पुराने समय में स्कूल नहीं हुआ करते थे। बच्चे पढ़ने के लिए गुरुकुल जाते थे। वहाँ पढ़ाई के साथ वो काम भी किया करते थे, जैसे लकड़ियाँ बीनना, जानवरों की देखभाल, घर का कार्य इत्यादि। ऐसा ही एक बालक था, जिसका नाम था वरदराज, जो पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा गया। वरदराज गुरुकुल जाकर अपने साथियों से घुलमिल गया, परंतु एक ही बात में वह पीछे रह जाता, वो है पढ़ाई। गुरुजी जो भी पढ़ाते उसे कम ही समझ में आता। अक्षर, श्लोक, अर्थ सदा कुछ उसे उलझे धागों जैसा लगता। गुरुजी समझाते थक जाते पर वरदराज के सिर पर बात ही नहीं चढ़ पाती। धीरे-धीरे आश्रम के बच्चे उसे चिढ़ाने लगे कोई उसे मंद बुद्धि तो कोई कहता कि तुम कभी कुछ सीख ही नहीं पाओगे। वरदराज उस वर्ष अपनी कक्षा में फेल हो गया, और थक कर गुरुजी ने भी हार मान कर उससे कहा कि तुम अपने घर वापस चले जाओ। अपने माता-पिता के कार्य में हाथ बटाओ। घर जाते समय वरदराज को बहुत प्यास लगी, उसने रास्ते में एक कुआँ देखा और पानी पीने पहुँच गया, उसने देखा कुएँ के आसपास पत्थर पर कुछ निशान बने हैं। उसने वहाँ एक महिला से पूछा कि माताजी इस पत्थरों को किसने तराशा है। महिला ने उत्तर दिया बेटा ये निशान तो उस कोमल रस्सी के हैं जो रोज बाल्टी उपर नीचे करने से बन जाते हैं। वरदराज ने सोचा जब ये कोमल रस्सी, पत्थरों पर निशान बना सकती है, तो मैं निरंतर अभ्यास से अपने आपको होनहार क्यों नहीं बना सकता? वह आश्रम की ओर चला गया। उसने गुरुजी को सारी बातें बताई। गुरुजी ने कहा यही तो असली विद्यार्थी की पहचान है - 'हार न मानना'। चलो एक नई शुरुआत करते हैं। धीरे-धीरे वरदराज मेहनत करके आगे चलकर एक बड़ा विद्वान बन गया। बाद में उन्होंने, संस्कृत व्याकरण की कई किताबें लिखीं।



स्वरा गोयल
पहली 'अ'

वो मेरी आशा, वो मेरी अभिलाषा,
ममता से भरी, अपनेपन की परिभाषा।

वो साथ मेरे हरदम, बनकर एक साया,
उसने ही मेरा, जीवन महकाया।

तकलीफ में भी मुस्काती है,
हर गम खुशी से सह जाती है।

मेरी राहों पर फूल बिछाकर,
खुद कांटों पर सो जाती है।

ममता की सूरत होती है माँ,
भगवान की छवि कहलाती है।

मोबाइल
फोन



वैष्णवी पाण्डेय
UKG 'A'

मोबाइल के हैं, बड़े फायदे,
यदि हम चाहें लेना।

लेकिन हम बच्चे तो चाहें,
केवल इसमें गेम खेलना।

डूब-डूब कर ऐसे देखें,
जाएँ सारी दुनिया भूल।

बात न सुनते, पाठ न पढ़ते,
बिना पढ़े जाते स्कूल।

मम्मी-पापा समझाते हैं,
बार-बार कहलाते हैं।

इतना मत खेलो तुम गेम,
हो जाएगा गेम फेल।

याद ना होगा कोई पाठ,
आँखें होंगी बर्बाद।

इससे ऐसी किरणें निकलतीं,
याद नहीं कुछ बातें रहतीं।

फिर तुम कैसे पढ़ पाओगे,
जीवन में क्या कर पाओगे।

मान लो अब भी बड़ों की बात,
पढ़ो-लिखो, मत हो बर्बाद।



आरना अग्रवाल
चौथी 'स'

माँ की ममता का प्यार,
झूठा है सारा संसार।

गोद उठाती लोरी गाती,
पहले हमें खाना खिलाती।

करती पल-पल हमें दुलार,
माँ की ममता, माँ का प्यार।

माँ की आँखों के तारे हम,
घर के राज दुलारे हम।

मीठे सुर में रही पुकार,
माँ की ममता, माँ का प्यार।

दूर नहीं रहने देती,
आँसू नहीं बहने देती।

कौन जग में माँ के जैसा,
सोना-चाँदी, रुपया-पैसा।

उसके आगे सब बेकार,
माँ की ममता, माँ का प्यार।

माँ तुझपे सब कुछ कुरबान



भव्य महनोत
10 वीं 'अ'

पास नहीं हो फिर तुझसे प्यार करते हैं,
तेरे तिरंगे को देख, तुझे याद करते हैं।
दिल में इतनी लगन है, हर वक्त यही अरमान,
तेरे नाम पर मिट जाएँ, माँ! यही बने पहचान।

हर सुबह तेरे गीत से दिन की शुरुआत करते हैं,
शाम ढलते ही फिर से तुझे सलाम करते हैं।
तेरे बिना ये जिंदगी कुछ खास नहीं लगती,
हर साँस में तेरा नाम है, हर धड़कन है तुझसे।

तेरे आसमान के नीचे हम खुले हौसलों से रहते हैं,
तेरी धरती के रंगों से ही अपने सपने बुनते हैं।
तेरे बिना जीना मुश्किल है, माँ! ये दिल मानता नहीं,
तुझसे ही तो रौशन है सब, तुझसा कोई समान नहीं।

कभी हवा छू जाए तो तेरा एहसास होता है,
तेरी खुशबु से तेरी शान, हर हाल में तेरा मान,
तू दूर नहीं, माँ! तू तो हर इंसान में है जान।

तेरे वीरो का खून है, इस मिट्टी की शान,
तेरे लिए, माँ! है सब कुछ कुरबान।
तेरे प्यार में बस एक ही अरमान,
जय हिंद के नारे से गूँज उठे जहान।



अध्यापक



आश्वी सोनी
पहली 'इ'

जब पहला पग पड़ा विद्यालय में
तब मैं कोरा पन्ना था,
मुझे भी शिक्षा ग्रहण करके
एक अच्छा इन्सान बनना था।

हाँ! साथ दिया मेरे शिक्षकों ने
और सिखायी हर नयी बात मुझे
अपनी लिखी कुछ पंक्तियों में
मैं नमन करुंगा आज उन्हें।

कि आपके उपकारों को ऐ अध्यापक
हम जन्मों तक न भूलेंगे
याद आयेगी बहुत आपकी
जब कामयाबी का झूला झूलेंगे।

दृढ़ संकल्प लेना सिखाते हो,
हमें संस्कारों का महत्व सिखाते हो,
भटके हुए हर राही को सफलता का,
मार्ग दिखाते हो।

हम में छुपे गुणों को तराशकर,
हम पर हुनर का रंग चढ़ाते हो।
हर शिक्षक खुद में एक संस्था है
जो देश को आगे बढ़ाते हैं।।



जीत पत्तकी है



अक्षरा साह
तीसरी 'ब'

कुछ करना है, तो डटकर चल,
थोड़ा दुनियाँ से हटकर चल।
लीक पर तो सभी चल लेते हैं,
कभी इतिहास को पलटकर चल।
बिना काम के मुकाम कैसा ?
जब तक ना हासिल हो मंजिल
तो राह में, आराम कैसा ?
अर्जुन सा, निशाना रख, मन में
न कोई बहाना रख।
जो लक्ष्य सामने है,
बस उसी पे अपना ठिकाना रख।
सोच मत, साकार कर।
मिलेंगे मेहनत के फल,
किसी और से प्यार कर।
जो चले थे अकेले
उनके पीछे आज मेले हैं।
जो करते रहे इंतजार उनकी
जिंदगी में आज भी झमेले हैं।
सोच बदलो, जिंदगी बदलो संकल्प के
साथ अपने आप मिल जाएंगे।

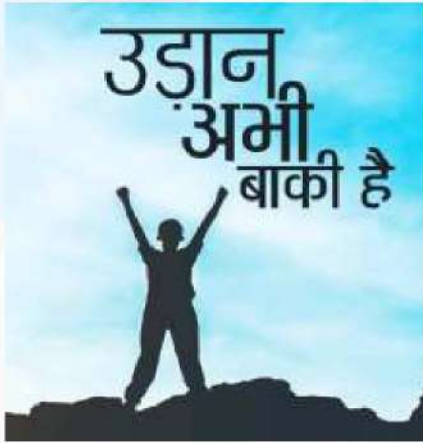
जीवन-प्रकृति



श्रेजल सिन्हा
11 वीं 'स'

प्रकृति हमारी हमको जीने का ढंग सिखाती है।
जीवन कैसे जीना है वो सारे रंग दिखाती है।।
पर्वत जैसे अडिग खड़ा है
वैसे तुम भी दृढ़ हो जाओ।
नदियाँ जैसे कल - कल बहतीं
वैसे सरल सरिस हो जाओ।
ढलता सूरज फिर उगता है आस जगा जाता है,
कभी हार न मानें नई राह दिखा जाता है।
जीवन कैसे जीना है वो सारे रंग दिखाती है।।
डाली जैसे झुक जाती है,
वैसे सहनशील हो जाओ।
मिट्टी की खुशबू के जैसे,
तुम भी भावभीन हो जाओ।
शीतल सबका मन हो जाए चाँदनी बतलाती है,
प्रकृति से ले सीख 'श्रेजल' आभारी हो जाती है।
जीवन कैसे जीना है वो सारे रंग दिखाती है।।





परिणीति सिंह खानी
10 वीं 'अ'

क्यों बैठे हो थक कर प्यारे, उगार अभी तो नापी है,
लक्ष्य तेरा दूर गगन है, उड़ान अभी बाकी है।

किताबों में खोए रहकर, ज्ञान की मशाल जलाओ,
हर प्रश्न का हल है तुझमें, बस एकाग्रता ले आओ।
ये परीक्षा तो एक पड़ाव है, जीवन का विशाल पथ है,
जहाँ हर कदम पर एक सीख मिलेगी, जहाँ संघर्ष ही रथ है।

मोबाइल की इस दुनिया से, पल भर नजर हटाओ,
अतीत को भूलो, भविष्य की तस्वीर आज बनाओ।
हर पल है कीमती तेरा, यूँ व्यर्थ न इसे गंवाना,
समय से जो सीख गया है, जग में उसे ही है नाम कमाना।

उठो, जागो और कर्म करो तुम, यही गीता का सार है,
सपनों को पूरा करने का, हर क्षण तेरा अधिकार है।
न डरना कभी असफलताओं से, वे तो बस एक राह दिखाती हैं,
गिर कर फिर से उठने की, प्रेरणा हमें सिखाती हैं।

मन में हो विश्वास अटल, और माथे पर तेज हो,
बनना है तुझे विश्व विजेता, यह संकल्प विशेष हो।
तुम भारत के भविष्य हो, तुममें अनंत शक्ति समाई है,
क्यों बैठे हो थक कर प्यारे, उगार अभी तो नापी है,
लक्ष्य तेरा दूर गगन है, उड़ान अभी बाकी है।



मानव जीवन एक पुरुषार्थ



अक्षत विश्वकर्मा
11 वीं 'स'

जीवन का यह उसूल हमेशा रखना ध्यान,
बिन पुरुषार्थ भाग्य भी न देता साथ,
अमर हो जाती है कीर्ति उनकी,
जो विकर्षण का छोड़ देते हैं साथ।

यह बात मान लो मेरी आज,
पुरुषार्थ ही जीवन, पुरुषार्थ ही अपार,
पार कर लेगा हर चुनौती को,
जो सदा चलेगा इसके साथ।

मानव जीवन सीमित है,
यूँ ही न करो इसे बर्बाद,
उठ खड़ा हो जो गिर कर भी,
भगवान भी थामते उसी का हाथ।

जो त्याग दे हर मोह, हर माया को,
दुराचरण की समस्त छाया को,
पहचान जाएगा वास्तविक सत्य,
कि मानव जीवन है एक पुरुषार्थ।

पिता



अदिति दीवान
12 वीं 'द'

पिता... एक ऐसा शब्द जिसमें संपूर्ण जीवन समाया होता है। वे हमारे पहले हीरो, पहले गुरु और पहले संरक्षक होते हैं। उनकी खामोश, मेहनत, माथे की सिलवटें और आँखों की चिंता - सब हमारे सुखों की कहानियाँ कहती हैं। वे खुद हर तूफान से लड़ते हैं, पर हमारे सिर पर साया बनकर खड़े रहते हैं। उनकी गोद में सुकून है, उनकी छाया में सुरक्षा है, और उनके शब्दों में जीवन की सबसे सच्ची सीखें हैं। पिता, तुम सिर्फ एक इंसान नहीं, मेरी दुनिया हो, मेरी प्रेरणा हो, मेरी आत्मा की रोशनी हो।



शिक्षक



सार्थक गोयल
तीसरी 'जी'

जीवन में जो राह दिखाएँ,
सही तरह चलना सिखाएँ।
माता - पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।

सबकी मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथदर्शक है जो।
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

कभी है शांत, कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश मैं उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।



पक्षियों की दुनिया

सुबह की शुरुआत पक्षियों की चहचहाहट से होती है। पक्षी प्रकृति के अनमोल उपहार हैं। लाल, पीला, नीला, हरा और विभिन्न रंग रूप के पक्षी प्रकृति की खूबसूरती में चार चाँद लगा देते हैं। भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर वर्षा के मौसम में नाच कर लोगों का मन मोह लेता है। कोयल की सुरीली आवाज सबको आनंदित करती है। हरे रंग का तोता मनुष्य की आवाज की भी नकल कर लेता है। कबूतर को शांति का प्रतीक मानते हैं और कौआ बहुत चतुर व चालाक पक्षी होता है।

पक्षी पेड़ों पर विभिन्न प्रकार के घोंसले बनाते हैं जिसमें वे अंडे देते हैं और अपने बच्चों की देखभाल करते हैं। पक्षी हमारे मित्र हैं वे हमें प्रकृति से जुड़ना सिखाते हैं। ज्यादातर पक्षी पेड़ों पर रहते हैं। अतः हमें पेड़ नहीं काटना चाहिए। गर्मियों में हमें छतों पर बर्तनों में पानी भरकर रखना चाहिए।

वास्तव में पक्षियों की दुनिया रंग-बिरंगी व संगीतमय है जो हमें हर्ष, उल्लास व प्रकृति से प्रेम का संदेश देती है।



सवेरा



सुरभि पाण्डा
तीसरी 'अ'

सूरज निकला मिटा अंधेरा,
देखो बच्चों हुआ सवेरा।

आया मीठी हवा का फेरा,
चिड़ियों ने फिर छोड़ा बसेरा।

जागो बच्चों अब मत सोओ,
इतना सुन्दर समय न खोओ।

प्रकृति पर कविता



आसना खान
चौथी 'स'

प्रकृति हमारी सबसे न्यारी,
इसमें बसती दुनिया सारी।
प्रकृति की है छटा निराली
चारों ओर फैली हरियाली।
प्रकृति हमारी सबसे न्यारी,
इसमें बसती दुनिया सारी।
हरे-भरे पेड़ों पर बैठे,
पक्षी मीठे गीत सुनाते।
कल-कल बहती नदियाँ सारी,
झरने सुर में सुर मिलाते।
प्रकृति हमारी सबसे न्यारी,
इसमें बसती दुनिया सारी।



स्वातिका सिंह बघेल
तीसरी 'अ'

लक्ष्य की ओर



रितिका सोनी
9 वीं 'अ'

ना टूटो एक हार से,
ना रुको भाटा - ज्वार से,
ये नियति का क्रम है,
निशा बाद सदा होती भोर।
बढ़ाओ पग लक्ष्य की ओर।।

सुगम - सुरक्षित बाग देख
सौन्दर्यार्कर्षण एक से एक
ना होना विचलित कभी,
यह नहीं विश्राम का दौर।
निगाह हो सदा लक्ष्य की ओर।।

पाल नव उम्मीदों पर,
मन में दृढ़ इच्छा शक्ति घर,
भरो उड़ान, नाप लो जहान
पहुँचने शिखर पर, लगाओ जोर।
बढ़े चलो लक्ष्य की ओर।।



बारिश



आयांश दुबे
नर्सरी 'बी'

बारिश जब आती है,
ढेरों खुशियाँ लाती है।
प्यासी धरती की प्यास बुझाती है,
धूलों का उड़ना बंद कर जाती है।
मिट्टी की भीनी सुगंध फैलाती है।

बारिश जब आती है,
ढेरों खुशियाँ लाती है।
भीषण गर्मी से बचाती है,
शीतलता हमें दे जाती है।

मूसलाधार प्रहारों से
पतझड़ को भगाती है,
बहारों का मौसम लाती है।
बारिश जब आती है,
ढेरों खुशियाँ लाती है।।



कविता



वंश कुमार पटेल
10 वीं 'अ'

ये क्या बात हो गई कि हर वक्त रुठ गया है...
उस हृदय का हर एक सामान बिखर रहा है...
ये अग्नि की तपिश
अनोखी के हृदय को जलाए जा रही है...
उसकी मासूमियत उसे ही खाए जा रही है...
जख्म कैसा लगा उसे...
कांटों ने परिचय दिया उसे...
हर एक गम को उसने हराया...
तो सबका ध्यान जश्न की ओर आया...
उसके भावनाओं से सामना...
उसे जिंदगी ने करवाया...
बुजदिल चेहरों का सामना हकीकत ने कराया...
हर प्रश्न का उत्तर अनोखी स्वयं भी...
वो तो महज उसके खेल का एक हिस्सा थी...
मगर उसने कुछ न माना कि ये तकलीफ ज्यादा है...
इधर लग रहा उधर लग रहा...
ये आँख दोनों ओर से लग रहा...
वो छिपती स्वयं को बचाती फिरती है...
उसके हृदय को हृदय की सारी खबर रहती है...



गर्मी बाद तू आती वर्षा,
भर गागर पानी लाती वर्षा ।
तन - मन जीवन हरषाती वर्षा,
धरती पर हरियाली लाती वर्षा ।।
पशु पक्षी जन - मन सब प्राणी,
तेरी आस लगाये रहते ।
तू आती खुश हो जाते हैं सब,
नव जीवन गीत सुनाते रहते ।
ताल तलैया और नदी नाले,
तेरे नीर से भर जाते हैं ।
कृषि निराली कृषक मतवाले,
फसलों से घर भर जाते हैं ।।



आर्यज दुबे
तीसरी 'ब'

दिवाली



मायरा सिंह
नर्सरी 'डी'

दिवाली का त्योहार आया,
खुशियों का बहार लाया ।
दीपों की सजी है कतार,
जगमगा रहा है सारा संसार ।
अंधकार पर प्रकाश की विजय लगा,
भाईचारे का संदेश लाया ।
दिवाली का त्योहार आया,
खुशियों की बहार लाया ।



संकलन : एलेक्स फिलिप सोरेन
12वीं 'द'

एक दिन मैंने खेत में खड़े बिजूके से कहा- "तुम यहाँ अकेले खड़े-
खड़े थक जाते होगे।"

उसने कहा- "दरअसल, किसी को डराने की खुशी इतनी गहरी और
स्थायी होती है कि मुझे कभी थकान नहीं होती।"

मैंने कुछ सोचकर कहा- "हाँ, सही है। मुझे भी इस खुशी का कुछ
अनुभव है।"

उसने कहा- "तुम इस खुशी को नहीं समझ सकते। इस खुशी को
केवल वे ही अच्छी तरह जान सकते हैं जिनमें भूसा भरा होता है।"

...

कुछ दिनों बाद जब मैं उधर से गुज़रा तो मैंने देखा कि दो कौए उस
बिजूके की टोपी के नीचे अपना घोंसला बना रहे हैं।

o खलील जिब्रान

अनुवाद : कुमार अम्बुज

माँ



स्वजिता जैन
चौथी 'जी'

माँ संवेदना है, भावना है, अहसास है,
माँ जीवन के फूलों में खुशबू का वास है।
माँ लोरी है, गीत है, प्यारी सी थाप है,
माँ पूजा की थाली है, मंत्रों का जाप है।
माँ कलम है, दवात है, स्याही है,
माँ परमात्मा की स्वयं एक गवाही है।
माँ चिंता है, याद है, हिचकी है,
माँ बच्चों की हर चोट पर सिसकी है।
माँ चूल्हा, धुआँ रोटी और हाथो का छाला है।
माँ जिंदगी की कड़वाहट में, अमृत का प्याला है।
माँ पृथ्वी है, जगत है, धुरी है,
माँ बिना इस सृष्टि की कल्पना अधूरी है।
माँ का महत्व दुनियाँ में कम हो नहीं सकता,
और माँ जैसी दुनियाँ में कोई हो नहीं सकता।
वो खुशनसीब है माँ-बाप जिनके साथ होते हैं,
क्योंकि माँ-बाप की आशीषों के हजारो हाथ होते हैं।



कविता



अभिषेक यादव
10 वीं 'अ'

मन भँवर में एकांत बसेरा...
क्षण क्षण क्षण क्षण
उलझा जाऊँ...
नयन तरासे प्रेमी चेहरा...
बसा हुआ है कहाँ बसेरा...
नयन जल यह छलकत-छलकत
अमृत सा जल बन जाए
एकांत चित्त यह शून्य परिस्थिति
विरह कहानी बनती जाए...
देह जान न मुझको भाए...
प्रेम ही ईश्वर बन जाए...

सपनों की भोर



अदनान रहमान
11 वीं 'स'

कहीं छिन गया आँखों से सपना
रह गया घाव गहरा
अब हर तरफ धुँधलाती दुनिया
हर साँझ में उलझती गलियाँ
सत्य है यही हों मैं यही
पर मन में है बार्ते कई
अब बढ़ चला हूँ जीवन की ओर
सपनों के संग अब होगी भोर

वे जो हमारे लिए खनफे हुए नया घर
जीव में मिट्टी की कमी महसूस कर
खुद जवान इमारत की तरह ढह गए
ये देश उनका है

कविता: विश्वज वैभव
पोस्टर: मनोज छाबड़ा



सपनों का शहर



दिव्यांश जायसवाल
11 वीं 'ब'

हर रात मैं एक नया शहर बनाता हूँ,
सपनों की ईंटों से।
जहाँ डर नहीं होता,
बस उम्मीदें अपना घर सजाती हैं।
वहाँ लोग मुस्कुराते हैं,
बिना वजह के।
आसमान थोड़ा नीचा होता है,
ताकि सितारे पास मौजूद हों।
सुबह होती है,
तो वो शहर धुँधला पड़ जाता है,
पर दिल के कोने में कहीं,
उसका एक कोना जगमगाता है।
कभी - कभी सोचता हूँ
अगर वो शहर सचमुच में होता,
तो शायद वहीं रुक जाता मैं,
काश इस हकीकत में लौट न पाता मैं।

क्यों ?



अराध्या गुप्ता
10 वीं 'अ'

आज शाम छत पर बैठे - बैठे
सोच रही थी मैं-

क्यों मैं कुछ बनना चाहती हूँ ?

क्यों मैं स्वयं को साबित करना चाहती हूँ ?

आखिर क्यों मेरे चेहरे की मुस्कान काफी नहीं ?

क्यों मेरी यह मुस्कान ही मेरी कामयाबी नहीं ?

अंदर से एक जवाब आया -

पापा की आँखों में गर्व देखना चाहती हो तुम,

और माँ के मन में सुकून ।

अरे! आखिरकार खुशियों की गिनती करता ही कौन है,

इस दुनिया के लिए तो पैसों की गिनती जरूरी है ।

फिर तो मुझे भी लगा -

शायद यही तो है

मेरी हर कोशिश का कारण,

मेरी हर 'क्यों' का सच्चा जवाब ।



युविका रघुवंशी
11 वीं 'अ'

सपनों को पंख मिल गए आज,

डर को छोड़ चले हम आज ।

आसमान सब अपना है,

हर मंजिल तक पहुँचाना है ।

हर गिरने में सीख छुपी,

हर कोशिश में जीत दिखी ।

हम हैं युवा, दिल में है जान ।

चलो भरें अब नये उड़ान ।

राह कठिन पर मन न डरे,

अंधेरे में भी दीप जले ।

विश्वास हो तो जीत पक्की,

नये सपनों की हो झिलमिल झांकी ।

आवाज जो गिराती है, और हिम्मत जो उठाती है



रॉली स्टाशा तिग्गा
11 वीं 'स'

कई बार किताबें भारी नहीं लगती,

दूसरों की बातें लगती हैं ।

ताने, तुलना और हँसी -

ये चोट नोंकों से गहरी होती हैं ।

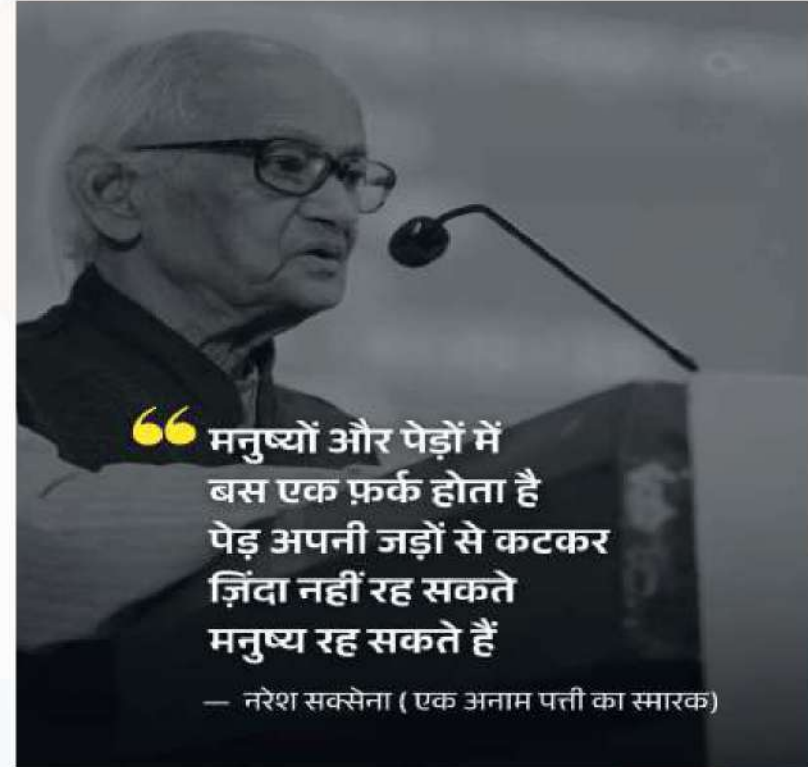
छात्र चुप हो जाते हैं,

सपने धीमे हो जाते हैं,

पर एक दिन उनकी मेहनत

इतनी उँची आवाज़ में बोलती है

कि दुनिया को खामोश होना पड़ता है ।



“ मनुष्यों और पेड़ों में
बस एक फ़र्क होता है
पेड़ अपनी जड़ों से कटकर
ज़िंदा नहीं रह सकते
मनुष्य रह सकते हैं

— नरेश सक्सेना (एक अनाम पत्नी का स्मारक)

सादगी और साहित्य

वरिष्ठ रचनाकार श्री प्रभु नारायण वर्मा से छात्रों की बातचीत.....

श्री प्रभु नारायण वर्मा हमारे शहर अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ में निवास करते हैं। बैंक मैनेजर की नौकरी करने के साथ ही लिखने-पढ़ने से उन्हें लगाव रहा है। कई महत्वपूर्ण कहानियाँ और कविताएँ आप के नाम हैं। उनसे हुई हमारी मुलाकात शानदार रही। उनके आत्मीय और विनम्र व्यवहार ने हमारा मन मोह लिया। उनके साथ हुआ संवाद केवल एक साधारण साक्षात्कार नहीं था बल्कि नए विचारों और अनुभवों की एक सहज साझेदारी थी। प्रस्तुत है बातचीत का सम्पादित अंश -

प्रश्न 01 - नमस्ते सर, हम होली क्रॉस कॉन्वेंट सी.से. स्कूल के विद्यार्थी हैं, क्या आप हमें अपना परिचय दे सकते कि प्रभु नारायण वर्मा कौन हैं?

प्रभु जी - नमस्कार मैं एक सामान्य आदमी हूँ। मैं बैंक में काम किया करता था। पढ़ने का शौक मुझे अपने पिताजी से मिला क्योंकि वे बहुत सी किताबें पढ़ते थे और ऊर्दू, संस्कृत आदि भाषाओं के जानी थे। वहीं से मैंने पढ़ना शुरू किया फिर लेखन शुरू किया और आज मेरी बहुत सी रचनाएँ भारत की सभी प्रसिद्ध पत्रिकाओं में मिलती हैं। मैं निबंध, अनुवाद और कविताएँ लिखता हूँ, पढ़ता हूँ।

प्रश्न 02 - आपने लिखना शुरू कब किया ?

प्रभु जी - जब मैं कॉलेज में था, तभी से मैंने लिखना शुरू किया। कॉलेज के दिनों में ही कुछ परिचित लोगों के साथ मैंने लिखने की शुरुआत की। लोगों ने मुझे पढ़ा, जिन्हें मेरी लेखनी अच्छी लगी उन्होंने मेरी सराहना की। बस यहीं से सिलसिला चल निकला।

प्रश्न 03 - आप अपना खाली समय कैसे बिताते हैं ?

प्रभु जी - मुख्यतः मुझे पढ़ना और घूमना अच्छा लगता है। मुहल्ले में घूमना, भीड़ वाली जगहों पर जाना, रावणदहन देखना अच्छा लगता है, क्योंकि मैं लोगों के बीच रहना पसंद करता हूँ। अपनी रचनाएँ पढ़ना, किताबों में मन लगाना भी मुझे अच्छा लगता है।

प्रश्न 04 - ऐसे कौन कौन से लेखक हैं जो आपको लिखने के लिए प्रेरित करते हैं ?

प्रभु जी - मुख्यतः मुझे प्रेमचंद जी बहुत पसंद हैं। और मुझे उनकी भाषाशैली बहुत अच्छी लगती है। तो वो एक प्रेरणास्रोत हैं और अगर पसंदीदा लेखकों की बात हो तो वे मेरे लिए समय के साथ बदलते रहते हैं।

प्रश्न 05 - आपके गाँधी जी के बारे में क्या विचार हैं ?

प्रभु जी - गाँधी जी के बारे में जितना कहा जाए उतना कम है, उनकी सबसे अच्छी आदत ये थी कि वे किसी काम के होने के ढंग की बहुत परवाह करते थे, अहिंसावादी विचारों के थे, मनुष्य की एकता में विश्वास रखते थे।

प्रश्न 06 - आजकल के छात्रों का मन किताबों से हटकर फोन की ओर लग रहा है, तो इसे बदला कैसे जा सकता है ?

प्रभु जी - इसके लिए सबसे अच्छा उपाय है कि मोबाईल फोन, टैबलेट, कंप्यूटर में ही किताबों और उनके सारों को पढ़ा जाए। वर्तमान में भी, ऑनलाईन किताबें हार्डकापियों से सस्ती होती हैं तो इसका अच्छा लाभ उठाना चाहिए।



प्रश्न 07 - आपके हिसाब से एक अच्छी कहानी कैसे लिखी जा सकती है?

प्रभु जी - मेरे अनुसार सबसे पहले तो बिना किसी मानसिक तनाव के लिखना चाहिए और ऐसी चीजों पर लिखना चाहिए जो अनोखी हों। ऐसे लिखो जैसे स्वयं के लिए लिख रहे हो। उसमें समय के साथ सुधार करें। यह सब करके अपने आप ही मन में बहाव आते हैं और इंसान लिखने में बेहतर होता जाता है।

प्रश्न 08 - हम विद्यार्थी लिखना कैसे शुरू करें ?

प्रभु जी - मेरा सुझाव है कि आप पहले अपने अनुभवों पर ही लिखना शुरू करें। धीरे-धीरे उसमें संशोधन करते रहें। कुछ पढ़ने की शुरुवात करिये। अपने आप आपकी भाषा ठीक होने लगेगी और आप जरूर अच्छा लिखने लगेगे।

प्रश्न 09 - आप किस तरह के गाने सुनना पसंद करते हैं ?

प्रभु जी - संगीत में मेरी रुचि है। जैसे धीरे-धीरे हर तरह का संगीत सुनकर व्यक्ति कुछ और नया सुनना चाहता है, उसी तरह मैं भी पुराने - नए हर तरह के गीत सुनता हूँ। मैं सेमी क्लासिकल गीतों को भी पसंद करता हूँ और फिल्मी गीत भी।

छात्रागण - सर आप से बात करके बहुत प्रेरणा मिली, बहुत अच्छा लगा, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

साक्षात्कारकर्ता - समृद्धि कश्यप 12वीं 'ब', ओजस्वी कुण्डु 12वीं 'ब' अपूर्वा तिवारी 10वीं 'फ', आशीष जायसवाल 12वीं 'द' दिव्यांशु जायसवाल 11वीं 'ब', मोक्षित साहू 12वीं 'ब' रवि नन्दन मिश्रा 12वीं 'स', रिमझिम गुप्ता 12वीं 'ब' प्रार्थना सौम्या कच्छप 12वीं 'ब', प्रिंसी केशरी 12वीं 'ब' अक्षिता डबराल 11वीं 'ई'

एक संवाद, शिवमूरत वर्मा जी के साथ 'में शहर को साफ़ करता हूँ और रोटी कमाता हूँ'

"एक इन्सान का कचरा दूसरे इन्सान के लिए खजाना है"

कल्पना कीजिये कि आप एक चाय की टपरी में बैठे चाय का आनंद ले रहे हैं और देखते हैं कि कोई व्यक्ति, एक स्कूटर वाले ठेला गाड़ी में कचरा इकट्ठा कर रहा है। तब आप कैसा महसूस करेंगे ? हम ऐसे ही एक बहुत खास व्यक्ति से मिले जो अपने दिन का अधिकतर समय कचरा इकट्ठा करने में बिता देते हैं। शिवमूरत वर्मा जी लगभग 50 वर्ष के हैं, और अनेक सालों से इस काम को करते आ रहे हैं। उनकी लगन देखकर हम उनसे प्रेरित हुए और फिर उनके घर जाकर हमने उनसे कुछ बातचीत की। हमारे सवालियों का उन्होंने बड़ी गंभीरता से जवाब दिया। सरकारी काम में अनेक दिक्कतें झेल कर दूसरी नौकरियाँ करने के बाद उन्होंने अपनी मर्जी से कचरा बीनने का काम चुना। जब हम उनके घर पहुंचे, तो वहां का दृश्य देखकर हैरान रह गए।

शहर के अनेक जगहों से लाए गए अनेक तरह के सामान, जिन्हें हम कचरा कहते हैं, बड़े आदर से जमे हुए थे। शिवमूरत जी ने कचरा बेचकर मिले पैसे से अपनी बड़ी बेटी को कॉलेज और छोटे बेटे को स्कूल भी भेजा है। प्रस्तुत हैं उनसे की गई बातचीत के कुछ हिस्से -

प्रश्न 1: शिवमूरत जी, हमें अपने बारे में बताएं।

शिवमूरत जी: वैसे तो मैं मध्यप्रदेश का रहने वाला हूँ पर काम की तलाश में बिश्रामपुर आ पहुंचा, जहाँ मैं वेयरहाउस में रखवाली का काम करता था, मैं कैम्पस में ही रहता था और साफ सफाई किया करता था, पर मेरा काम पसंद ना आने पर मुझे काम से निकाल दिया गया। कई नौकरियाँ मैंने अंबिकापुर आकर भी की, जैसे रिक्शा धोना, दुकान से सामान लाना... पर मुझे ये काम अच्छे नहीं लगे। दुकानों में जाकर काम मांगने पर अक्सर कचरा हटाने का काम मिलता। मैंने देखा कि शहर में कई दुकानों की यही मांग थी। तब मैंने फैसला लेकर खुद इन कचरों को इकट्ठा करना और बेचना शुरू कर दिया जिससे मुझे पैसे भी मिले और कहीं न कहीं शहर भी साफ़ होता गया। मैं दिन के 24 घंटे में से लगभग

20 घंटे काम करता हूँ। जब लोग रात को सोने जाते हैं, तब मैं भाग कर बाज़ार कचरा उठाने के लिए जाता हूँ।

प्रश्न 2: आपने अपनी इस स्कूटर वाली ठेला गाड़ी को कैसे बनाया?

शिवमूरत जी: पहले तो मैं अपनी साईकल से शहर में निकल के कचरा बोरियों में लाता था, पर उसमें ज्यादा समय और ताकत लगता था। कई दुकानों में जहा कंस्ट्रक्शन का काम हो रहा था, वहां से कुछ लकड़ी, लोहा जो अक्सर फेक दिया जाता है, उसको मैं ले आता था। उसमें से जो काम का होता था उसे मैं रखता और बाकी सामान कूड़े सेंटर में बेच आता था। एक टूटी हुई पुरानी स्कूटर में एक छोटी ट्रॉली जोड़ कर मैंने इस गाड़ी को बनाया।

प्रश्न 3: क्या आप हमें अपनी कमाई के बारे में बता सकते हैं?

शिवमूरत जी: मैंने जिंदगी में कभी किसी से पैसे की भीख नहीं मांगी। मैं लोगों से कचरा मांगता हूँ। जैसे शहर की दुकानों से 10-20 किलो पुद्दा मिल जाने पर उससे कुछ ₹300-400 मिल जाता है। हर दिन की कमाई इसके आस पास ही रहती है। इन पैसे से मैंने अपनी बड़ी बेटी को पी. जी. कॉलेज और छोटे बेटे को मल्टीपर्स स्कूल भी भेजा है। उन्हें मैंने बचपन से स्कूलों में पढ़ने भेजा है। यदि शहर के लोग मुझे यह कचरा नहीं देते, तो मेरा गुजारा नहीं हो पाता।

प्रश्न 4: क्या आपको परेशानियों के दौर में सरकार की तरफ से मदद मिली है?

शिवमूरत जी: नहीं, मैं उदाहरण के लिए बताऊँ, जब मैं अपने हाथों की सुरक्षा के लिए दस्ताना मांगने गया, तब मुझे मना कर के भगा दिया गया।

प्रश्न 5: आपकी सरकार से क्या मांगें हैं?

शिवमूरत जी: मेरी सरकार से खुद की कोई मांग नहीं है। पर मैं यह चाहता हूँ कि मेरे बच्चों को पढ़ने लिखने की सुविधाएँ मिलें, यदि कभी आर्थिक तकलीफें आएँ तो मैं उनके लिए मदद ले सकूँ, यही चाहता हूँ।

प्रश्न 6: आपको जीवन में कई बार असफलताएँ मिलीं, कई नौकरियाँ करनी पड़ीं, बहुत

रोक-टोक झेलने पड़े, पर फिर भी आप डंटे रहे हम आप जैसा दृढ़ कैसे बन सकते हैं?

शिवमूरत जी : इसके लिए मैं एक चीज़ पर जोर देना चाहूँगा, कि पढ़े लिखे लोगों को एक संगठन बना लेना चाहिए, और उसमें एक बात को प्राथमिकता में रखना चाहिए कि अपने शहर को साफ बनाना है। एक संगठन हो जो एक मकसद को लेकर चले। कोई व्यक्ति यह नहीं चाहता की वो सहयोग करे, कई लोग सिर्फ अपने बारे में सोचते हैं। उदाहरण के तौर पे 100 बोरी उठाने के लिए नगर निगम 4 कर्मचारियों को भेजेगा, एक ट्रैक्टर ड्राइवर, दो सफाई वाले और एक उठाने वाला, जिनकी 35,000 रुपए पगार होगी। आखिर वो काम मैंने अकेले किया न। ये बचत तो हुई न सरकार की। कुछ ही साल पहले साफ सफाई के

मामले में अंबिकापुर पहले स्थान पर आया था। कितने गर्व की बात है कि, मेरा भी इसमें योगदान रहा, मैंने भी इसमें सहायता की। इसीलिए लोगों को मिलकर एक दूसरे को प्रेरित करना चाहिए। कभी भी दिक्कत आने पर हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। मेरा इतना ही कहना है।

छात्रगण : आप ने हमसे बातचीत की, आपका आभार।

साक्षात्कारकर्ता - भारती तिवारी 12वीं 'द', समृद्धि कश्यप 12वीं 'ब'
मोक्षित साहू 12वीं 'ब', अमोघवर्ष पाण्डेय 11वीं 'अ'
एबिन जॉन बाबू 12वीं 'स'



श्री तपन बनर्जी : आकाशवाणी और लेखन का सफरनामा

(आकाशवाणी अंबिकापुर के पूर्व कार्यक्रम अधिशासी श्री तपन बनर्जी से छात्रों की बातचीत)

सरगुजा अंचल में हिंदी के अनेक ऐसे सुप्रसिद्ध रचनाकार हुए हैं, जिनकी रचनाधर्मिता और क्रियाशीलता ने बड़े स्तर पर लोगों को प्रभावित किया है। आकाशवाणी अंबिकापुर में लम्बे समय तक हिंदी अनुभाग में कार्यक्रम अधिशासी के पद पर रहते हुए, बड़े श्रोता समुदाय और सुधि जनों में अत्यंत लोकप्रिय कथाकार श्री तपन बनर्जी भी ऐसे ही एक व्यक्ति हैं। आप की कहानियों और विविध लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रमों ने बड़ी ख्याति और सराहना हासिल की है। हम छात्रों ने जब आपके बारे में सुना तो बहुत अच्छा लगा और हम आप से मिलने और बात करने की धुन में आप के घर पहुँच गए। हम छात्रों को अपने घर पर आया देख, तपन जी बहुत खुश हुए। अत्यंत आत्मीय माहौल में उन्होंने हम से बातचीत की। प्रस्तुत है संपादित अंश -

प्रश्न 01 - नमस्कार सर! जरा हमें अपने बारे में बताएं, यहाँ तक का सफर कैसा रहा?

तपन जी - धन्यवाद! जब मैं कम उम्र का था, तभी से मुझे पढ़ने-लिखने की जिज्ञासा थी। मैं लगभग 18 की उम्र में जासूसी उपन्यास पढ़ता था। पढ़ते-पढ़ते मुझे लिखने की इच्छा हुई और मैंने एक जासूसी उपन्यास लिखा। जब मैं लगभग 18 वर्ष का था, तब ये उपन्यास प्रकाशित हुआ। ज़ाहिर है, मेरा हौसला बढ़ा और तभी लिखने-पढ़ने में मेरी रुचि और बढ़ गई। लगभग 22 की उम्र में मेरी और भी कहानियाँ प्रकाशित हुईं जो हिंदी कहानियों की 'नई कहानियाँ' पत्रिका के माध्यम से पूरे भारत में प्रसिद्ध हुईं और तब से ही अपने आप पर भरोसा बन पाया और यहाँ तक पहुँच सका।

प्रश्न 02 - आप ने ऑल इंडिया रेडियो में काम किया, वहाँ के कुछ अनुभव हमारे साथ साझा कीजिए?

तपन जी - मैंने लगभग 34 साल रेडियो में काम किया। पहले तो बतौर संपादक जुड़ा और काम करता चला गया। अंततः बतौर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिशासी के रूप में रिटायर हुआ। मुझे याद आता है सरगुजिहा कार्यक्रम 'माटी के आखर' का। इसमें सरगुजिहा रचनाकारों की प्रस्तुतियाँ होती थीं। यह कार्यक्रम हर हफ्ते प्रसारित होता था। मैं स्वयं इस कार्यक्रम से जुड़ा था और ये देखकर दंग रह जाता था कि निबंध का एक प्रकार 'ललित निबंध' भी सरगुजिहा बोली में लोगो ने लिखा था, और तब मैंने ये महसूस किया कि सरगुजिहा साहित्य भी बहुत समृद्ध है। मैंने कुछ और लेखको को भी इसी बोली में लिखने की सलाह दी। वे आगे चलकर बहुत प्रसिद्ध भी हुए। इसी तरह 'भोको दास' नामक एक सरगुजिहा धारावाहिक भी रात 8 बजे रेडियो से प्रकाशित हुआ करता था, जिसके लिए पान ठेलों के आस-पास भीड़ इकट्ठा हो जाया करती थी। दरअसल वो रेडियो का ज़माना था। हर तरह की सूचनाओं और मनोरंजन का सबसे बड़ा माध्यम रेडियो ही हुआ करता था। अनुभव और स्मृतियाँ तो ढेर सारी हैं... फिर कभी और बात करेंगे।



प्रश्न 03 - आपने जो भी किताबें लिखी या पढ़ी हैं, उनमें आपकी पसंदीदा कौन सी है?

तपन जी - मैंने जो किताबें पढ़ी हैं, उनमें मेरी सबसे पसंदीदा है, रसूल हमजातोव की किताब 'मेरा दागिस्तान' है जो कि रूस में एक जगह है। ये किताब दो भागों में है और विश्व की लगभग तमाम भाषाओं में इसका अनुवाद हो चुका है। मेरी लिखी हुई कहानियों में से 'क्यारी भर कुरुक्षेत्र' मेरी पसंदीदा है जो एक किसान को लेकर है।

प्रश्न 04 - सरगुजिहा भाषा के सरगुजा के क्षेत्रों में ही सिमट के रह जाने के क्या कारण हो सकते हैं?

तपन जी - आजकल बढ़ते हुए टी.वी., मोबाइल फोन का दौर इसका एक प्रमुख कारण है। मेरे अनुसार अब हर क्षेत्रीय भाषा ही सीमित होती जा रही है। एक और कारण है, भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु सरकार द्वारा पर्याप्त प्रयास और अपेक्षित सहयोग न मिलना जो इसे बड़े स्तर पर प्रभावित कर रहा है।

प्रश्न 05 - आपके अनुसार एक अच्छे इन्टरव्यू की विशेषता क्या है?

तपन जी - एक अच्छे इन्टरव्यू की विशेषता मेरे अनुसार यह है कि जो इन्टरव्यू लेता है उसे विषय की जानकारी होनी चाहिए और इन्टरव्यू देने वाले को भी अपने विषय का ज्ञान होना आवश्यक है।

छात्र - सर आप ने हमसे बातचीत की, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

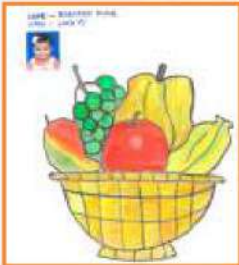
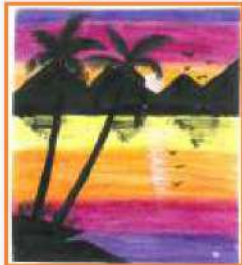
साक्षात्कारकर्ता - अपूर्वा तिवारी 10वीं 'फ', समृद्धि कश्यप 12वीं 'ब' दिव्यांश जायसवाल 11वीं 'ब', मोक्षित साहू 12वीं 'ब' रविनन्दन मिश्रा 12वीं 'स'



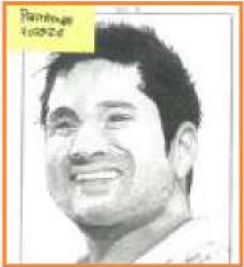
ART Gallery

Art washes away from the soul the dust of everyday life.

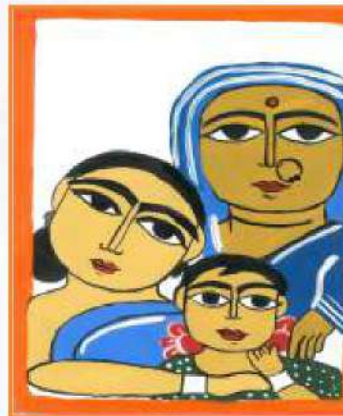
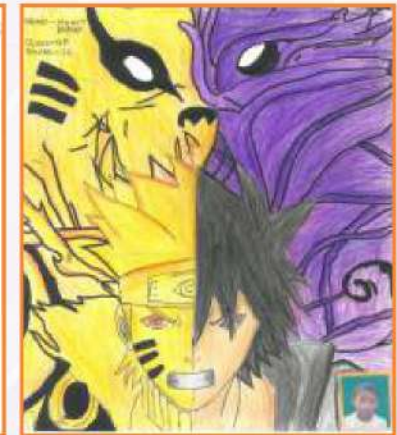
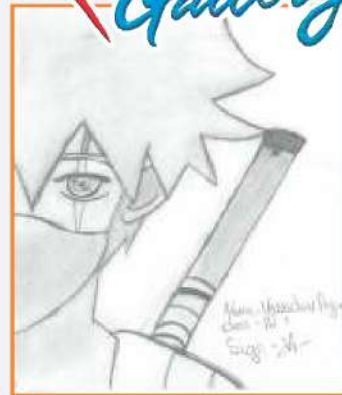
ART Gallery

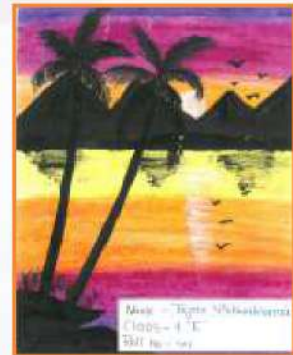
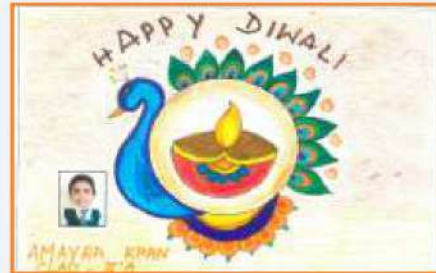
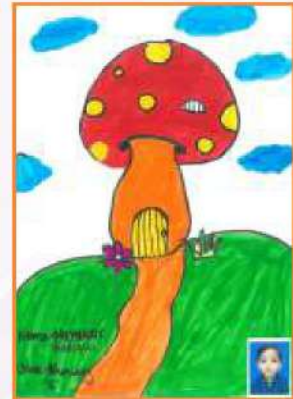
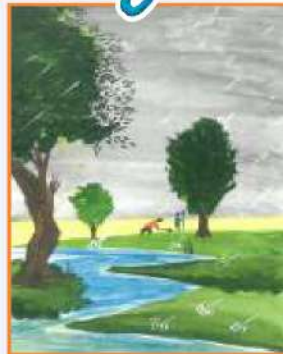


ART Gallery



ART Gallery





IN THE NEWS

Bad news travels
at the speed of
light; good news
travels like
molasses.

10वीं में प्रिंस 97.4 के साथ जिले में प्रथम, जसकीरत 12वीं में अब्बल

सीवीएसई • होलीक्रास काव्हेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल का 10 वीं, 12 वीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट, 46 को 90 फीसद से अधिक अंक

सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: होलीक्रास काव्हेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। 46 छात्रों को 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए गए। 10 वीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। प्रिंस 97.4 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहे। इसके अलावा अग्रिम अवस्था में 95.8 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहे। 12 वीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। प्रिंस 97.6 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहे। 10 वीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। प्रिंस 97.4 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहे। 12 वीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। प्रिंस 97.6 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहे।



अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची

90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले 14 छात्रों का नाम है। 10 वीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। प्रिंस 97.4 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहे। 12 वीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। प्रिंस 97.6 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहे।

ओपीएस के आदर्श व अलंकृता का सीवीएसई परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन

सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: ओपीएस के आदर्श व अलंकृता का सीवीएसई परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन।



अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची

सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: ओपीएस के आदर्श व अलंकृता का सीवीएसई परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन।

90% से अधिक अंक लाने वाले छात्र निजी स्कूलों से ज्यादा

सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: 90% से अधिक अंक लाने वाले छात्र निजी स्कूलों से ज्यादा।

सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: 90% से अधिक अंक लाने वाले छात्र निजी स्कूलों से ज्यादा।

सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: 90% से अधिक अंक लाने वाले छात्र निजी स्कूलों से ज्यादा।

दसवीं में प्रत्याशा व बारहवीं में आयशा को मिले सर्वाधिक अंक

भेदभाव छोड़ राष्ट्र के लिए करें विचार

सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: भेदभाव छोड़ राष्ट्र के लिए करें विचार।



सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: भेदभाव छोड़ राष्ट्र के लिए करें विचार।

धूमधाम से मना होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल में स्वयंसेवक दिवस

सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: धूमधाम से मना होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल में स्वयंसेवक दिवस।



सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: धूमधाम से मना होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल में स्वयंसेवक दिवस।

10 वीं में प्रिंस 97.4 व 12वीं में आदर्श ने 97.6 प्रतिशत अंक के साथ जिले में अब्बल

सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: 10 वीं में प्रिंस 97.4 व 12वीं में आदर्श ने 97.6 प्रतिशत अंक के साथ जिले में अब्बल।



सर्गुजा अधीनस्थ अधिकांश: 10 वीं में प्रिंस 97.4 व 12वीं में आदर्श ने 97.6 प्रतिशत अंक के साथ जिले में अब्बल।

सिंगल यूज प्लास्टिक बैरों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने पीएम को पत्र

सिंगल यूज प्लास्टिक बैरों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने पीएम को पत्र

सिंगल यूज प्लास्टिक बैरों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने पीएम को पत्र



निवासी नई अर्थव्यवस्था को

सिंगल यूज प्लास्टिक बैरों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने पीएम को पत्र

होलीक्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में हर्ष और उल्लास से सम्पन्न हुआ बाल दिवस समारोह

होलीक्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में हर्ष और उल्लास से सम्पन्न हुआ बाल दिवस समारोह



होलीक्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में हर्ष और उल्लास से सम्पन्न हुआ बाल दिवस समारोह

बाल दिवस: मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

बाल दिवस: मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

बाल दिवस के अवसर पर मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

होलीक्रॉस अवेजी माध्यम में सम्पन्न हुई मध्य विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी

होलीक्रॉस अवेजी माध्यम में सम्पन्न हुई मध्य विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी

होलीक्रॉस अवेजी माध्यम में सम्पन्न हुई मध्य विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी

बाल दिवस पर सम्मानित हुए होलीक्रॉस कॉन्वेंट के बच्चे



सम्मानित किए गए बच्चों के बाल महारथी और छात्रों का समूह

बाल दिवस पर सम्मानित हुए होलीक्रॉस कॉन्वेंट के बच्चे

बाल दिवस पर सम्मानित हुए होलीक्रॉस कॉन्वेंट के बच्चे

होलीक्रॉस अवेजी माध्यम में सम्पन्न हुई मध्य विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी

होलीक्रॉस अवेजी माध्यम में सम्पन्न हुई मध्य विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी



होलीक्रॉस अवेजी माध्यम में सम्पन्न हुई मध्य विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी

बाल दिवस पर सम्मानित हुए होलीक्रॉस कॉन्वेंट के बच्चे



सम्मानित किए गए बच्चों के बाल महारथी और छात्रों का समूह

बाल दिवस पर सम्मानित हुए होलीक्रॉस कॉन्वेंट के बच्चे

बाल दिवस पर सम्मानित हुए होलीक्रॉस कॉन्वेंट के बच्चे

ज्ञानवर्धक आयोजन विद्यार्थियों को नई ऊर्जा देता है: आइजी दीपक झा



सम्मानित किए गए बच्चों के बाल महारथी और छात्रों का समूह

ज्ञानवर्धक आयोजन विद्यार्थियों को नई ऊर्जा देता है: आइजी दीपक झा

ज्ञानवर्धक आयोजन विद्यार्थियों को नई ऊर्जा देता है: आइजी दीपक झा

मविध्य में आप जो कुछ भी बनना चाहें उसे आज ही तय करें,आपके सामने आपका गाल स्पष्ट होना चाहिए-आईजी होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में हुआ बोर्ड परीक्षा के टॉपर बच्चों का सम्मान समारोह

अभियंतापुर (अभियंतापुराणी समाचार):

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अभियंतापुर में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 की 10 वीं बोर्ड परीक्षा के 50 प्रतिशत में अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का सम्मान समारोह पुलिस महानिरीक्षक सरगुरु दीपक कुमार झा आईजीएम के मुख्य अतिथि के रूप में और उन्मुख पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस समारोह में प्रतिभावाले बच्चों के माता-पिता भी शामिल थे। अपने बच्चों को सम्मानित होने हुए शिक्षक विद्यालय प्राचार्य डॉ. उपरिबल खराल जून भायुका भी थे। कार्यक्रम का शरणाग्रण अतिथि डॉ. वरिष्ठ शिक्षक डी सुब्रह्मण्यम् द्वारा किया गया। विद्यार्थियों के शिवाज केरुणाम्बरु केरुण द्वारा उनकी आभारवादी कविताएं हुए, यंत्र तक गर्वितगम्य गया और टीपर प्रत्यक्षतक तथा सम्मान प्राप्त के साथ कार्यक्रम की अतिथिगत शुभ आरंभ भी हुई।



संश्लेषण विद्यालय की प्राचार्य डॉ. जेम्सी वेल्कम द्वारा बच्चों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए उनके अथक परिश्रम और प्रयास की सराहना की गई। उन्होंने कहा कि अध्ययन का रास्ता कठिन तो है लेकिन इसके परिणाम अत्यंत सुखद हैं। आज का यह समारोह किर्ति अंशक द्वारा हाथिल किए गए अंकों के सिद्ध ही नहीं है बल्कि यह सुखद दिन उन बच्चों को सम्मानित है जिन्होंने अपने अत्यंत कठोर परिश्रम किया है। साथ ही यह

की भी थी, एम.डी. बोर्ड परीक्षा में ९० प्रतिशत में अधिक अंक प्राप्त करने वाले १४ छात्रों को सम्मानित किया गया। इसके बाद कक्षा ९-० की भी सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा में ९० प्रतिशत में अधिक अंक प्राप्त करने वाले २६ छात्रों को सम्मानित किया गया। इसके ही विषय विशेष में सर प्रतिशरत अंक हासिल करने वाले बच्चों तथा विशेष सांस्कृतिक उपलब्धि प्राप्त बच्चों को भी मुख्य अतिथि के माध्यम से प्रशंसित और सम्मानित पर इनाम कर सम्मानित किया गया और इनके उल्लेख अतिथि को प्रशंसित की गई।

अभियंतापुर समारोह के पक्षक अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों को सम्मानित करने हुए मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक सरगुरु दीपक कुमार झा आईजीएम के अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम की अतिथिगत शुभ आरंभ भी हुई और अपने अत्यंत कठोर परिश्रम के साथ ही यह

आयोजन • छात्र संसद के शपथ ग्रहण समारोह में कर्तव्यनिष्ठा की ली शपथ परिश्रम का विकल्प नहीं: दुग्गा

बाराबंकी (सिद्धांत)

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल अभियंतापुर में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए बोर्ड परीक्षा का शरणाग्रण करने वाले छात्रों का सम्मान समारोह हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीनियर पुलिस महानिरीक्षक सरगुरु दीपक कुमार झा आईजीएम के मुख्य अतिथि के रूप में और उन्मुख पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस समारोह में प्रतिभावाले बच्चों के माता-पिता भी शामिल थे। अपने बच्चों को सम्मानित होने हुए शिक्षक विद्यालय प्राचार्य डॉ. उपरिबल खराल जून भायुका भी थे। कार्यक्रम का शरणाग्रण अतिथि डॉ. वरिष्ठ शिक्षक डी सुब्रह्मण्यम् द्वारा किया गया। विद्यार्थियों के शिवाज केरुणाम्बरु केरुण द्वारा उनकी आभारवादी कविताएं हुए, यंत्र तक गर्वितगम्य गया और टीपर प्रत्यक्षतक तथा सम्मान प्राप्त के साथ कार्यक्रम की अतिथिगत शुभ आरंभ भी हुई।



समारोह में प्रतिभा युवा अतिथि, कर्तव्यनिष्ठा, शिक्षक-विद्यार्थी और अभिभावक।

समारोह में प्रतिभा युवा अतिथि, कर्तव्यनिष्ठा, शिक्षक-विद्यार्थी और अभिभावक। कार्यक्रम का शरणाग्रण अतिथि डॉ. वरिष्ठ शिक्षक डी सुब्रह्मण्यम् द्वारा किया गया। विद्यार्थियों के शिवाज केरुणाम्बरु केरुण द्वारा उनकी आभारवादी कविताएं हुए, यंत्र तक गर्वितगम्य गया और टीपर प्रत्यक्षतक तथा सम्मान प्राप्त के साथ कार्यक्रम की अतिथिगत शुभ आरंभ भी हुई।

12 नईदुनिया केंद्रपुर, बाराबंकी, 06 जनवरी, 2024

समुग्या

www.naidunia.com

एक नजर में
बाराबंकी में प्रतिभा युवा अतिथि, कर्तव्यनिष्ठा, शिक्षक-विद्यार्थी और अभिभावक।

विद्यार्थियों ने की छोटी उम्र में बड़े बदलाव की शुरुआत

सिंगल युज प्लारिस्टिक के खिलाफ होलीक्रास स्कूल के बच्चों ने बुलंद की आवाज, जीवित ज्ञाकियों, रैली से जागा जनमानस



सिंगल युज प्लारिस्टिक के खिलाफ होलीक्रास स्कूल के बच्चों ने बुलंद की आवाज, जीवित ज्ञाकियों, रैली से जागा जनमानस

होलीक्रास स्कूल के बच्चों ने बुलंद की आवाज, जीवित ज्ञाकियों, रैली से जागा जनमानस। कार्यक्रम का शरणाग्रण अतिथि डॉ. वरिष्ठ शिक्षक डी सुब्रह्मण्यम् द्वारा किया गया। विद्यार्थियों के शिवाज केरुणाम्बरु केरुण द्वारा उनकी आभारवादी कविताएं हुए, यंत्र तक गर्वितगम्य गया और टीपर प्रत्यक्षतक तथा सम्मान प्राप्त के साथ कार्यक्रम की अतिथिगत शुभ आरंभ भी हुई।



सिंगल युज प्लारिस्टिक के खिलाफ होलीक्रास स्कूल के बच्चों ने बुलंद की आवाज, जीवित ज्ञाकियों, रैली से जागा जनमानस

75 हजार इलाहाबाद के साथ शिवाज केरुणाम्बरु केरुण द्वारा उनकी आभारवादी कविताएं हुए, यंत्र तक गर्वितगम्य गया और टीपर प्रत्यक्षतक तथा सम्मान प्राप्त के साथ कार्यक्रम की अतिथिगत शुभ आरंभ भी हुई।



सिंगल युज प्लारिस्टिक के खिलाफ होलीक्रास स्कूल के बच्चों ने बुलंद की आवाज, जीवित ज्ञाकियों, रैली से जागा जनमानस

उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शरणाग्रण अतिथि डॉ. वरिष्ठ शिक्षक डी सुब्रह्मण्यम् द्वारा किया गया। विद्यार्थियों के शिवाज केरुणाम्बरु केरुण द्वारा उनकी आभारवादी कविताएं हुए, यंत्र तक गर्वितगम्य गया और टीपर प्रत्यक्षतक तथा सम्मान प्राप्त के साथ कार्यक्रम की अतिथिगत शुभ आरंभ भी हुई।

कठिन परिश्रम करें और एक सफल नागरिक बनें-कमिश्नर

होली क्रॉस स्कूल में छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

बाराबंकी (सिद्धांत)

होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल अभियंतापुर में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए बोर्ड परीक्षा का शरणाग्रण करने वाले छात्रों का सम्मान समारोह हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीनियर पुलिस महानिरीक्षक सरगुरु दीपक कुमार झा आईजीएम के मुख्य अतिथि के रूप में और उन्मुख पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस समारोह में प्रतिभावाले बच्चों के माता-पिता भी शामिल थे। अपने बच्चों को सम्मानित होने हुए शिक्षक विद्यालय प्राचार्य डॉ. उपरिबल खराल जून भायुका भी थे। कार्यक्रम का शरणाग्रण अतिथि डॉ. वरिष्ठ शिक्षक डी सुब्रह्मण्यम् द्वारा किया गया। विद्यार्थियों के शिवाज केरुणाम्बरु केरुण द्वारा उनकी आभारवादी कविताएं हुए, यंत्र तक गर्वितगम्य गया और टीपर प्रत्यक्षतक तथा सम्मान प्राप्त के साथ कार्यक्रम की अतिथिगत शुभ आरंभ भी हुई।



समारोह में प्रतिभा युवा अतिथि, कर्तव्यनिष्ठा, शिक्षक-विद्यार्थी और अभिभावक। कार्यक्रम का शरणाग्रण अतिथि डॉ. वरिष्ठ शिक्षक डी सुब्रह्मण्यम् द्वारा किया गया। विद्यार्थियों के शिवाज केरुणाम्बरु केरुण द्वारा उनकी आभारवादी कविताएं हुए, यंत्र तक गर्वितगम्य गया और टीपर प्रत्यक्षतक तथा सम्मान प्राप्त के साथ कार्यक्रम की अतिथिगत शुभ आरंभ भी हुई।

Our children are the reason we laugh, smile, and want to get up every morning



Class NURSERY "A"



Class NURSERY "B"

Our children are the reason we laugh, smile, and want to get up every morning



The secret of getting ahead is getting started



The secret of getting ahead is getting started



The secret of getting ahead is getting started



Next Big Step Towards Graduation



Next Big Step Towards Graduation



Next Big Step Towards Graduation



Class 10th 'E'



Class 10th 'F'

The Graduating Batch



HOLY CROSS CONVENT SR.SEC.SCHOOL AMBIKAPUR, SURGUJA (C.G.)



CLASS - XII 'A'

SESSION - 2025-26

Teachers (From Left) – Mr Anudev Basak, Mrs Jessy Abraham, Mrs Mukta Verma, Mrs Neelam Poddar, Dr Sr Jessy Thekkan (Principal), Mr Sibte Hassan Ansari (Class Teacher), Mr Sunil Kumar Tiwari, Mr Ashish Agrawal, Mr Sunil Vishwakarma, Mr Santosh Behura
First Row (Girls) – Shilpa Badi, Anushi Gupta, Muskan Gupta, Sejal Jaiswal, Kashish Gupta, Ayushi Gupta, Malhi Vishwakarma, Aditha Kashri, Pratygya Tiwari, Sudipta Sen, Anushka Singh(Class Representative), Shagun Sharma, Khushi Choudhary, Vrishti Pandey
Second Row (Girls) – Ishika Goyal, Anshika Singh, Rashi Pandey, Deepanshi Dwitaya Verma, Anushka Minj, Ranu Palwa, Umrah Azmat Ansari, Ayushi Singh, Heeba Ansari, Hansika Dubey, Deepal Kerketta, Pawani Soni, Shilpi Vishwakarma, Roselima Minj, Mrinal Pandey, Ayushi Pathak
Third Row (Boys) – Anush Gupta, Pratyush Kumar Pandey, Rehabh Verma, Uplaksh Tiwari, Kunal Yadav, Lav Goyal, Priyanshu Kumar, Kunal Kothari, Naman Gupta, Akshat Nahar, Abhaash Jaiswal
Top Row (Boys) – Abhijeet Vishwakarma, Rudra Kumar Dubey, Aayushman Srivastava, Roshan Kumar Pandey, Prakhar Pandey, Himanshu Manikpur, Jagjit Singh, Kush Goyal, Shekhat Pandey (School President)

The Graduating Batch



HOLY CROSS CONVENT SR.SEC.SCHOOL AMBIKAPUR, SURGUJA (C.G.)



CLASS - XII 'B'

SESSION - 2025-26

Teachers Left to Right - Mr. Pranay Shrivastava, Mrs. Jessy Abraham, Mrs. Mukta Verma (Class Teacher), Sr. Jessy Thekkan (Principal), Mr. Sunil Tiwari, Mr. Ashish Agrawal, Mr. Yogesh Gour, Mr. C. Sunil
1st row Left to Right - Kaushar Tarannum, Samridhi Kashyap, Anushka Sinha, Prarthana Saumya Kachhap, Simmy Saha, Anshika Sharma, Hritika Mahrotra, Mahi Jaiswal, Ayushi Rajwade, Madhumita Sharma, Mital Singh, Shvani Prajapati, Vanashika Barlar, Parish
2nd row Left to Right - Akriti Dhurve, Aanchal Singh, Yasha Priya Gupta, Nishi Karketta, Swekshha Singh, Jyoti Prajapati, Annika Gupta, Anvesha Sinha, Riddhima Dutta, Parul Soni, Samridhi Gupta, Sakshi Roy Chatterjee, Apurva Verma
3rd row Left to Right - Anjana Yadav, Samridhi Manjhi, Apoorva Shrivastava, Simran Patel, Princy Keshri, Rimjhim Gupta, Maryata Singh, Avaneer Pandey, Ojaswi Kundu, Snigdha Shrivastava, Akanksha Lakra, Archie Ishita Lakra
4th row Left to Right - Adarsh Kumar Singh, Mokshith Sahu, Vikash Palra, Ayush Ekka, Ashish Sharma, Taranswer Singh, Ayush Yadav, Ankit Thakur, Yogendra Rajwade, Abhay Kumar Kushwaha, Shubham Sahu, Harsh Kumar Jha, Ayush Dubey, Dhruv Pandey

The Graduating Batch



HOLY CROSS CONVENT SR.SEC.SCHOOL AMBIKAPUR, SURGUJA (C.G.)



CLASS - XII 'C'

SESSION - 2025-26

Teachers from left - Mr Santosh Behura , Mr Gaurav Gupta , Mrs Rimsha Shrivastava , Mrs Suashmita Bhattacharya , Dr Sr. Jeasy thekkan (principal) , Mr Shekhar Singh (class teacher) , Mr Ashish Agarwal , Mr Sunil Tiwari , Mr Yogesh gaur , Mr Sameer Singh
1st row (girls)- Aditi Singh , Samridhi Garg , Khushi Prajapati , Unmeet kour Chawla , Paridhi Gupta , Priyanshi Agarwal , Shalvi Gupta , Arshita Saha , Bhavi Jain , Aastha Tiwari , Shreya Ambashita , Shifa sanvi Beck , Nidishree Vishwakarma.
2nd row - Aadrika Tayal , Somya Mishra , Soumya Dubey , Ishita Gupta , Aarohi Gupta , Kritika Gupta , Aastha Garg , Anshika Soni , Ishika Agrawal , Bharti Tiwari , Rishita Garg , Ariza sana , Aarya Yadav ,
3rd row - Abin john babu , Ravinandan Mishra , Soumya Kumar Shrivastava , Kartik Bansal , Sumit Vishwas , Tahseen Hasan , Adarsh Gupta , Rishabh mandal , Mayank Jainwal , Piyush Kumar Singh
4th(top row)- Naman raj Jainwal , Shreshth Kesharwari , Krishna Sahu , Akshat Pandey , Gaurav Agrawal , Karandeep Soni , Rudraksh Garg , Shashank Tiwari

The Graduating Batch



HOLY CROSS CONVENT SR.SEC.SCHOOL AMBIKAPUR, SURGUJA (C.G.)



CLASS - XII 'D'

SESSION - 2025-26

Teachers (From Left) – Mr Ravi Ranjan Chaubey, MrPransy Shrivastava, Mrs Rimsha Shrivastava, MrYogesh Gaur, Dr Br Jessy Thekkan (Principal), Mrs Neelam Poddar (Class Teacher), Mr Sunil Kumar Tiwari, Mr Sameer Singh, Mr Aashish Agrawal, Mr Shaktar Singh
First Row (Girls) – Burbhi Yadav, Kenahika Bhaskar, Farhat Kamal Khan, Viddhi Jaiswal, Arya Gupta, Simran Raiwani, Shruti Shrivastava (Class Representative), Arohi Agrawal,Shayoni Banerjee, Mahi Agrawal, Aakriti Dwivedi, Nahida Khatun, Mahi Sharma, Anushka Kushwaha
Second Row (Boys & Girls) – AashishKumar Jaiswal, Saket Singh, Arpit Sharma, AnishGorwani, Apaksha Agrawal, Abhilesha Thakur, Niyati Singh Sisodia, YashitaAgrawal, AasthaKedia, Senchit Kumar Gupta, Pranjal Gupta, Alex PhilipSoren, Ravindra Kumar Toppo
Top Row (Boys) – Umar Faruque Siddique, Sheurya Vijay Singh, Naitik Agrawal, Rohit Saneel, Krishna Agrawal, Ashutosh Singh, Ayush Soni, Lakshya Thakur, Pranav Shrivastava, Shorya Goyal, Ishant Sharma, JatinRaiwani, VadeshwaSoni

Clerical Staff

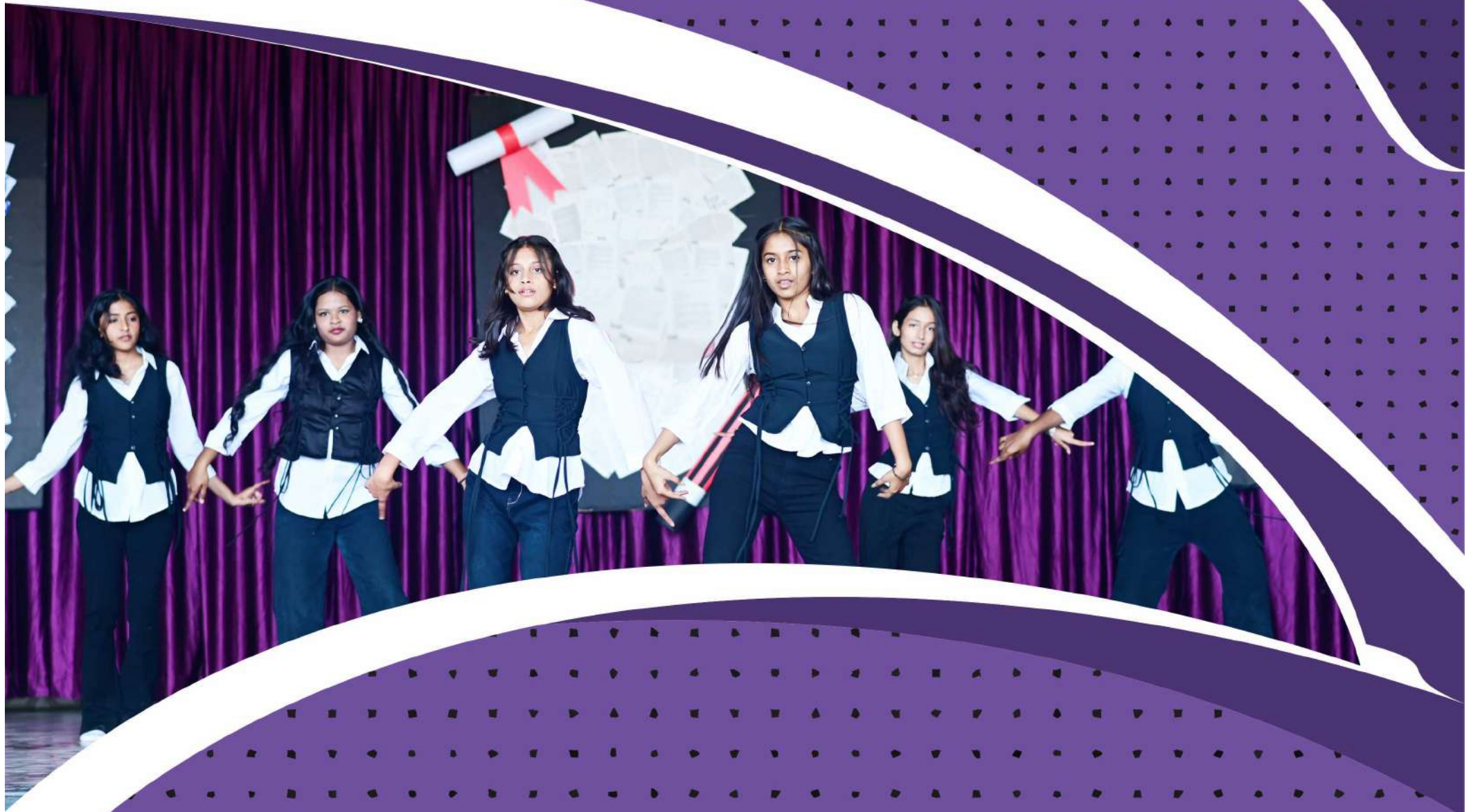


The backbone of administration — sincere, dependable, and devoted.

Support Staff



Dedicated Hands, Caring Hearts — Our Supporting Staff.



HOLY CROSS CONVENT SENIOR SECONDARY SCHOOL

(ENGLISH MEDIUM)

AMBIKAPUR, DIST. - SURGUJA (C.G.), Mo. 7000494395

E-mail : holycrossambikapur67@gmail.com Website : www.holycrossambikapur.com